@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरूवार, 1 जनवरी 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 58 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रभु श्रीराम की आभा केवल अयोध्या तक नहीं बल्कि आज पूरा भारतवर्ष राममय : राजनाथ सिंह

● श्री राम जन्मभूमि परिसर में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर रक्षा मंत्री ने की धर्मध्वजा की स्थापना

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को राजनाथ सिंह ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा बताया। उन्होंने कहा कि हम सभी पिछले अनेक पीढ़ियों की तुलना में अत्यतं सौभाग्यशाली हैं कि हमने वह क्षण अपनी आंखों से देखा। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। यह आभा केवल अयोध्या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण अवध और भारतवर्ष आज राममय है।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के विराजमान होने के प्रतिष्ठा द्वादशी पर द्वितीय वार्षिकोत्सव को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मनोभावों को व्यक्त करते हुए कहा कि 'नाथ आजु मैं कहा न पावा '। ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे

मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यशाली दिन बताते हुए कहा, आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की हर गली-हर चौराहा राममय हो गया हो। कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी, संपूर्ण अयोध्या मां सरयु की गोद में शोभायमान हो रही है। यह आभा केवल अयोध्या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण अवध और भारतवर्ष आज राममय है। उन्होंने इस दिन को गौरवपूर्ण बताते हुए याद दिलाया कि यह वही भूमि है, जिसने वर्षों तक भगवान राम के लिए असहनीय बलिदान दिया, अपमान सहा, लेकिन आस्था को कभी डिगने नहीं होने दिया।

कुछ लोगों ने मजहबी जुनून और तुष्टिकरण के लिए अयोध्या को उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बनाया : मुख्यमंत्री योग

अयोध्या । श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। सीएम योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था।सीएम योगी ने पिछली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिस अयोध्या में कभी संघर्ष नहीं होता था, उस अयोध्या में पिछली सरकारों के शासन में आतंकी हमले होते थे। अयोध्या को लहुलूहान करने का प्रयास हुआ था, लेकिन जहां प्रभु की कृपा बरसती हो और जहां हनुमानगढ़ी में स्वयं हनुमान जी महाराज विराजमान हैं, वहां कोई आतंकी कैसे घुस जाता? 2005 में जैसे ही आतंकियों ने दुस्साहस किया, वैसे ही पीएसी के जवानों ने ठक-ठक करके उन्हें मार गिराया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के अंदर तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को अयोध्या कभी विस्मृत नहीं कर सकती। स्वतंत्र भारत में पहली बार 5 अगस्त 2020 को किसी प्रधानमंत्री का अयोध्या में आगमन हुआ।

राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने बुधवार को एक्स पोस्ट में देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अयोध्या की पावन धरा पर आज रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ मनाई जा रही है। ये वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। इस पावन-पुनीत अवसर पर देश-विदेश के सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु राम के चरणों में मेरा नमन और वंदन। समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्रेरणा हर देशवासी के हृदय में सेवा, समर्पण और करुणा की भावना को और प्रगाढ़ करे, जो समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सशक्त आधार भी बने। गृहमंत्री अमित शाह ने प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज ही की शुभ तिथि पर दो वर्ष पूर्व 500 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की। प्रभु श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रतीक यह मंदिर धर्म

की रक्षा के लिए संघर्ष, सांस्कृतिक स्वाभिमान के लिए त्याग एवं विरासतों के संरक्षण के लिए बलिदान की अप्रतिम प्रेरणा बना रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के सभी बलिदानियों को नमन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि भारत की चेतना के उत्कर्ष की साक्षी बन रही अयोध्या नगरी में आज प्रभु श्री रामलला के नूतन विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ का पावन दिन है।

परीक्षा पे चर्चा

● 3 करोड़ से अधिक पंजीकरण नया कीर्तिमान स्थापित

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख पहल क्परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 30 दिसंबर 2025 तक छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के 03 करोड़ से अधिक पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि क्परीक्षा पे चर्चा' का नौवां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, भारी संख्या में हुए पंजीकरण, कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाते हैं और यह छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने में इसकी सफलता को भी रेखांकित करते हैं। कार्यक्रम परीक्षा को लेकर सकारात्मक और आत्मविश्वासपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। मंत्रालय ने कहा कि इतनी व्यापक भागीदारी यह साबित करती है कि क्परीक्षा पे चर्चा' अब एक सच्चा जन आंदोलन बन चुका है, जो देशभर के विद्यार्थियों और शिक्षकों से गहराई से जुड़ रहा है।

परीक्षा पे चर्चा' साल 2026 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 1 दिसंबर 2025 से मायगव पोर्टल पर शुरू हुए थे। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला

यह कार्यक्रम समय के साथ सीखने और संवाद का एक बहुप्रतीक्षित मंच बन गया है, जो छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को साझा मंच पर लाता है।

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति से भेंट की

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक ने बुधवार को उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उनके बीच विभिन्न समसामयिक विषयों और राज्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

अमित शाह का बंगाल दौरा संपन्न

● ठनठनिया काली मंदिर में की पूजा, चुनावी रणनीति पर हुआ मंथन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को अपने 48 घंटे के व्यस्त दौरे का समापन किया। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कोलकाता में धार्मिक और सांगठनिक कार्यक्रमों में शिरकत की। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य कोलकाता स्थित ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। करीब 300 साल पुराने इस प्रसिद्ध मंदिर में अमित शाह दोपहर लगभग 3.45 बजे पहुंचे। यह मंदिर हिंदू तांत्रिक परंपरा से जुड़ा हुआ माना जाता है। मंदिर पहुंचने से पहले अमित शाह ने शहर के पूर्वी हिस्से में साइंस सिटी सभागार में

पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की, जहां संगठन और चुनावी रणनीति को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान कॉलेज स्ट्रीट इलाके में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मौके पर बैरिकेडिंग की और प्रदर्शनकारियों को मंदिर के पास पहुंचने से रोक दिया पूजा-अर्चना के बाद अमित शाह सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए, जहां से वह दिल्ली के लिए निकल गए। बंगाल दौरे के दौरान अमित शाह ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बैठकें कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया।

भाजपा के एजेंडे के खिलाफ मजदूरों के साथ खड़ा है पंजाब, जबकि कांग्रेस शासित राज्य चुपः हरपाल सिंह चीमा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 31 दिसंबर। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में सुधारों के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि 23,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया भाजपा के सुधारों के दावों की असलियत को बेनकाब करता है। पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय बोझ का 40 परसेंट हिस्सा राज्यों पर डालकर और स्कीम के अधिकार-आधारित ढांचे को खोखला करके, भाजपा ने असल में रोजगार गारंटी को खत्म कर दिया है और भारत के संघीय ढांचे को कमज़ोर किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा इन कदमों के विरुद्ध मजदूरों के साथ मजबूती से खड़ी है, वहीं कांग्रेस शासित राज्यों ने चुप रहना चुना है। बुधवार को पार्टी ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, वित्तीय मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भाजपा लीडरशिप अपनी कार्रवाईयों को जायज ठहराने के लिए ग्रामीण विकास और पंचायती राज% बारे स्थाई कमेटी 2024-25% का गलत देने के लिए निशाना साधा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सप्तगिरी शंकर उलाका की प्रधानगी वाली कमिटी ने कभी भी धर्म के आधार पर रखने यां बदलाव करने की सिफारिश नहीं की थी; इसके बजाय, कमेटी ने पेंडिंग फंड को तुरंत जारी करने की अपील की थी। वित्तीय मंत्री ने भाजपा द्वारा गुमराह करने वाले दावों

का इस्तेमाल करके जानबूझ कर की गई साजिश को छुपे की निंदा की, जिस का उद्देश्य गरीबों, दलितों और छोटे किसानों को उनके रोजी-रोटी के बुनियादी अधिकार से वंचित करना है। मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने खुलासा किया कि जब भाजपा 'सुधार' का नैरेटिव बना रही है, वहीं केंद्र सरकार 23,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के बड़े बकाए पर बैठी है। इसमें मज़दूरों की 12,219 करोड़ रुपये की अवैतनिक मज़दूरी और ग्रामीण विकास प्रोजेक्ट्स के लिए पंचायतों के 11,227 करोड़ रुपये के मटीरियल खर्च के शामिल हैं। वित्तीय मंत्री ने कहा कि स्कीम में सुधार के भाजपा के दावों के बावजूद, 2025-26 के लिए रखे गए बजट का लगभग 27 प्रतिशत जारी नहीं किया गया है, जिससे लाखों परिवार भूखमरी और निराशा की ओर धकेले जा रहे हैं। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मनरेगा को एक नए फ्रेमवर्क से बदलकर, जो वित्तीय बोझ का 40 परसेंट राज्य सरकारों पर डालता है और प्रोजेक्ट प्रस्तावों के लिए केंद्र से पहले मंज़ूरी की मांग करता है, भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने रोज़गार गारंटी को प्रभावशाली ढंग से खत्म कर दिया है। उन्होंने तर्क दिया कि ये कदम भारत के संघीय ढांचे पर सीधा हमला हैं। इसके अलावा, उन्होंने मोबाइल-लोकेशन-आधारित हाजिरी जैसी पाबंदीशुदा शर्तें लागू करने की भी आलोचना की और कहा कि ये उन मजदूरों को बाहर करने के लिए बनाई गई हैं जिनके पास उच्च तकनीकी साधन नहीं हैं। मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कांग्रेस पार्टी की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार इन दमनकारी नीतियों के विरुद्ध विधानसभा में औपचारिक प्रस्ताव पास करने वाली भारत की पहली सरकार बन गई है, जबकि कांग्रेस शासित राज्य चुप हैं।

राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी नववर्ष की बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राष्ट्रपति ने अपने

संदेश में कहा कि नव वर्ष का अवसर नई ऊर्जा और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। यह आत्ममंथन करने और नए संकल्प लेने का भी अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर हमें राष्ट्र के विकास, सामाजिक सौहार्द और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करना चाहिए। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कामना की कि वर्ष 2026 सभी के जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लेकर आए तथा एक सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा का संचार करे।

दर्द निवारक दवा 'निमेसुलाइड' पर प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्वरित दर्द से मुक्ति दिलाने वाली दवा 'निमेसुलाइड' के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है और साथ ही इसके किसी भी 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा

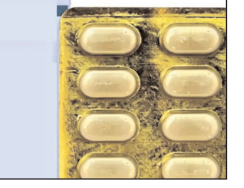

वाले मौखिक फॉर्मूलेशन की बिक्री पर भी रोक लगा दी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से एक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 'निमेसुलाइड' के मानव शरीर पर विपरीत प्रभाव हो सकते हैं और इस दवा के विकल्प भी आसानी से उपलब्ध हैं। इसको देखते हुए ड्रग एवं कॉस्मेटिक एक्ट, 1940 के अनुच्छेद 26ए का उपयोग करते हुए ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड के परामर्श पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीपक जलाने से कोई नहीं रोक सकताः धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सपरिवार किया मीनाक्षी सुंदरश्वरर मंदिर में दर्शन पूजन

एजेंसी

मदुराई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी की दीपमाला में दीपक जलाने से किसी को रोकने की अनुमति नहीं है। इस मामले में न्यायाधीश के आदेश को स्वीकार न करते हुए कुछ लोग राजनीति कर रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बुधवार को मीनाक्षी मंदिर में दर्शन के बाद यहां मीडिया से वार्ता कर रहे थे। मंत्री प्रधान आज अपने परिवार के साथ विश्वप्रसिद्ध मदुरै अरुल्मिगु मीनाक्षी सुंदरश्वरर मंदिर पहुंचे और परिवार के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की। उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई। यहां पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन की ओर से केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया गया। दर्शन के बाद केंदीय मंत्री प्रधान ने पत्रकारों से कहा कि हमने काशी तमिल संगम 4.0 को सफलतापूर्वक पूरा किया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के अनुसार यह काशी तमिल संगम कला और संस्कृति को प्राथमिकता देने के तरीके से आगे बढ़ रहा है। कल मैंने प्रसिद्ध रामेश्वरम में स्वामी का दर्शन किया और उसके बाद आज माता मीनााक्षी सुंदरेश्वरर का दर्शन करने का अवसर मिला है। जिससे मुझे प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री कला और

संस्कृति को महत्व देने का काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, प्रत्येक राज्य के पास मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तमिलनाडु में केवल तमिल भाषा होनी चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि प्रशासनिक तमिलनाडु सरकार तमिल को प्राथमिकता देगी।

मानवीय संवेदनाओं के बिना अस्तित्व को बचाना मुश्किलः मोहन भागवत

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि मानवीय संवेदनाओं के बिना अस्तित्व को बचाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि समाज की दिशा तय करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होती है।डॉ. भागवत ने यहां एम्स ऑडिटोरियम में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका, करियर के साथ सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक चेतना और 'पंच परिवर्तन' (सामाजिक समरसता, पर्यावरण, परिवार प्रबोधन आदि) जैसे विषयों पर चर्चा की। इस संवाद में डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, स्टार्टअप उद्यमी और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े करीब 2,000 युवाओं को आमंत्रित किया गया था। डॉ. भागवत ने युवाओं से करियर के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने की अपील की। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने

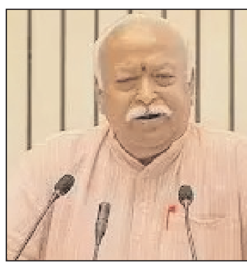

अरावली पर्वत को लेकर कहा कि अब तक दुनिया ऐसा विकास मॉडल नहीं खोज पाई है, जिसमें पर्यावरण और विकास साथ-साथ चल सकें। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण दोनों का समानांतर विकास हो, ऐसा संतुलित विकल्प तलाशना होगा। युवाओं और बढ़ते नशे पर उन्होंने कहा कि आज का युवा अपने को अकेला महसूस कर रहा है। परिवार से संवाद कम हो गया है। बातचीत की कमी के चलते युवाओं के सामने विकल्प के रूप में मोबाइल और नशा सामने आ रहा है।धर्मांतरण और मतांतरण को लेकर डॉ. भागवत ने कहा कि हमें उनके पास जाना चाहिए। सम्मान और प्रेम देना चाहिए। हमें कुछ ऐसा करना चाहिए कि वह पिछड़ेपन से आगे बढ़ सकें। ऐसे में उन्हें विश्वास हो जाएगा कि हमारे लोग हमारे साथ खड़े हैं और वे मूल रूप में आना शुरू हो जाएंगे लेकिन हमें उनके अंदर विश्वास जगाना होगा।डॉ. भागवत ने युवाओं में बढ़ते नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा अकेलापन महसूस कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह अकेलापन उन्हें नशे की ओर धकेलता है। उन्होंने इस मुद्दे को सामाजिक और पारिवारिक बताया, जिसमें परिवारों को अधिक समय देने और युवाओं के साथ जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि समाज को एक-दूसरे के प्रति अधिक संवेदनशील और सहायक होना चाहिए ताकि युवाओं को अकेलापन महसूस न हो। उन्होंने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि देश के शिक्षित युवाओं को केवल करियर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के प्रति अपनी संवेदनाओं को जीवित रखना चाहिए।उन्होंने कहा कि सभी धर्म के मंदिर लोगों के अधीन हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों के कर्मचारी हड़ताल पर, 10-मिनट डिलीवरी ऑप्शन हटाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत पर ऑनलाइन ऑर्डर सबसे ज्यादा बुक होते हैं, ऐसे में ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों के कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए हैं। ऐसे विरोध प्रदर्शन कई शहरों में फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। ज़ोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, ज़ेप्टो, अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफ़ॉर्म से जुड़े वर्कर्स के हड़ताल में हिस्सा लेने की उम्मीद है। यूनियनों का कहना है कि इससे उन रिटेलर्स और प्लेटफ़ॉर्म को नुकसान हो सकता है जो साल के आखिर में टारगेट को पूरा करने लास्ट-माइल डिलीवरी पर बहुत ज़्यादा निर्भर हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिग वर्कर्स यूनियन ने बुधवार को होने वाली देशव्यापी हड़ताल से पहले 10-मिनट डिलीवरी ऑप्शन को हटाने और पहले के पेमेंट स्ट्रक्चर को बहाल करने की अपनी मांग को दोहराया है। यूनियन नेताओं ने कहा कि मौजूदा डिलीवरी मॉडल वर्कर्स पर असुरक्षित दबाव डाल रहा है और उनकी कमाई में काफी कमी आई है। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शेख सलाउद्दीन ने कहा कि फास्ट डिलीवरी मॉडल वर्कर्स को सड़क पर जोखिम लेने के लिए मजबूर कर रहा है, जबकि पेमेंट सिस्टम में बार-बार बदलाव से इनकम में गिरावट आई है।

उन्होंने कहा कि देश भर में हजारों वर्कर्स विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे पीक आवर्स के दौरान डिलीवरी सेवाओं में रुकावट आ सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक सलाउद्दीन ने बताया कि प्लेटफ़ॉर्म कंपनियों से हमारी मांग है कि पुराने पेमेंट स्ट्रक्चर को फिर से लागू किया जाए और सभी प्लेटफ़ॉर्म से 10 मिनट की डिलीवरी का ऑप्शन हटा दिया जाए। हम इस पर चर्चा और बात करने के लिए तैयार हैं। हम राज्य और केंद्र सरकार से इसमें हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हैं। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स ने बुलाई है, जिसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय वर्कर समूहों का समर्थन मिला है।

यूनियन के मुताबिक यह विरोध असुरक्षित डिलीवरी मॉडल, घटती इनकम, मनमाने ढंग से आईटी ब्लॉक करने और सोशल सिक्योरिटी की कमी की ओर ध्यान दिलाने के लिए था। फेडरेशन ने यह भी दावा किया कि 25 दिसंबर के विरोध के बाद प्लेटफॉर्म कंपनियों ने वर्कर्स से बात नहीं की। इसके बजाय, उसने आरोप लगाया कि कंपनियों ने धमकियों, अकाउंट डीएक्टिवेशन और एल्गोरिदम-बेस्ड पेनल्टी के साथ जवाब दिया। लेटर में आगे प्लेटफॉर्म पर हड़ताल को कमजोर करने के लिए थर्ड-पार्टी एजेंसियों का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया गया। 31 दिसंबर की हड़ताल से, कस्टमर्स को देरी और कैंसलेशन का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि डिलीवरी एग्जीक्यूटिव ऐप से लॉग ऑफ कर देंगे या अपना काम बहुत कम कर देंगे। पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद और कोलकाता जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ कई टियर-2 बाजारों में फूड ऑर्डर, ग्रोसरी डिलीवरी और आखिरी मिनट की शॉपिंग पर असर पड़ने की उम्मीद है।

फेडरेशन ने तत्काल सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है और सरकार, प्लेटफॉर्म कंपनियों और

वर्कर यूनियनों को शामिल करते हुए त्रिपक्षीय बातचीत के लिए कहा है। इस लेटर पर आईएफएटी के को-फाउंडर और नेशनल जनरल सेक्रेटरी शेख सलाउद्दीन और कर्नाटक ऐप-बेस्ड वर्कर्स यूनियन के फाउंडर और फेडरेशन के नेशनल वाइस-प्रेसिडेंट इनायत अली के साइन हैं। इसकी कॉपी श्रम और रोजगार मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों को भी भेजी गई है।

पुलिस कांस्टेबल की कार से टक्कर होने से बाइक सवार की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। मंगलुरु में कथित तौर पर एक पुलिस कांस्टेबल की कार की मोटरसाइकिल से आमने-सामने की टक्कर में दुपहिया वाहन पर सवार एक युवक की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि मृतक की पहचान इमरान मोहम्मद ताह निवासी मर्नाबैलू के रूप में हुई है। घटना के समय कार मंगलुरु में जिला अपराध रिकॉर्ड (डीसीआर-1) इकाई में तैनात कांस्टेबल प्रसन्ना चला रहा था। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार उछलकर कार के शीशे पर जा गिरा और फिर सड़क पर आ गिरा जिससे उसके सिर में चोट लगी और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। आरोप है कि कांस्टेबल दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। हालांकि, घटनास्थल पर लोगों ने कार के भीतर शराब की एक बोतल और पुलिस की टोपी देखी और वीडियो बनायी, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। इस वीडियो के संज्ञान में आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने जांच का आदेश दिया। पुलिस ने कहा कि वीडियोग्राफर और मृतक के परिजनों की उपस्थिति में कांस्टेबल का अल्काहोल टेस्ट कराया गया। हालांकि, जांच में नकारात्मक परिणाम आए और पुलिस अधीक्षक ने रक्त की जांच का आदेश दिया। पुंजलकट्टे पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

सेंट्रल जेल से फरार हुए तीन कैदी

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग में स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय जेल से 3 कैदी फरार हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन, पुलिस और जिला प्रशासन में हडकंप मच गया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हजारीबाग सेंट्रल जेल के अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीनों कैदी झारखंड के धनबाद जिले के रहने वाले हैं। तीनों कैदी जेल की पांच स्तरीय सुरक्षा दीवार को भेदकर फरार हुए हैं। हजारीबाग जेल में हुई इस घटना ने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि इस जेल को हाई सिक्योरिटी के लिए जाना जाता है। इस जेल में कई हाई प्रोफाइल कैदी भी बंद हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय जेल में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे पांच स्तर के सुरक्षा घेरे से गुजरना पड़ता है। जेल में आने वाले किसी भी शख्स को जांच के घेरे से गुजरना होता है।

इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौत पर तीन अफसरों पर कार्रवाई

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की कारोबारी नगरी इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सख्त एक्शन लेकर तीन अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी है। दरअसल, भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने के बाद लोगों को उल्टी की शिकायत हुई, जिसमें कई लोग अस्पताल में पहुंचे। अस्पताल पहुंचे लोगों में से तीन की अभी तक मौत हो चुकी है। इस घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीमार मरीजों के उपचार और मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई घटना बेहद दुखद है। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इलाजरत प्रभावितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके साथ ही सीएम ने हादसे में क्षेत्र का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों पर कारवाई के निर्देश दिए हैं। इस बारे में कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि भागीरथपुरा मामले में जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है और प्रभारी उपयंत्री पीएचई शुभम श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक कर दिया है। वहीं इस पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की समिति गठित की गई है। समिति आईएएस नवजीवन पंवार के निर्देशन में जांच करेगी। बताया गया है कि इंदौर में पानी की आपूर्ति खरगोन जिले के जलुद स्थित नर्मदा पंपिंग स्टेशन से की जाती है और आशंका इस बात की है कि पाइपलाइन में कहीं गंदा पानी मिल गया था और इस कारण लोगों की तबीयत बिगड़ी है।

असम में टोना-टोटका करने के शक में एक दंपती को जिंदा जलाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के करबी आंगलोंग जिले से अंधविश्वास और डायन प्रथा से जुड़ी बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां कुछ लोगों ने टोना-टोटका करने के शक में एक दंपती को जिंदा जलाया है यह घटना हावराघाट इलाके के नंबर 1 बेलोगुरी मुंडा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने सबसे पहले दंपती पर उनके ही घर के अंदर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसके बाद घर में आग लगा दी गई। आग की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हुई है। मृतकों की पहचान 43 वर्षीय गार्दी और 33 वर्षीय मीरा बिरोवा के रूप में हुई है। लोगों का आरोप था कि दंपती टोना-टोटका करते थे और उनके कारण गांव और आसपास के इलाके में बुरी घटनाएं हो रही थीं। इसी अंधविश्वास के चलते गांव के कुछ लोगों ने कानून अपने हाथ में लेकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे इलाके को घेरकर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि यह इलाका अभी भी अंधविश्वास और अफवाहों के प्रभाव में है। यहां लोग झूठी मान्यताओं पर भरोसा करते हैं, जिसका खामियाजा निर्दोष लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ता है। पुलिस ने साफ कहा है कि डायन प्रथा और चुड़ैल बताकर किसी को प्रताड़ित करना या मारना कानूनन अपराध है।

बीएमसी चुनाव : मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने 53 उम्मीदवार किए घोषित, दो मुस्लिम भी

मुंबई (एजेंसी)। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए अपने 53 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। इस चुनाव में मनसे और शिवसेना ठाकरे गुट गठबंधन में हैं। सूची में एक उत्तर भारतीय और दो मुस्लिम उम्मीदवार भी शामिल हैं। बाकी सभी उम्मीदवार मराठी भाषी हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा घोषित 53 उम्मीदवारों की सूची में समावेशिता पर जोर दिया गया है। इस सूची में महिला उम्मीदवारों का दबदबा साफ नजर आ रहा है। कुल 53 उम्मीदवारों में से 29 महिलाएं हैं, जबकि 24 पुरुष हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज ठाकरे ने आधी से ज्यादा सीटों पर महिलाओं को अवसर देकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। सामान्य वर्ग से 36 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, जिनमें 20 महिलाएं और 16 पुरुष हैं। मनसे ने सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी अहम स्थान दिया है। कुल 13 ओबीसी उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं, जिनमें 7 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद मनसे के लिए यह चुनाव बहुत अहम माना जा रहा है।

प्रेमानंद महाराज ने लोगों से नए साल में बुरे कर्म छोड़ने और अच्छे कर्म अपनाने को कहा

मथुरा। नए साल के पहले दिन लोगों की धार्मिक आस्था के साथ-साथ नए संकल्पों पर भी ध्यान जाता है। इस मौके पर वृंदावन के प्रसिद्ध धर्मगुरु प्रेमानंद महाराज जी ने नव वर्ष के मौके पर कुछ महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि नया साल केवल जश्न मनाने या पार्टियों का समय नहीं है, बल्कि यह अपने जीवन को सुधारने, बुरे कर्म छोड़ने और अच्छे कर्म अपनाने का मौका है। प्रेमानंद महाराज ने कहा कि शराब पीना, मांस खाना, हिंसा करना और व्यभिचार करने से जीवन में दुख और पाप बढ़ते हैं। कुछ लोग नए साल के उत्साह में इन चीजों का आनंद लेते हैं, लेकिन यह असली खुशी नहीं है। असली प्रसन्नता भगवान की भक्ति और अच्छे कर्मों से मिलती है। उन्होंने नए साल पर अपनाने योग्य कुछ महत्वपूर्ण नियम बताए। इसमें शराब और मांस का त्याग करना, क्रोध, चोरी और हिंसा से दूर रहना, नाम जप और भगवान की भक्ति करना, परोपकार और दान करना शामिल है। यदि कोई व्यक्ति इन नियमों का पालन करता है, तब उसका जीवन सुख-शांति और खुशहाली से भरा होगा। प्रेमानंद महाराज ने बताया कि केवल व्यक्तिगत सुधार ही नहीं, बल्कि समाज और बच्चों के लिए भी बुराइयों से दूर रहना आवश्यक है। जो लोग पाप और बुरे कर्मों में लिप्त रहते हैं, उन्हें जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, मनुष्य जीवन मिला है, राक्षस नहीं। राक्षसी कर्म मत करो और परमात्मा की कृपा पाओ। अंत में प्रेमानंद की महाराज ने सभी से आग्रह किया कि नव वर्ष पर अच्छे संकल्प लें, बुराइयों का त्याग करें और धर्म, भक्ति व परोपकार को अपनाएं। इस प्रकार नव वर्ष मंगलमय होगा और सभी पर भगवान की कृपा बनी रहेगी।

यूपी के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत अन्य पर मामला दर्ज

-पॉश कालोनी के रास्ते में दीवार खड़ी करने पर हुआ था विवाद

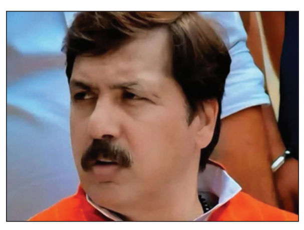

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर मंगलवार की शाम लखनऊ में मामला दर्ज कर लिया गया। इसके साथ ही जौनपुर की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह के पति विनय सिंह और उनके गनर के खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। दरअसल लखनऊ में रास्ते के विवाद को लेकर जौनपुर के महराजगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विनय सिंह ने दो नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसके बाद क्रास मुकदमे में मंगलवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह, विनय सिंह और उनके गनर सहित 10 अज्ञात के खिलाफ लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में मामला दर्ज करवाया गया है।

जानकारी अनुसार उत्तर प्रदेश के बाहुबली नेता पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर मंगलवार की शाम लखनऊ में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही जौनपुर की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह के पति विनय सिंह और उनके गनर के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया गया। बताया जा रहा है कि मांडवी सिंह जौनपुर में महाराजगंज ब्लॉक की प्रमुख हैं, उनके पति विनय सिंह लखनऊ की पॉश कॉलोनी के मार्ग स्थल पर दीवार उठा रहे थे। इसका कॉलोनी के लोगों ने विरोध किया तो विनय सिंह ने धनंजय सिंह को फोन लगा कर, मौजूद लोगों से उनसे बात करने को कहा, लेकिन लोगों ने धनंजय सिंह से बात करने से मना कर दिया। लोगों ने आरोप लगाया राइफल दिखाकर धमकाया जा रहा है। इस पर विनय सिंह भड़क गए और उन्होंने ईंट उठा लोगों की तरफ दौड़े। बताया जा रहा है कि विनय अपने साथ 8 से 10 सरकारी और निजी गनर लेकर पहुंचा था। यहां खासा विवाद हुआ और एक समय कॉलोनी में भगदड़ जैसे हालात बन गए। यह मामला सोमवार, 29 दिसंबर की शाम सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में स्वास्तिका सिटी कॉलोनी का बताया गया है। इसके बाद मंगलवार को कॉलोनी के लोगों ने पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर से मुलाकात कर घटना के वीडियो फुटेज सौंपे। इस पर कमिश्नर ने आदेश दिए जिस पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह, विनय सिंह और 8-10 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदूओं पर हमले पर केंद्र की चुप्पी पर विपक्ष ने खड़े किए सवाल

पटना (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर भारत में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में गंभीर चिंता जाहिर की जा रही है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की कथित चुप्पी को लेकर विपक्षी दलों ने सवाल खड़े कर कड़ा कूटनीतिक संदेश देने की मांग की है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा केवल एक आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध क्षेत्रीय स्थिरता और मानवाधिकारों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारत ने ही बांग्लादेश के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसके बाद भारत की

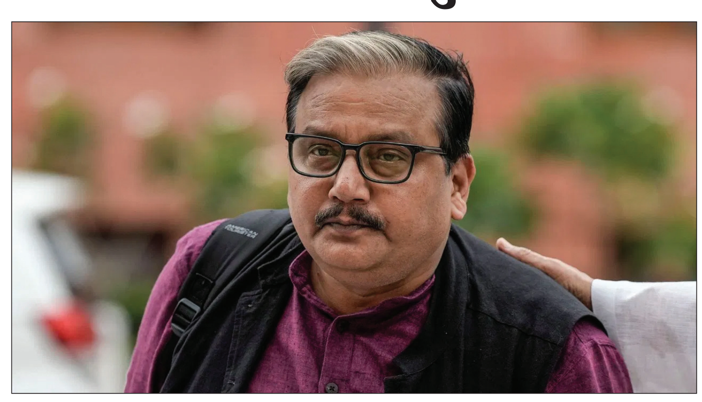

जिम्मेदारी बनती है कि वे इस तरह की घटनाओं पर स्पष्ट और मजबूत संदेश दे। राजद सांसद झा ने कहा कि यह समझना जरूरी है कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ ऐसी घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं। इसके पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक हिंदू कपड़ा कारखाने के सुरक्षा गार्ड की हत्या की कड़ी निंदा की। 42 वर्षीय बाजेंद्र बिस्वास की ड्यूटी के दौरान गोली मार दी गई थी। आरोप है कि उसी कारखाने में कार्यरत अंसार सदस्य नोमान मिया ने सरकारी बंदूक से वारदात की। राव ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में अल्पसंख्यकों की यह तीसरी हत्या है, जो वहां बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दिखाती है। उन्होंने इन घटनाओं को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी चिंता का विषय बताया। इतना ही नहीं भारत सरकार ने भी बांग्लादेश में हिंदू, ईसाई और बौद्ध अल्पसंख्यकों के खिलाफ बार-बार हो रही हिंसा पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ जारी शत्रुता से चिंतित है।

सपा नेता का विवादित बयान, 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता सनातन पांडे ने विवादास्पद बयान देकर दावा किया है कि 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश थी, क्योंकि पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे करने में नाकाम रही थी। सपा नेता पांडे ने कहा कि पुलवामा हमला, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हुए थे, किसी विदेशी साजिश का नतीजा नहीं था। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों से पहले हुआ पुलवामा हमला बीजेपी की साजिश थी। 2014 में भाजपा ने दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करने, महंगाई कम करने और काला धन वापस लाने का वादा किया था। पांच साल में उन्होंने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया।

पांडे ने कहा कि उन्हें लगा कि उन्होंने झूठ बोला है, इसलिए पुलवामा (आतंकवादी हमला) उनकी साजिश का हिस्सा था। यह कोई विदेशी साजिश नहीं थी। आज तक भाजपा यह बताने में असमर्थ है कि आरडीएक्स कहाँ से आया। उनके पास विकास के एजेंडे नहीं हैं और वे संसद में गरीबी पर चर्चा नहीं कर सकते। वे नागरिकों की भावनाओं को भड़काकर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले जो हो रहा है, उस आप देख सकते है। क्या राष्ट्रीय चैनल राष्ट्र के हित में कुछ दिखा रहे हैं? वे एक विशेष समुदाय को निशाना बना रहे हैं।

बात दें कि 14 फरवरी, 2019 को आत्मघाती आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए। भारत सरकार का कहना है कि हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) द्वारा किया गया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने 26 फरवरी, 2019 की सुबह खुफिया जानकारी के

आधार पर चलाए गए एक अभियान में बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया।

एचएएल के ध्रुव एनजी की पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी होने के साथ ही भारत की ताकत बढ़ी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक बड़ा और गर्व का पल हो रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव-न्यू जनरेशन (एनजी) ने अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इससे भारत की हवाई ताकत और बढ़ गई है। यह उड़ान ध्रुव प्लेटफॉर्म को सिविल और निर्यात बाजारों में नई ताकत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एचएएल की ओर से डिजाइन और निर्मित ध्रुव एनजी एक 5.5 टन वजनी, हल्का, ट्विन-इंजन वाला बहु-उद्देशीय हेलीकॉप्टर है। यह मौजूदा ध्रुव प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन इसमें सुरक्षा, प्रदर्शन, उड़ान की सुगमता और यात्रियों के आराम पर खास ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही, भारतीय परिस्थितियों के लिए जरूरी ऊंचाई और गर्म मौसम में उड़ान की क्षमता बरकरार रखी गई है।

ध्रुव एनजी के केंद्र में दो शक्ति 1एच1सी इंजन लगे हैं। ये पूरी तरह स्वदेशी हैं। ये इंजन ज्यादा पावर देते हैं और देश में ही मेंटेनेंस और सपोर्ट की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। एचएएल का कहना है कि शक्ति इंजनों के इस्तेमाल से आत्मनिर्भरता मजबूत होती है और सिविल ऑपरेटरों के लिए लंबे समय तक चलने वाले खर्च कम हो जाते हैं। इस हेलीकॉप्टर में सिविल

सर्टिफाइड ग्लास कॉकपिट है, जो एएस4 मानकों पर खरा उतरता है। इसमें आधुनिक एवियोनिक्स और नेविगेशन सिस्टम लगे हैं, जो पायलट को बेहतर स्थिति जागरूकता देते हैं और उनका काम आसान बनाते हैं।

ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकते हैं। इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर हैं। इसमें क्रैशवर्थी सीटें, सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक और ट्विन-इंजन सेटअप शामिल है। ध्रुव एनजी में उड़ान की सुगमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। एडवांस्ड वाइब्रेशन कंट्रोल सिस्टम लगाए गए हैं। यह खास तौर पर वीआईपी ट्रांसपोर्ट और इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज जैसे कामों के लिए फायदेमंद है। ध्रुव एनजी का अधिकतम टेकऑफ वजन 5,500 किलोग्राम है। इसकी टॉप स्पीड करीब 285 किलोमीटर प्रति घंटा है और रेंज लगभग 630 किलोमीटर (20 मिनट रिजर्व के साथ)। यह तीन घंटे 40 मिनट तक उड़ सकता है और 6,000 मीटर की ऊंचाई तक जा सकता है। अंदरूनी पेलोड क्षमता करीब 1,000 किलोग्राम है। कैबिन का वॉल्यूम 7.33 क्यूबिक मीटर है और इसे कई सिविल भूमिकाओं के लिए आसानी से बदला जा सकता है। वीआईपी या वीवीआईपी ट्रांसपोर्ट के लिए 4 से 6 यात्रियों की सीटिंग, कम्यूटर लेआउट में 14 यात्रियों तक की जगह या एयर एम्बुलेंस के लिए चार स्ट्रेचर, एक डॉक्टर और अटेंडेंट की व्यवस्था की जा सकती है।

'गरीबों से भोजन छीनने' केंद्र सरकार ने वीबी-जी राम जी कानून पास किया

-पंजाब के सीएम मान बोले- इस अधिनियम ने मनरेगा की आत्मा को नष्ट कर दिया

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने 'गरीबों से भोजन छीनने' के लिए वीबी-जी राम जी कानून पास किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार वंचित लोगों के 'अधिकारों पर डाका' नहीं डालने देगी। सीएम मान ने नए 'विकसित भारत-रोजगार गारंटी आजीविका मिशन-ग्रामीण' (वीबी-जी राम जी) विधेयक को 14 घंटे में संसद में पारित कराने की कोशिशों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस अधिनियम ने मनरेगा की आत्मा को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र में पारित वीबी-जी राम जी अधिनियम का विरोध करने के लिए मंगलवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया था। वीबी-जी राम जी

अधिनियम ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कार्यकाल में पारित किए गए मनरेगा की जगह ली है। मान ने सत्र में कहा कि नए अधिनियम का उद्देश्य 'दलितों, महिलाओं और सबसे गरीब परिवारों से भोजन, रोजगार व सम्मान छीनना है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा को पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने सावधानीपूर्वक तैयार किया था। यह सालों की चर्चा के बाद पेश किया गया था। वहीं, वीबी-जी राम जी अधिनियम को संसद में कुछ ही घंटों में पारित कर दिया गया। उन्होंने केंद्र सरकार को जनविरोधी नीतियों को अपनाने के प्रति आगाह किया और कहा कि ऐसा करने पर पंजाब के लोग केंद्रीय नेताओं को उनके गांवों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि हम किसी भी हद तक संघर्ष करेंगे। हम गरीबों के अधिकारों पर डाका डाले जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भारतीय सेना ने गोला-बारूद की आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने गोला-बारूद की आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल कर महत्वपूर्ण रणनीतिक उपलब्धि दर्ज की है। यह कदम देश की सैन्य तैयारियों को दीर्घकालिक और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य, क्षेत्रीय तनाव और अनिश्चितताओं के दौर में किसी भी देश की युद्ध क्षमता केवल आधुनिक हथियारों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि लंबे समय तक निरंतर सैन्य संचालन बनाए रखने की क्षमता पर निर्भर रहती है। इसमें गोला-बारूद, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स की निरंतर उपलब्धता अहम भूमिका निभाती है। लंबे समय तक सेना गोला-बारूद की जरूरतों के लिए पारंपरिक उत्पादन प्रणालियों और विदेशी आयात पर निर्भर रही। इससे वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं में किसी भी तरह के व्यवधान की स्थिति में जोखिम बढ़ जाता था। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों ने बताया है कि वे देश जो घरेलू स्तर पर गोला-बारूद का सतत उत्पादन कर सकते हैं, वही लंबे समय तक अपनी सैन्य गति और प्रभावशीलता बनाए रख पाते हैं। इस अनुभव से सीख लेकर भारतीय सेना ने गोला-बारूद उत्पादन में आत्मनिर्भरता को अपनी तैयारी की केंद्रीय रणनीति बनाया है।

आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल के अनुरूप सेना ने स्वदेशीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। सेना के अनुसार, वह वर्तमान में करीब 200 प्रकार के गोला-बारूद और प्रिसीजन म्यूनिशन का उपयोग करती है। नीतिगत सुधारों, सरल खरीद प्रक्रियाओं और रक्षा उद्योग के साथ मजबूत सहयोग के द्वारा इसमें से 90 प्रतिशत से अधिक का सफलतापूर्वक स्वदेशीकरण हो चुका है। इसका सीधा लाभ है कि अब इन गोला-बारूद की आपूर्ति देश के भीतर से ही सुनिश्चित हो रही है।

बीते चार-पांच वर्षों में खरीद प्रक्रियाओं का पुनर्गठन किया है, ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और आपूर्ति के कई विकल्प उपलब्ध हों। 'मेक इन इंडिया' के तहत करीब 16,000 करोड़ रुपये का आदेश-पैकेज तैयार किया गया है, जबकि पिछले तीन वर्षों में करीब 26,000 करोड़ रुपये के गोला-बारूद के ऑर्डर स्वदेशी निर्माताओं को दिए गए हैं। अनेक श्रेणियों में बहु-स्रोत उपलब्ध होने से आपूर्ति-श्रृंखला और अधिक मजबूत हुई है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अगला चरण इस उपलब्धि को और सुदृढ़ करने का है। विशेष रूप से प्रोपेलेंट, फ्यूज और अन्य कच्चे माल की घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला को मजबूत करने, निर्माण अवसंरचना के आधुनिकीकरण, तकनीक हस्तांतरण में तेजी और कठोर गुणवत्ता मानकों के पालन पर जोर दिया जा रहा है।

राजस्व वृद्धि और खर्च नियंत्रण के सुशासन विकास के प्रतीक, दूरदर्शी नीति के कारण निगम आयुक्त बने चर्चा का केंद्रः नगर निगम आयुक्त अमित कुमार

कौमी पत्रिका
संजय अरोड़ा

चंडीगढ़ शहर को वित्तीय संकट के दंश से उभारने में अहम भूमिका निभाने वाले चंडीगढ़ नगर निगम के आयुक्त अमित कुमार एक बार फिर से अधिकारियों एवं आमजन के बीच चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। निगम आयुक्त अमित कुमार की कार्यशैली की छाप इस बार सदन में भी देखने को मिली। उन्होंने अपने कार्य कौशल से जहां निगम की वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई वहीं आम जन को भी ध्यान में रखते हुए उनके अनुकूल टैक्स एवं बकाया राशि जमा करवाने में राहत प्रदान की। उनके इस साहसी कदम से सुशासन की एक अद्भुत मिशाल देखने को मिली। उन्होंने नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) वर्ष 2024-25 और आगामी बजट 2026-27 को लेकर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, राजस्व बढ़ोतरी और खर्च में कटौती के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। गौरतलब है कि निगम ने, न केवल राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, बल्कि वित्तीय मजबूती की दिशा में भी ठोस कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर पहचान नगर निगम चंडीगढ़ को वर्ष 2024-25 के लिए आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा सुपर स्वच्छ लीग में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, ग्रीन रैंकिंग 2025 में चंडीगढ़ ने 89.09 अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। यह निगम आयुक्त की दूरदर्शी विकास के प्रयासों को दर्शाता है। शहर एवं आमजन के लिए इतना कुछ करने के बावजूद चंडीगढ़ नगर निगम आयुक्त अमित कुमार इसका श्रेय खुद नहीं लेते, बल्कि इसका श्रेय उन्होंने प्रत्येक अधिकारी एवं प्रत्येक निगम कर्मी को दिया, जिन्होंने उनके प्रत्येक आदेश को मानकर शहर के विकास को उच्च स्तर पर ले जाने के सपने को सफल करने में अपना भरपूर योगदान दिया। दूसरे शब्दों में कहे तो यह नगर निगम आयुक्त अमित कुमार की सहजता एवं पूर्ण कार्य कौशल योग्यता का परिणाम है जो चंडीगढ़ शहर का स्तर दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने नगर निगम की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए संपत्ति कर ढांचे को संशोधन किया वाणिज्यिक कर को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया है। इसके अलावा आवासीय संपत्ति कर की दरों में भी संशोधन (लगभग दोगुनी) किया। इन छोटे छोटे बदलावों से अनुमानतः वाणिज्यिक कर से 10 करोड़ रुपये और आवासीय कर से 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना हुई। निगम आयुक्त ने कहा कि खाली भूमि और संपत्तियों का बेहतर उपयोग नगर निगम के अनुसार, तीन बार नीलामी के बाद भी जो संपत्तियां खाली रहेंगी, उन्हें 25 प्रतिशत कम दरों पर किराए पर दिया जाएगा। इससे निगम की निष्क्रिय संपत्तियों से भी आय सुनिश्चित होगी। नगर निगम ने राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ खर्च को नियंत्रित करने पर भी जोर दिया है। लंबित जल बिल, वाणिज्यिक एवं आवासीय संपत्ति कर की वसूली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ साथ स्ट्रीट और पब्लिक लाइटिंग का रखरखाव विभागीय स्तर पर करके बिजली खर्च में भी बचत की गई। नगर निगम ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप परियोजनाओं के माध्यम से राजस्व सृजन को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे न केवल आय बढ़ेगी बल्कि शहरी सुविधाओं में भी सुधार होगा। आयुक्त अमित कुमार ने कहा कि नगर निगम चंडीगढ़ ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, राजस्व वृद्धि और खर्च नियंत्रण के क्षेत्र में संतुलित और दूरदर्शी नीति अपनाई है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धियां और प्रस्तावित बजट सुधार आने वाले वर्षों में चंडीगढ़ को एक आदर्श और आत्मनिर्भर शहरी निकाय के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम साबित हो सकते हैं।

दिल्ली के नरेला में आधी रात धांय-धांय, बदमाशों के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली। नरेला इलाके में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पैर में गोली लगी है और इनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बुधवार देर रात रोके जाने पर दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों की पहचान नरेला निवासी अफजल और चंदन के रूप में हुई है। दोनों नरेला थाने के घोषित बदमाश हैं। इनके पास से दो पिस्टल, दो मोबाइल और बाइक मिली है। मौके से 5 खाली कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

करेली में महिला की गोली मारकर हत्या, पारिवारिक विवाद में दामाद ने सिर में मारी गोली

प्रयागराज। शहर के करेली इलाके में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने का आरोप उसके दामाद पर लगा है। आरोप है कि पारिवारिक विवाद के चलते दामाद ने घटना को अंजाम दिया है। शुक्रवार को विवाद के बाद वह सास को घसीटते हुए घर के बाहर सड़क पर ले आया और उसके सिर में गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में खलबली मच गई। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया है। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है। घटना करेली में काली मंदिर के पास की बताई जा रही है। महिला का नाम आर्शिया खातून (55) है।

नए साल के जश्न से पहले सब कुछ महंगा, होटल-पब और बार में एंट्री डबल!

नई दिल्ली। 31 दिसंबर की रात जैसे-जैसे करीब आती है, शहर की रफ्तार तेज हो जाती है। मॉल, होटल, क्लब और रेस्त्रां जगमगाने लगते हैं। हर जगह एक ही जुमला न्यू ईयर स्पेशल लेकिन इस चमक के पीछे एक सच्चाई भी है। नया साल आने से पहले ही लोगों की जेब हल्की हो रही है। दिल्ली-एनसीआर में न्यू ईयर सेलिब्रेशन अब सिर्फ जश्न नहीं, बल्कि महंगा इवेंट बन चुका है। होटल पार्टी पैकेज 6 हजार से शुरू होकर 20 हजार रुपये प्रति व्यक्ति तक पहुंच गए हैं। क्लबों में एंट्री फीस, टैक्सी का किराया, पार्किंग चार्ज और खाने-पीने की कीमतें सब कुछ सामान्य दिनों से दोगुना हो चुकी है। कनॉट प्लेस, एयरोसिटी, गुरुग्राम और नोएडा के कई फाइव-स्टार होटलों में न्यू ईयर पैकेज 12 हजार से 18 हजार रुपये प्रति व्यक्ति हैं। इनमें डिनर, ड्रिंक्स और लाइव म्यूजिक शामिल बताया जाता है लेकिन सीमित ड्रिंक्स और समय की शर्तें भी जुड़ी होती हैं। क्लबों में कपल एंट्री 8 हजार से 15 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। राजौरी गार्डन के एक छोटे से क्लब में प्रति व्यक्ति चार हजार रुपये का पैकेज है, जिसमें खाने-पीने के कुछ चुनिंदा विकल्प शामिल हैं। वहीं इसके साथ शर्त यह भी कि कम से कम 10 लोग ही पैकेज बुक करें, वरना जेब पर भारी पड़ सकता है। यानी दोस्तों के साथ जाना भी तभी संभव है, जब ग्रुप और बजट दोनों पूरे हों। न्यू ईयर नाइट पर कैब किराया सामान्य दिनों के मुकाबले 2 से 3 गुना तक बढ़ जाता है। 300 रुपये का सफर 900 रुपये में बदल जाता है। मजबूरी यह कि शराब पीने के बाद लोग ड्राइव नहीं कर सकते, इसलिए महंगी कैब ही एकमात्र विकल्प बचती है। क्रिसमस के दिन दिल्ली में ओला कैब का किराया आम दिनों के मुकाबले लगभग दोगुना तक पहुंच गया। एक यात्री के मुताबिक, जिस दूरी का किराया रोज 500-600 रुपये होता है, वही क्रिसमस के दिन ओला एप पर 1,063 रुपये दिखा।

फर्जी ढंग से बन रहा था अपात्रों का आयुष्मान कार्ड

लखनऊ। फर्जी आईडी बनाकर अपात्रों का आयुष्मान कार्ड बनाने वाले सात जालसाजों को यूपी एसटीएफ ने 24 दिसंबर को गोमतीनगर विस्तार इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपियों ने अब तक दो हजार से ज्यादा अपात्रों का आयुष्मान कार्ड बनवाकर उन्हें फायदा दिलवाया है। पकड़े गए आरोपियों ने दो आईएसए के दो व एक पूर्व एग्जीक्यूटिव और एक एसएचए का एक्जीक्यूटिव शामिल है। एसटीएफ के एडिशनल एसपी विशाल विक्रम सिंह से मिली जानकारी के अनुसार इसी गिरोह के दो सदस्य को 17 जून 2025 को नवाबगंज प्रयागराज से गिरफ्तार किए गए थे। उस दिन 84 अपात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बरामद हुए थे। उस मामले में प्रयागराज के नवाबगंज थाने में एफआईआर कराई गई थी। इस मामले में जांच के दौरान एसटीएफ को फर्जीवाड़ा करने वाले जालसाज गैंग के लखनऊ में सक्रिय होने की सूचना मिली। इस सूचना पर 24 दिसंबर को विजयनगर कॉलोनी खरगापुर से एसटीएफ ने सात आरोपियों प्रतापगढ़ के जलालपुर किठौली थाना पट्टी निवासी चंद्रभान वर्मा, बाराबंकी के जैदपुर निवासी राजेश मिश्रा, बाराबंकी के सफदरगंज निवासी सुजीत कनौजिया, बाराबंकी के जैदपुर निवासी सौरभ मौर्या, गाजीपुर के परसपुरा झुन्नूलाल चौहारा निवासी विश्वजीत सिंह, माल निवासी रंजीत और इटावा सैफई निवासी अंकित यादव को गिरफ्तार किया। पकड़े गए सभी आरोपी गोमतीनगर विस्तार के खरगापुर इलाके में मकान नंबर 4/210 में किराये पर रह रहे थे। आरोपी चंद्रभान बीए पास है। राजेश मिश्र बीए एलएलबी का छात्र है और आईएसए का पूर्व एक्जीक्यूटिव है। आरोपी सुजीत ने एमए कर रखा है और मौजूदा समय में आईएसए का एक्जीक्यूटिव है। आरोपी सौरभ बीए पास है और आईएसए का एक्जीक्यूटिव है। आरोपी विश्वजीत एमकॉम की पढ़ाई करने के बाद एसएचए में एक्जीक्यूटिव ग्रीवांस की तरह काम कर रहा है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप, मोबाइल व लैपटॉप से मिले 129 लोगों के आयुष्मान कार्ड से संबंधित डेटा, 70 लोग के अपात्र के आयुष्मान कार्ड के स्क्रीनशॉट, 22 डेबिट कार्ड, आठ पैनकार्ड, 2 आईडी कार्ड, 10 चेकबुक, 5 पासबुक, दो मतदाता पहचान पत्र, दो डीएल, एक स्कैनर, चार मोहर, दो क्यूआर कोड, एक सीपीयू, एक कलर प्रिंटर, तीन सिमकार्ड, एक कार और 60370 रुपये मिले हैं। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह लोग पात्र परिवारों की फैमिली आईडी में ओटीपी बायपास कर अपात्र लोगों को जोड़ता था। इसके बाद स्तर पर सेटिंग के जरिए आयुष्मान कार्ड अप्रूव कराये जाते थे। पकड़े गए आरोपी चंद्रभान ने बताया कि उसने सौरभ, सुजीत और विश्वजीत को 22 लाख रुपये कार्ड को अप्रूव करने के लिए दिए थे। गैंग के मास्टरमाइंड पकड़ा गया आरोपी चंद्रभान वर्मा है। उसने पूछताछ में बताया कि वह प्रति कार्ड 6 हजार रुपये लेता था। दो हजार रुपये फैमिली आईडी में अपात्र व्यक्ति को जुड़वाने में 1000 से 1500 रुपये ब्लॉक में कार्ड अप्रूवल के लिए, स्टेट स्तर पर अप्रूवल के लिए 4500 से 5000 रुपये तक खर्च होते थे। पूछताछ में पता चला कि कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ में रंजीत सिंह, आयुष्मान मित्र के तौर पर कार्यरत है। वह अस्पताल के ही कंप्यूटर ऑपरेटर फर्जी कार्डों में जिले का मिसमैच ठीक करता था। इसके बाद इन्हीं कार्डों से अलग-अलग अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराकर अवैध कमाई की जाती थी। एडिशनल एसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर गैंग से जुड़े अन्य आरोपियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

डीडीए की सड़कों पर दिखा सुधार, पीडब्ल्यूडी को काम तेज करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली में सड़क की धूल से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत 24 दिसंबर को निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सड़कों का निरीक्षण कर धूल कम करने के उपायों की समीक्षा की गई। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि डीडीए के अधीन आने वाली सड़कों पर पहले की तुलना में काफी सुधार देखने को मिला है, जिन 27 सड़क हिस्सों पर 12 दिसंबर को ज्यादा धूल पाई गई थी। दोबारा निरीक्षण में उनमें से एक भी हिस्सा अब 'ज्यादा धूल' की श्रेणी में नहीं पाया गया। इनमें 19 हिस्सों पर कम धूल, 7 पर मध्यम धूल और एक हिस्से पर बिल्कुल भी दिखाई देने वाली धूल नहीं मिली। पीडब्ल्यूडी की ओर से रखरखाव की जा रही 106 सड़कों के निरीक्षण में हालात उतने संतोषजनक नहीं पाए गए। इनमें से 9 हिस्सों पर बहुत ज्यादा धूल, 16 पर मध्यम और 37 हिस्सों पर कम धूल दर्ज की गई, जबकि 44 हिस्सों पर धूल नहीं पाई गई। कई जगहों पर सड़क किनारे कूड़ा, निर्माण व तोड़फोड़ का मलबा और खुले में कचरा जलाने की घटनाएं भी सामने आईं।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री कृपा राम गुप्ता द्वारा 72.49 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का एक प्लॉट, जो खसरा संख्या 140 (मिन) का भाग है, भूहर क्षेत्र, वार्डङ्कहैदरगंज, तहसील एवं जिलाङ्कलखनऊ, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री अजय कुमार वर्मा एवं श्री पप्पू लोधी (पुत्र श्री पुरनलाल) से क्रय करने का प्रस्ताव है। उक्त संपत्ति की मूल खतौनी अभिलेखित स्वामिनी श्रीमती शहजहाँ बानो थीं। दुर्भाग्यवश उनका देहांत हो गया, जिनके पश्चात उनके एकमात्र वैधानिक उत्तराधिकारी, श्री मोहम्मद तारिक, जीवित रहे। तत्पश्चात खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 के अनुसार श्री मोहम्मद तारिक का नाम विधिवत रूप से राजस्व अभिलेखों में दर्ज/म्यूटेट किया गया। इसके उपरांत, श्री मोहम्मद तारिक ने उक्त संपत्ति को पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 14/07/2025, क्रमांक 7422 के माध्यम से श्री अजय कुमार वर्मा एवं श्री पप्पू लोधी को विक्रय किया। कृपया यह भी अवगत रहे कि उक्त संपत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, लखनऊ शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री नरेंद्र भाटिया द्वारा फ्रीहोल्ड आवासीय दक्षिणी साइड द्वितीय तल (छत अधिकारों के बिना), जो कि प्लॉट संख्या R-20A एवं R-20B, खसरा संख्या 183 एवं 184 में से निर्मित है, स्थित ब्लॉक क्र-1, भगवती गार्डन, ग्राम नवादा, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059, को श्रीमती गुरचरण कौर से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। उक्त संपत्ति को श्रीमती गुरचरण कौर ने श्रीमती आशा गोयल से बिक्री विलेख दिनांक 11.01.2019, जो कि दस्तावेज़ संख्या 748 के अंतर्गत उप-पंजीयक-IIB, जनकपुरी, नई दिल्ली के कार्यालय में पंजीकृत है, के माध्यम से क्रय किया था। कृपया अवगत कराया जाता है कि मूल चेन दस्तावेज़ गुम हो गए हैं। पूर्ववर्ती दस्तावेज़, जो कि उप-पंजीयक-IIB, जनकपुरी, नई दिल्ली के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 14896, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 896, पृष्ठ संख्या 1 से 10, दिनांक 09.10.2015 को विधिवत पंजीकृत था, उक्त संपत्ति के संबंध में उपलब्ध नहीं है। उपरोक्त दस्तावेज़ों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 3358506/2025) दिनांक 17.11.2025 को दर्ज कराई गई है। यह भी अवगत रहे कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एनएसपी शाखा, नई दिल्ली द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ARIF S/O MOHD MOBIN Residing at H NO-T-679 B MAIN ROAD GAUTAMPURI NEW SEELAMPUR DELHI 110053 have changed my name to MOHD ARIF for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

LR No: 3472464/2025

AMIT SHARMA (Aadhar no-455767312080),S/D/W/O J.P. SHARMA, 31. Tripurari Nagar Mathura Road, Hathras U.P. 204101 srtroads@gmail.com, 9894353079. have LOST MY ORIGINAL PROPERTY DOCUMENTS Number 1546/2004 Survey No-283/3A Acre Cent-1.07 (2) Survey No-283/3B Acre-1.07 (3) Survey no-283/4 Acre Cent-1.07 (4) Survey no-283/5 Acre Cent-1.05 (5) Survey nm-283/6 Acre No-1.61 (6) Survey no-289/3 Acre Cert-0.14(7) Survey no-289/10 Acre Cent-0.10 (8) Survey nm-294/2 Acre Cent-1.72 (9)Survey no-295/1 Acre Cent-3.84 (10) Survey no-295/2 Acre Cent-13.58. Total 13.58. Doc No- 1547/2004 (1)Survey no-275/4 Acre Cent-0.003 (2) Survey no-278/3C Acre Cent-1.58 (3) Survey no-284/4 Acre Cent-0.64. (4)Survey no-284/5 Acre Cent-0.58 (5) Survey no-285/2 Acre Cent-2.21. Total-5.04. Doc No-1548/2004 (1) Survey no-307/1 Acre Cent-1.99 (2) Survey no-316/8A Acre Cent-0.80 Total-2.79. Doc No-1549/2004 (1) Survey no-288/1A2 Acre Cent-2.66 (2)Survey no-309/1B Acre Cent-0.77. Total-3.43. Total Extent 24 Acre 84 Cent. Situated at Akllandapuram Village, sub Registration Office at Kayathar, Kovilpatti Taulk, Tuticorin District, Palayamkottai Registration District State Tamil Nadu.

NAME CHANGE

I MOHD AKBAR ANSARI S/O BARU ANSARI R/O D-496 WEST VINOD NAGAR MANDAWALI FAZALPUR DELHI-110092 have changed my name to MOHD AKBAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Taj Mohammad S/o Mohd Yusuf R/O 7598, Near Masjid Ghante Wali, Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi-11006 have changed my Name to Taj Mohd for all purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as KUMARI SANIYA alias SANIYA D/O PRAVINDRA LAL R/O Plot No-80 And 81, Third Floor, Front LHS, Block-A, Om Vihar Phase-5, Uttam Nagar D.K Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059 have changed my name and shall hereafter be known as KUMARI SANIYA.

NAME CHANGE

I AABIDA W/O MOHD AKBAR R/O D-496 WEST VINOD NAGAR MANDAWALI FAZALPUR DELHI-110092 have changed my name to AABDA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SONIA RAGHAV W/O GOPAL SINGH CHAUHAN HOUSE NO-248, NEAR DEV DHARM KANTA, KULANA(248), POST OFFICE KAHRI, DISTRICT JHAJJAR, HARYANA-124108,HAVE CHANGED MY NAME TO SONIA FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

I, Faruque Khan S/O Abdul Razak residing at A 11/83 DDA Flats Inder Lok Delhi-110035 have changed my name to FARUKH KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Mohammad Shameem S/O Fayaz Uddin residing at 313/88A 3RD FLOOR, STREET NO 5 TULSI NAGAR INDERLOK DELHI-110035 have changed my name to MOHD SHAMEEM for all future purpose.

NAME CHANGE

I ASHOK KUMAR JAIN S/O VIRENDER PRABHAKAR R/O E-15 JANGPURA EXTENSION DELHI-110014 have changed my name to ASHOK JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Hina Nazmeen D/O Ameer Husain Siddiqi W/O Mohd. hafeez R/O House No.99, Lane No.15, Jamia Community Centre, Noor Nagar, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, DIST: South Delhi, Delhi - 110025, have changed my name and shall hereafter be known as Hina Nazmeen, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SARAJU DHIN S/O ABDUL SHAKOOR R/O H NO-4282, GALI SHAHTARA, AJMERI GATE, DELHI-110006. have changed my name to SIRAJUDDIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ABDUL SHAKURA S/O ABDUL GAFOOR R/O H NO-4279, GALI SHAHTARA, AJMERI GATE, DELHI-110006. have changed my name to ABDUL SHAKOOR for all future purposes.

NAME CHANGE

I Ruby Kanojia W/O Vijay Kumar R/O New T block RZ-101 A, Uttam Nagar West delhi 110059 changed my name to Ruby.

NAME CHANGE

I, Mohammad Ashruf S/o Abdul Razzaq R/o A-230/4, Ground Floor, Lal Kuan, Chungi No.2, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name to Mohammad Ashraf.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Arti W/o Mr. Arun is the absolute owner of Freehold Residential Plot area measuring 100 sq. yard., i.e., 83.61 sq. mtrs., out of Khasra No. 1627, Situated at Akash Vihar, Village Loni, Chakbandi Area, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 17.12.2020 as Doc. No. 11482, in Book No. 1, Vol. No. 2159, on Pages 367-386, on Dated 17.12.2020, SR-Loni Ghaziabad., in the chain documents below mentioned document not available i.e. SMC of Late Shri Vedprakash, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Aarti and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Jhandewalan, New Delhi.. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I NUSHRAT W/O ABDUL ALEEM KHAN R/O H.NO 7 B, GALI NO -10 NEAR BAJRANG CHOWK, JAI VIHAR PHASE-3 BAPRAULA DELHI-110043,I have changed my name to NUSRAT Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ABDUL ALEEM S/O SHABBIR AHMAD R/O H.NO - 7 B ,GALI- 10 NEAR BAJRANG CHOWK, JAI VIHAR PH-3 BAPRAULA DELHI-;110043, I have changed my name to ABDUL ALEEM KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I NEERAJ KUMAR S/O MAHARAJ KRISHAN DOGRA R/O RZ 478/10 STREET NO 45 , SADH NAGAR PALAM COLONY DELHI- 110045,I have changed my name to NEERAJ KUMAR DOGRA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I R N PANDEY S/O BALAVANTA PANDEY R/O VILLAGE PANDEYPUR POST SIKRARA , BANKI DIST. JAUNPUR UTTAR PRADESH - 222131, I have changed my name to RAVINDRA NATH PANDEY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Jamil Ahmad S/o Md Yunus R/o C-7B/2B, JVTS Garden, Chattarpur Extension, ChattarPur, Delhi-110074 have changed my name to Mohd Jamil Khan Saifi.

NAME CHANGE

I, RAMABTAR AGGARWAL S/o K.L Aggarwal R/o WZ-337, Lajwanti Garden, Delhi-110046, have changed my name to RAM AVTAR AGGARWAL permanently

NAME CHANGE

I, ABHISHEK S/o Khalbali R/o A-10, Gali No.4, Shashi Garden, , Mayur Vihar, Phase-1, Delhi-110091, have changed my name to ABHISHEK SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, BHARAT KUMAR WALIA S/o Madan Mohan Walia R/o X/1612, ST. NO.11, Rajgarh Colony, Gandhi Nagar, Delhi-110031, have changed my name to BHARAT WALIA permanently.

NAME CHANGE

I Sanjay Darbari S/o R. Parsad R/o 5, Nizamuddin Railway Station, Nizamuddin East, South Delhi - 110013 have changed my name to Sanjay Kumar Darbari for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my clients Dhirender Singh Rana and his wife Padmini Rana, both Ro H. No. North A-80, Street No. 2, West Vinod Nagar, East Delhi, Delhi-92, have severed all relations with their son's Siddharth Rana due to his bad conduct. Both of my clients have also disowned & debarred his son from all their movable & immovable properties. Henceforth my clients shall not be responsible for any acts done by his son. If anybody deals with him, he/she may do so at their own cost & risk.

NAVED KHAN Advocate
SEAT NO. 9, CIRCULAR WING
CIVIL SIDE, TIS HAZARI COURT
DELHI-110055.

PUBLIC NOTICE

That on behalf of my client Mr. IQBAL AHMED (Ad Id No. 4121-8450-7516) son of Rahmat Elahi, R/o, 3910, Jagat Cinema Wali Gali, Darya Ganj, Central Delhi-110002, declare that he has debarred/break his son Mohd. Shafaisal r/o 3910, Jagat Cinema Wali Gali, Darya Ganj, Central Delhi-110002 from all my movable and immovable properties of myself absolutely and forever. That Mohd. Shafaisal Shall have no rights, titles and interest in the movable and immovable properties of my client in future or under any circumstances, if any person deals with him then it shall be their own risk and consequences.

SUNEET KUMAR AGGARWAL,
ADVOCATE
PH.9312433529

PUBLIC NOTICE

That on behalf of my client Mr. IQBAL AHMED (Ad Id No. 4121-8450-7516) son of Rahmat Elahi, R/o, 3910, Jagat Cinema Wali Gali, Darya Ganj, Central Delhi-110002, declare that he has debarred/break his son Hamza Ahmed, his Wife Mazia Ahmed and his Daughter Arjish Ahmed r/o 3910, Jagat Cinema Wali Gali, Darya Ganj, Central Delhi-110002 from all my movable and immovable properties of myself absolutely and forever. That Hamza Ahmed, his Wife Mazia Ahmed and his Daughter Arjish Ahmed Shall have no rights, titles and interest in the movable and immovable properties of my client in future or under any circumstances, if any person deals with him then it shall be their own risk and consequences.

SUNEET KUMAR AGGARWAL,
ADVOCATE
PH.9312433529

NAME CHANGE

I SANDEEP S/O MAHENDER R/O H.N0-14 NEAR CHAUPAL, GWAL PAHARI GURGAON-122003 HAVE CHANGE MY NAME TO SANDEEP TANWAR FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, Sajila W/o Allawala R/o H.no-5959/5860 3rd floor plot no-40 basti harphool singh Sadar bazar Delhi-110006, I have changed my name to Sajela for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NEERA YADAV wife of No.-15723158N, Rank-L/HAV, Name-VIJAY PRAKASH YADAV residing at VILL-JOGIPUR, PO-PIPRA GAUTAM, TEHSIL-BASTI, DIST-BASTI, UTTAR PRADESH-272124, have changed my name from NEERA YADAV to NEERA for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15681510H Rank-HAV Name-SHIJIL A J Presently residing at VPO-KALPETTA, TEH-VYTHIRI, DIST-WAYANAD, KERALA-673121, have changed my mother's name from MOLY to MOLLY for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of her correct date of birth as 15/12/1965 vide Affidavit dated 31/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15681510H Rank-HAV Name-SHIJIL A J Presently residing at VPO-KALPETTA, TEH-VYTHIRI, DIST-WAYANAD, KERALA-673121, have changed my father's name from JOSHY AA to JOSHI for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth as 26/11/1957 vide Affidavit dated 31/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PARVATI, is legally mother of No. 2820604N, Rank – Sep, Name – MODAVE GANESH SHANKAR,5 MARATHA LI, At/Post – Yusuf Wadgaon, Teh – Kaij, Dist – Beed, State – Maharashtra, Pin – 431517, have changed my name from PARVATI to PARVATI SHANKAR MODAVE for all future purposes. Vide affidavit dated 30/12/2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that my name is mentioned as "SARABJEET SINGH BEDI" in my passport no. N9039954, Complete name is printed in the name column as "SARABJEET SINGH BEDI" and Surname column is left blank. Whereas it should be printed as NAME – SARABJEET SINGH and SURNAME – BEDI. I do hereby declare that there are no changes in my name or surname.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Subhash Chandra Tiwari S/o Uma Shankar Tiwari R/o C-3/697, C-3 Block, Harsh Vihar Ext. Delhi declare that name of my wife has been wrongly written as Jai Lakshmi in my minor daughter Vaishnavi Tiwari aged 14 years in her School Records. The actual name of my wife is Jay Laxmi.

NAME CHANGE

I, PAPPU KASHYAP S/O SHISH PAL SINGH R/O H NO A-86, Street No-3, Ganga Vihar, Gokalpuri, Saba Pur, Delhi, North East Delhi, Delhi-110094 have changed the name of my minor daughter ANJALI Alias ANJALI KASYAP aged 16 years and She shall hereafter be known as ANJALI KASHYAP.

NAME CHANGE

I, MEENA DEVI mother of No-17023038P Rank-CFN Name-VIKASH KUMAR residing at VILL-KRISHNA NAGAR, PO-SAHIB-GANJ, TEHSIL & DIST-SAHIB-GANJ, JHARKHAND-816109, have changed my name from MEENA DEVI to MINA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 31/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as VIKASH KUMAR MISHRA S/O LAKSHMAN MISHRA R/O E-67, 2ND FLOOR, GALI NO-1, NEAR ICICI ATM, WEST VINOD NAGAR, IN P EXTENSION, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as KUMAR VIKASH.

NAME CHANGE

I CHANDA SHARMA W/O KAMAL KUMAR R/O H NO- B-27,GALI NO-2, ANKUR ENCLAVE, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094 have changed my name to RADHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SWADESH ROY S/O SUKUMAR ROY R/O B-322, Upper Ground, Front Side, Hari Nagar Ashram, South Delhi, Delhi-110014, have changed the name of my minor daughter JASRITHA aged 11 years and she shall hereafter be known as JASRITHA ROY.

NAME CHANGE

I SHIV PRATAP SINGH S/O SHIV BODH SINGH R/O Flat Number 2214/ Block B/ Gaur Siddhartham, Sidharth Vihar, Near Delhi Public School, PO: Dundahera, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed the name of my minor daughter ATVIKA SINGH aged 8 years and she shall hereafter be known as ADVIKA SINGH.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as SALIMUDDIN S/O ALLADDIN R/O D- 326, Shahid Nagar, Shahid Nagar, Thana Sahibabad, Chikamberpur S.O Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201006 have changed my name and he hereafter be known as SALMUDDIN.

NAME CHANGE

I Raju Kriplani S/o Khushi Ram Kriplani R/o 564/24, Gurunanak Nagar, Neàr Sindhi Boys High School, Chander Nagar, Alambagh, Bakshi Ka Talab, Lucknow, Uttar Pradesh - 226005, have changed my name to Sunil Kriplani.

NAME CHANGE

I Srishti D/o Videsh Kumar Bhati R/o House No-141, Dadri Rithori, PO-Maicha, DIST-Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, have changed my name to Srishti Choudhary

NAME CHANGE

It is for general information that I, MOHD YAKUB S/O MOHD ISHAC R/o B-703, Tower-B, Ajnara Grace Society, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 declare that name of mine and my father has been wrongly written as MOHD YAKUB SAIFI and MOHD ISHAQ SAIFI in my Pan Card No.AMWPS2626J and MOHD YAKUB SAIFE and M I SAIFE in my Driving License No. DL0720019349410. The actual name of mine and my father are MOHD YAKUB and MOHD ISHAC respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as MINU VISHWAS W/O PRAKASH VISHVAS R/O A 3/24, Jagdamba Enclave, Old Haibatpur, Gautam Buddha Nagar, PO: Noida Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as GEETA VISHWAS.

NAME CHANGE

I hitherto known as Riya Gupta daughter of Mukesh Gupta and wife of Rahul Kapoor R/o F-615, Jalvayu Towers, Sector 47, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Riya Kapoor for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरजीत सिंह उर्फ जीत पुत्र** गुन्नू सिंह, **निवासः** गाँव अगरौला, पार्ट-II, थानाः ट्रोनिका सिटी, गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR No. 37262/2018 U/s 379/411 IPC थानाः वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हरजीत सिंह उर्फ जीत** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हरजीत सिंह उर्फ जीत** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 37262/2018 U/s 379/411 IPC थानाः वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हरजीत सिंह उर्फ जीत** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दिपांक्षी राणा
जेएमएफसी-03, प्रथम तल, कमरा नं. 19
(शाहदरा जिला), कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/17540/NE/2025
(Court Notice)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोनीपत में चार पुलिस कर्मी हुए सेवानिवृत्त

एजेंसी

सोनीपत। जिला सोनीपत में आयोजित एक सादे एवं गरिमामय विदाई समारोह में पुलिस आयुक्त ममता सिंह आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने सोनीपत पुलिस के चार कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी। समारोह में सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर ऑनरी निरीक्षक बलराज सिंह, उप निरीक्षक महेंद्र, उप निरीक्षक गजेंद्र तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मेहरबान सिंह को उनकी लंबी, निष्ठावान और अनुशासित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने सम्मान चिन्ह और उपहार भेंट कर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य और सुखद भविष्य की कामना की। पुलिस आयुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए चरण की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों ने अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण से किया है, जिसे विभाग सदैव स्मरण रखेगा। उन्होंने अपेक्षा जताई कि सेवानिवृत्त कर्मचारी आगे भी समाज और परिवार के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। कार्यक्रम में कल्याण शाखा, पुलिस लाइन और अन्य इकाइयों के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

स्कूली छात्र बनेंगे 'दा स्वच्छता हीरो' : शालिनी चेतल

हिसार। नगर निगम की ओर से स्वच्छता के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसके तहत अब स्कूलों के छात्र भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस संबंध में नगर निगम कार्यालय में अतिरिक्तआयुक्त शालिनी चेतल की अध्यक्षता में स्कूल संचालकों, प्रिंसिपलों और उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल ने बताया कि निगमायुक्त नीरजके निर्देशानुसार स्वच्छता से जुड़े सभी कार्यों की अधिकारी स्तर पर कड़ी निगरानी की जा रही है। साथ ही नागरिकों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्रों को घरों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की प्रक्रिया समझाएं, ताकि कचरे के सही निस्तारण में आसानी हो सके। इसके अलावा उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक से होनेवाले पर्यावरणीय नुकसान की जानकारी देने और इसके उपयोग से बचने का संदेश छात्रों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि 1 से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के दौरान स्कूलों के छात्र अपने आसपास के क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवधि में छात्र 'दा स्वच्छता हीरो' के रूप में कार्य करेंगे और अपनी स्वच्छता संबंधी गतिविधियों पर आधारित एक प्रोजेक्ट भी तैयार करेंगे। नगर निगम द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

नव वर्ष पर पुलिस रहेगी सतर्क, हुड़दंग करने वालों पर होगी कार्रवाई : शशांक सावन

हिसार। हिसार पुलिस ने नव वर्ष-2026 के आगमन पर 31 दिसम्बर की रात्रि को आमजन द्वारा नववर्ष उत्सव मनाने के मध्यनजर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के व्यापक प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने आमजन से अपील की है कि सभी नागरिक नव वर्ष उत्सव को धूमधाम से शांतिपूर्वक मनाएं। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि प्रायःदेखने में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व शराब व अन्य नशा करके सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंगबाजी करते है जो गलत है। इन्हीं असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए जिले के सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले होटल, बार, धर्मशाला, पार्क, सिनेमा हॉल, मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन व बस स्टेंड पर कड़ी निगरानी रखेंगे तथा पीसीआर/राइडर से भी अपने-अपने इलाकों में प्रभावी पैट्रोलिंग करवाएंगे। मानकों से अधिक ऊंची आवाज में डीजे साउंड या पटाखे बजाने वालों के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही खुफिया तंत्र एवं सादे कपड़ों में पुलिस कर्मचारी व महिला पुलिस कर्मचारियों की विशेष टीमें अलग अलगइलाकों में निगरानी करती रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय शोधार्थियों सहित सीडीएलयू के 13 शोधार्थी पीएचडी डिग्री के पात्र घोषित

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के परीक्षकों के बोर्ड व शोध समिति की अनुशंसा पर 13 शोधार्थियों को पीएचडी डिग्री का पात्र घोषित किया है। इन शोधार्थियों में तीन अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी भी शामिल हैं। इसमें एक शोधार्थी शारीरिक शिक्षा विभाग, तीन शोधार्थी प्रबंधन विभाग, दो शोधार्थी लोक प्रशासन विभाग, एक शोधार्थी विधि विभाग, एक शोधार्थी भौतिक विभाग, एक शोधार्थी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व चार वाणिज्य विभाग से शामिल है। सीडीएलयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजकुमार सलार ने बताया कि विश्वविद्यालय रिसर्च डिग्री कमेटी की बैठक में शारीरिक शिक्षा विभाग की पल्लवी, प्रबंधन विभाग की महक, रेनू व अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी अली हसन यासीन, लोक प्रशासन विभाग की नविता व ममता, विधि विभाग का नरेंद्र, भौतिक विभाग का विपिन कुमार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का विनोद कुमार व वाणिज्य विभाग की प्रेरणा, आंचल, अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी अब्दुल्लाह नज्म आबेद व शोधार्थी मुजदाद आबेद जासिम को पीएचडी डिग्री का पात्र घोषित किया गया है।

गुरुग्राम देश की आर्थिक राजधानी के रूप में मजबूत इंजनः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम हरियाणा ही नहीं देश की आर्थिक राजधानी के रूप में मजबूत इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है। यहां 250 से अधिक फॉर्च्यून कंपनियां स्थापित हैं। गुरुग्राम स्टार्टअप का इको सिस्टम बन रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि सही नीति और नीयत से काम किया जाए तो हम क्या नहीं हासिल कर सकते। यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां कंपनी बाग में विकसित गुरुग्राम महारैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को आने वाले वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दीं। साथ ही खिलाड़ी तान्या भारद्वाज को भी सम्मानित किया गया। विकसित गुरुग्राम महारैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 113.64 लाख रुपये की छह परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास किए। इनमें 72.96 लाख के दो कार्यों के उद्घाटन व 40.68 लाख रुपये के शिलान्यास किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रैली

उस संकल्प का प्रतिबिंब है, जो हमने गुरुग्राम को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शहरों की श्रेणी में खड़ा करने का हमारी सरकार ने लिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जो समस्याएं हैं, उनका तेज गति से समाधान होगा। उन्होंने कहा कि जब हम गुरुग्राम का नाम लेते हैं तो दुनिया के नक्शे पर एक नया महानगर उभरता हमारी आंखों के सामने नजर आता है। यह वह शहर है जहां गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा व आधुनिक तकनीक का मेल होता है। यहां आईटी, बीपीओ, स्टार्टअप, ऑटोमोबाइल की कंपनियों से शहर विकास में आगे बढ़ रहा है। यहां 19 से अधिक यूनिकॉर्न स्थापित हैं। देशभर से लोग गुरुग्राम में आते हैं। उन्होंने कहा कि जिस शहर की पहचान कभी छोटे से शहर के रूप में थी, आज यह गुरुग्राम पूरी दुनिया में जाना जाता है। आज मिलेनियम सिटी के रूप में गुरुग्राम खड़ा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरगामी सोच का परिणाम है। डबल इंजन की सरकार की ताकत का कमाल है कि आज हरियाणा तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने वर्ष 2014 से लेकर अब तक गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र में करीब दो हजार करोड़ के विकास कार्य कराए हैं। अगर कांग्रेस का 10 साल का शासन देखें तो कुछ नजर नहीं आता। कांग्रेस के शासन में यहां मात्र 724 करोड़ रुपये खर्च किए गए। भाजपा सरकार ने गुरुग्राम विधानसभा में 2000 करोड़ खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्व की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 16 जुलाई को गुरुग्राम में 13 परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास किए, जिनकी लागत 209 करोड़ लागत थी। विकास की 66 घोषणाएं की थी, जिनमें से 39 पूरी की जा चुकी हैं। उनमें से 11 पर काम चल रहा है।

दो हजार अधिकारी-कर्मचारी नहीं भर रहे राज्य सूचना आयोग का जुर्माना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए हैं कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20(1) के तहत राज्य जन सूचना अधिकारियों (एसपीआईओ) पर लगाए गए दंड की शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। करीब दो हजार अधिकारी ऐसे हैं, जिन पर राज्य सूचना आयोग ने जुर्माना लगाया, लेकिन वह जुर्माना जमा नहीं करा रहे हैं। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यह दंड संबंधित एसपीआईओ से मासिक किस्तों में सीधे वसूल किया जाए। हरियाणा में सूचना का अधिकार के तहत अधिकारी-कर्मचारी एक तो सूचना ठीक ढंग से नहीं देते, ऊपर से जुर्माना भी नहीं जमा करवा रहे हैं। इन अधिकारियों पर करीब 10 साल से जुर्माना पेंडिंग है। मुख्य सचिव ने राज्य सूचना आयोग को मासिक रिपोर्ट भी देने की बात कही है। हरियाणा में ऐसे 1953 अधिकारी शामिल हैं। जिन पर चार हजार से लेकर 25 हजार रुपए तक का जुर्माना बकाया है। सबसे ज्यादा

> **समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यह दंड संबंधित एसपीआईओ से मासिक किस्तों में सीधे वसूल किया जाए।**

पंचायत विभाग के 600 अधिकारियों ने जुर्माना राशि जमा नहीं कराई। जबकि स्थानीय शहरी के 500 तो शिक्षा विभाग के 200 अधिकारियों पर जुर्माना बाकी है। वहीं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, वन विभाग, एचएसवीपी, अर्बन एस्टेट, राजस्व, सेवा, परिवहन विभाग समेत कई विभागों के कई अधिकारियों ने अभी तक जुर्माने की राशि जमा नहीं कराई है।

महेंद्रगढ़ में अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा

एजेंसी

नारनौल। जिला नगर योजनाकार नारनौल की टीम ने महेंद्रगढ़ में अवैध कॉलोनी पर जेसीबी चलाकर तोड़फोड़ की कार्रवाई की। यह कार्रवाई शहरी क्षेत्र महेंद्रगढ़ में रिवासा-खायरा रोड पर राजस्व संपदा खायरा स्थित लाभाण दो एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में की गई। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।मिली जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र महेंद्रगढ़ में रिवासा-खायरा रोड पर राजस्व संपदा खायरा स्थित लाभाण दो एकड़ भूमि में अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। जिला नगर योजनाकार की टीम ने इस अवैध कॉलोनी में बनी पांच डीपीसी तीन बाउंड्री वॉल सहित कॉलोनी के सभी आंतरिक रोड को जेसीबी से उखाड़ दिया। यह पूरी तोड़फोड़ की कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट सतेंद्र कुमार, सहायक नगर योजनाकार नारनौल की अगुवाई में संपन्न हुई। जिला नगर योजनाकार के अनुसार जिले में अवैध कॉलोनियों व निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जिला नगर योजनाकार मंदीप सिंह सिहाग ने आम जनता से अपील की है कि नियंत्रित क्षेत्र या शहरी क्षेत्र में

बिना विभागीय अनुमति के किसी भी प्रकार का निर्माण न करें। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्लॉट की खरीद से पहले कॉलोनी की वैधता और निर्माण अनुमति के बारे में जिला नगर योजनाकार कार्यालय नारनौल से जानकारी अवश्य लें।

नए साल के जश्नों की आड़ में नहीं कर सकेंगे हंगामा, पुलिस ने जारी की एडवाजरी

एजेंसी

सोनीपत। 2026 के आगमन को लेकर सोनीपत पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पुलिस आयुक्त सोनीपत ममता सिंह ने स्पष्ट किया है कि नववर्ष के जश्न की आड़ में किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 को शाम छह बजे से लेकर नववर्ष उत्सव के समापन तक जिलेभर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू रहेगी। सार्वजनिक स्थानों व सड़कों के किनारे शराब पीना, वाहनों के साइलेंसर से पटाखे छोड़कर ध्वनि प्रदूषण करना, हुड़दंग मचाना तथा

यातायात में बाधा उत्पन्न करने जैसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे तत्वों पर नियंत्रण के लिए पुलिस द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय प्रबीना ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर जिले के प्रमुख होटल, भोजनालय, ढाबों और धर्मशालाओं पर विशेष सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं। जिले में अलग-अलग संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर उन्नीस नाके स्थापित किए गए हैं।

यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए यातायात प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में नागरिकों से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई है। नशे की हालत में वाहन चलाने, खतरनाक गति से वाहन दौड़ाने, स्टंट करने, टेढ़ी-मेढ़ी चाल से वाहन चलाने तथा अवैध रूप से आयोजनों का संचालन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। इसके लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और सभी अपराध इकाइयों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे नववर्ष का उत्सव शांतिपूर्वक मनाएं और किसी भी प्रकार की हुड़दंगबाजी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। आपात स्थिति में नजदीकी पुलिस थाने, पुलिस कर्मियों या डायल एक-सौ-बारह पर संपर्क किया जा सकता है। सोनीपत पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

यमुनानगर में दस से लापता नवविवाहिता का सुराग नहीं,परिजनों ने दी थाने के घेराव की चेतावनी

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर जिले के उर्जनी गांव से दस दिन पूर्व अपहृत नवविवाहिता शबाना का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। प्रेम विवाह के बाद पहली बार ससुराल जा रही शबाना के अपहरण से इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पति मांगेराम ने परिजनों और ग्रामीणों के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर पत्नी की सकुशल बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे थाने का घेराव करेंगे।जानकारी के अनुसार हिंदू युवक मांगेराम से प्रेम विवाह करने के बाद मुस्लिम नवविवाहिता शबाना पहली बार अपने ससुराल जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। घटना को लेकर पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट परिजनों और ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। मांगेराम अपने परिजनों व ग्रामीणों के साथ एसपी

कमलदीप गोयल से मिला और पत्नी की सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि विवाहिता को जल्द बरामद नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

गांव बललौली निवासी मांगेराम ने बताया कि उसने 27 अक्टूबर को राजपुर निवासी शबाना से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद उसे शबाना के परिजनों से खतरे की आशंका थी, जिस पर पुलिस ने दोनों को सेफ हाउस में रखा था। बाद में शबाना के परिजनों ने पुलिस को लिखित बयान देकर कहा था कि उन्हें इस विवाह पर कोई आपत्ति नहीं है।

मांगेराम के अनुसार, 21 दिसंबर को बललौली गांव में रिसेप्शन पार्टी आयोजित की गई थी। वह अपनी पत्नी शबाना, बहन काजल और जीजा के साथ कार से जा रहा था। उर्जनी गांव के पास पहुंचते ही 10 से 15 लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया, मारपीट की और शबाना का अपहरण कर लिया। पीड़ित युवक का आरोप है कि शबाना का अपहरण उसके परिजनों की साजिश के तहत कराया गया है। दस दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस केवल आश्वासन दे रही है। मांगेराम का दावा है कि पुलिस के पास आरोपियों के मोबाइल फोन और गाड़ियों के नंबर मौजूद हैं, फिर भी अब तक उसकी पत्नी का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

कार्य में कोताही पर सीएम विंडो के पांच नोडल अधिकारियों को नोटिस जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशन में प्रत्येक जिले में चल रही सीएम विंडो पर आई शिकायतों पर कार्रवाई के लिए तैनात पांच नोडल अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री के ओएसडी राकेश संधू ने चंडीगढ़ में बताया कि जिन अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं उनमें मौलिक शिक्षा विभाग, पंचकूला के नोडल अधिकारी की बैठक में अनुपस्थित रहने, स्कूल शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी द्वारा एक्शन टेकन रिपोर्ट समय पर सीएमओ में न भेजने, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, नरवाना के सचिव द्वारा मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल पर डेटा सत्यापन के बिना जारी करने, कैथल जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा गलत खाते में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना का भुगतान करने, अतिरिक्त उपायुक्त, करनाल (क्रीड अधिकारी) द्वारा प्रार्थी की आय, बैंक खाता और दिव्यांगता के आंकड़े सत्यापित किए बिना गलत रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के कारण नोटिस भेजा जाना शामिल है।

संधू ने स्पष्ट किया कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों के साथ सीएम विंडो की समीक्षा बैठक करेंगे। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों का तुरंत समाधान सुनिश्चित करें।

साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 से पहले दर्ज सभी शिकायतों की सूची संबंधित एडीसी द्वारा मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए।के संबंध में हो सकती है।

गहन जांच के बाद खुलेंगी श्रम विभाग में हुए घोटाले की परतें : अनिल विज

तीन जिलों में गड़बड़ी मिलने पर बढ़ाई जांच

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने श्रम विभाग में सामने आए 1500 करोड़ रुपए के वर्क स्लिप घोटाले पर कहा कि इसकी गहनता से जांच के बाद कई परतें खुलेंगी और कई बड़े दोषी सामने आएंगे। जारी जानकारी में विज ने कहा कि उन्होंने जब श्रम विभाग का चार्ज लिया था तब उनके सामने मामला आया था। एक आदमी ने हजारों लोगों की वेरिफिकेशन की थी। यह तकनीकी रूप से संभव नहीं है। जिसके बाद संदेह होने पर उन्होंने इस मामले की जांच के लिए विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। विज ने कहा कि निर्माण कार्य के जो मजदूर है उन्हें सरकार काफी लाभ देती है, उनके बच्चों का पीएचडी तक का सारा खर्चा, शादियों व बच्चे होने पर पैसे देती है, बीमारी होने पर इलाज के पैसे देती है। शर्त यह है कि लाभार्थी पंजीकरण होना चाहिए और इसके लिए वेरिफिकेशन होती है। जब उनके सामने आया कि एक-एक कर्मचारी ने कई-कई हजार लोगों को वेरीफाई किया है तो पहले उन्होंने तीन जिलों की समरी

इंस्पेक्शन कराई जिसमें यही आरोप सही पाए गए। फिर उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों में जांच कराई। मगर प्रदेश भर में जांच कराने के लिए श्रम विभाग के पास इतना स्टाफ नहीं था।

इसलिए जिला उपायुक्तों को पत्र लिखकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर उन्हें अपने-अपने जिलों में रजिस्टर्ड कामगारों की सूचियां लेकर घर-घर जाकर जांच कराने को कहा गया था।मामले में जांच हुई है और 13 जिलों की रिपोर्ट आई है और 9 जिलों की रिपोर्ट आनी बाकी है। 13 जिलों की रिपोर्ट देखकर हम हैरान रह गए कि पांच लाख 99 हजार 758 वर्क स्लिप में से केवल 53 हजार 249 ही वैध है बाकी सभी अवैध है।

इसी प्रकार दो लाख 21 हजार 517 रजिस्टर्ड वर्कर में से केवल 14 हजार 240 वर्कर ही वैध है बाकी अवैध हैं। इसकी जांच अभी होना जरूरी है कि किसने पर्चा बनाई, कब से ले रहे हैं, किस-किस ने लिया, किसने इसे वैरीफाई किया, यह जांच में सामने आएगा और यह मामला और भी बड़ा हो सकता है।

हरियाणा में डीजीपी के चयन को यूपीएससी ने बुलाई बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नया पुलिस महानिदेशक तय करने के लिए यूपीएससी ने बैठक बुला ली है वहीं मौजूदा पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। नए डीजीपी के चयन हेतु होने वाली बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और गृह सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा भाग ले सकते हैं।

आईपीएस वाई पूरण कुमार द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद तत्कालीन पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर अवकाश पर चले गए। उसके बाद सरकार ने 1992 बैच के आईपीएस ओपी सिंह को हरियाणा का कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक बनाया। ओपी सिंह का कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक के रूप में बहुत छोटा मगर काफी प्रभावशाली कार्यकाल रहा है। डीजीपी के लिए हरियाणा सरकार की ओर से पैनल में निवर्तमान पुलिस महानिदेशक 1990 बैच के आईपीएस शत्रुजीत कपूर, 1992 बैच के आईपीएस अजय सिंघल, 1993 बैच के आईपीएस आलोक कुमार मित्तल, 1991 बैच के एसके जैन और 1993 बैच के आईपीएस अरशिंद्र सिंह चावला के नाम भेजे गये हैं। यह सभी अधिकारी डीजीपी रैंक के हैं। हरियाणा सरकार की ओर से भेजे गये पैनल में से तीन नाम चयनित कर यूपीएससी की ओर से सरकार को वापस भेजे जाएंगे, जिनमें से राज्य सरकार किसी एक को डीजीपी नियुक्त करेगी। अजय सिंघल के पुलिस महानिदेशक बनने की पूरी संभावना है, जबकि दूसरे स्थान पर सबसे मजबूत दावेदारी आलोक कुमार मित्तल की है। उनके बाद अरशिंद्र सिंह चावला की दावेदारी मानी जा रही है। एसके जैन इस दौड़ में पिछड़ सकते हैं। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में आरोपित शत्रुजीत कपूर को लेकर यूपीएससी ने सरकार से एफआईआर की डिटेल के साथ ही वेतनमान की जानकारी मांगी थी, जो पुलिस बल प्रमुख होने के नाते वेतनमान के 17वें स्तर पर थे।

निशानदेही के लंबित मामले तुरंत निपटाएं, कोर्ट केस में न हो देरी : मंडलायुक्त

एजेंसी

हिसार। हिसार मंडल के आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कार्यों में तेजी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त महेंद्र पाल एवं एसडीएम ज्योति मित्तल सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडलायुक्त ने डी-मार्केशन से जुड़े लंबित मामलों पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन मामलों में देरी के कारण आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि राजस्व से जुड़े मामलों का समयबद्ध निपटान करना सुनिश्चित करें और डी-मार्केशन कार्यों में भी तेजी लाई जाए। यदि किसी स्तर पर तकनीकी या प्रशासनिक अड़चन सामने आती है, तो उसे तुरंत उच्चाधिकारियों के समक्ष रखा जाए ताकि शीघ्र समाधान संभव हो सके। मंडलायुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने प्रशासनिक कार्यों में आधुनिक तकनीक के उपयोग को आवश्यक

बताते हुए कहा कि रोवर सहित अन्य आधुनिक सर्वे उपकरणों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रत्येक जिले में प्रशिक्षण की जरूरत है, तो इसकी सूचना तुरंत दी जाए। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रशिक्षण से कर्मचारियों की दक्षता बढ़ेगी और सीमांकन व स्थल निरीक्षण जैसे कार्य अधिक सटीक और प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे। बैठक में न्यायालयों से जुड़े लंबित मामलों की धीमी प्रगति पर भी चर्चा करते हुए मंडलायुक्त ने उपायुक्तों और एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने स्तर पर न्यायिक मामलों की नियमित समीक्षा करें और उनके शीघ्र निपटान को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि न्यायिक मामलों में अनावश्यक विलंब आमजन के हितों के विरुद्ध है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंडलायुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने अधिकारियों से क्षेत्र में नियमित दौरा करने, जनता से सीधा संवाद बनाए रखने और समस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं सकारात्मक रवैया अपनाने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आदेश जारी करना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान कर उनके जीवन को सरल बनाना है। साथ ही, उन्होंने शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

युवा अपने सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें, नशों से दूर रहेंः अजय कुमार

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। गुरुग्राम ब्लॉक के गांव बाघनकी में जिला प्रशासन द्वारा रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय कुमार ने स्वयं ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को नजदीक से समझना और उनका प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्राप्त हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। ग्राम पंचायत से जुड़ी मांगों और समस्याओं पर भी पूरी गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डीसी ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा लिखित रूप में दी गई सभी समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएगा। जो समस्याएं प्रशासनिक स्तर पर हल हो सकती हैं, उनका त्वरित समाधान किया जाएगा। उच्च स्तर से संबंधित मामलों को भी समयबद्ध तरीके से निपटाया जाएगा।

डीसी अजय कुमार ने सरकार की महत्वाकांक्षी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के पंजीकरण को लेकर उपस्थित महिलाओं से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं योजना की पात्रता को पूरा करती हैं वे अनिवार्य रूप से अपना पंजीकरण करवाएं, ताकि योजना का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकांश सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है। डीसी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

NAME CHANGE

I, hitherto known as DDHAVAL S/o MANOJ KUMAR R/o A-86 S F Second Floor, Sector-14 Omxe City, Bahadurgarh, Jhajjar Haryana-124507, have changed my name and shall hereafter be known as DDHAVAL SETHI.

दक्षिण अफ्रीका में भारत का वाहन बाजार में दबदबा बढ़ा

- महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी पिकअप श्रृंखला के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका में अग्रणी रही

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका में बिकने वाली आधी कारें अब किसी न किसी रूप में भारत से जुड़ी हुई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जापानी हल्की कारों के 84 प्रतिशत वाहन भारत से आयातित थे, जबकि केवल 10 प्रतिशत वाहन ही जापान में बने थे। कुल वाहन बिक्री में से 36 प्रतिशत वाहन भारत से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से आए, जो स्थानीय उत्पादन के लगभग बराबर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि महिंद्रा एंड महिंद्रा विशेष रूप से अपनी पिकअप श्रृंखला के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका में अग्रणी रही। टाटा जैसी भारतीय कंपनियां भी इस बाजार में मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। 2025 के पहले पांच महीनों में कुल यात्री वाहन बिक्री में से 49 प्रतिशत वाहन भारत से आयात किए गए। इनमें अधिकांश वाहन मारुति सुजुकी के भारत स्थित उत्पादन से आए। यह संकेत देता है कि भारतीय उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों दक्षिण अफ्रीका में उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक हैं। विश्लेषकों के अनुसार भारत में उत्पादन लागत और श्रम अपेक्षाकृत कम होने के कारण कंपनियां वहां उत्पादन बढ़ा रही हैं। इससे दक्षिण अफ्रीका के खरीदारों को कीमतों में राहत मिल रही है। हालांकि, यह स्थानीय वाहन उद्योग के लिए चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि अधिक आयातित वाहन स्थानीय निर्माताओं की बिक्री को प्रभावित कर सकते हैं।

गूगल-पे, फोन-पे और पेटीएम 1 जनवरी से नहीं होंगे बंद

- अगले पूरे साल तक यूजर्स सभी यूपीआई ऐप्स का कर सकते हैं इस्तेमाल

नई दिल्ली । नए साल की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर कुछ मैसेज तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि 1 जनवरी 2026 से गूगल पे, फोन पे जैसे यूपीआई ऐप्स पर लिमिट लगेगी या बंद हो जाएगा। इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। कुछ मैसेज में कहा जा रहा है कि गूगल पे और फोन पे पर 1 जनवरी से ट्रांजेक्शन लिमिट लागू होगी या ऐप काम करना बंद कर देगा। यह पूरी तरह गलत है। एनपीसीआई ने 30 फीसदी मार्केट शेयर की सीमा का नियम प्रस्तावित किया था, लेकिन इसे लागू करने की नई डेडलाइन 31 दिसंबर 2026 तय की गई है। इसका मतलब है कि अगले पूरे साल तक यूजर्स बिना किसी परेशानी के सभी यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक अन्य दावा यह है कि अगर एक साल तक ट्रांजेक्शन नहीं किया गया तो यूपीआई आईडी बंद हो जाएगी। जबे कि सच्चाई यह है कि यह नियम 2023 से लागू है और केवल उन मोबाइल नंबर से जुड़े यूपीआई आईडीएस के लिए है जो अब उपयोग में नहीं हैं। अगर नंबर बदल चुका है और लंबे समय से ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है, तभी यूपीआई आईडी डिएक्टिव हो सकती है। बैंक या ऐप पहले इसकी सूचना भी भेजते हैं। सोशल मीडिया पर यह भी कहा जा रहा है कि पेन-आधार लिंक न होने पर बैंक खाता फ्रीज हो जाएगा और यूपीआई बंद हो जाएगा। यह दावा भी गलत है। पेन लिंक न होने से केवल टीडीएस अधिक कट सकता है और टैक्स रिफंड में समस्या आ सकती है, लेकिन यूपीआई सेवाओं पर इसका कोई असर नहीं होता।

बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ीः म्यूल अकाउंट्स की रोकथाम के लिए ब्रांच वेरिफिकेशन जरूरी

मुंबई

हाल के वर्षों में साइबर ठगी में म्यूल अकाउंट्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। म्यूल अकाउंट ऐसे खाते होते हैं, जिनके जरिए ठगी से निकाले गए पैसे ट्रांसफर किए जाते हैं। इस बढ़ते खतरे के कारण बैंक अब डिजिटल अकाउंट खोलने में पूरी तरह भरोसा नहीं कर रहे। सरकार ने बैंक को केवल आधार और पैन कार्ड से डिजिटल सेविंग अकाउंट खोलने की अनुमति दी है। इन खातों में अधिकतम 1,00,000 रुपए जमा करने की सीमा है और इन्हें एक साल के भीतर फुल केवायसी खाते में बदलना अनिवार्य है। ई-केवाईसी की बजाय अब वीडियो-केवाईसी और ब्रांच वेरिफिकेशन को प्राथमिकता दी जा रही है। आईसीआईसीआई बैंक ने गैर-वेतनभोगी ग्राहकों के लिए इंस्टेंट अकाउंट सुविधा बंद कर दी है। एचडीएफसी बैंक नए एकीकृत मॉडल पर निवेश कर ग्राहक जोड़ रहा है।

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर टेलीकॉम आरओडब्ल्यू विवाद

- सीओएआई ने विभाग से हस्तक्षेप की मांग की

मुंबई (ईएमएस)। दूरसंचार कंपनियों के संगठन (सीओएआई) ने नवी मुंबई

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 89.79 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.90 पर खुला, जो पिछले बंद भाव 89.75 से 15 पैसे कम है। कारोबार के दौरान रुपया थोड़ी कमजोरी के साथ कारोबार करता रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार भारतीय शेयर बेच रहे हैं। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.75 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार पिछले कुछ महीनों से इस बिक्री के कारण रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दबाव में है। अमेरिकी डॉलर की स्थिति छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 98.27 पर पहुंचा। इससे भी रुपया कमजोर हुआ

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर टेलीकॉम आरओडब्ल्यू विवाद

- सीओएआई ने विभाग से हस्तक्षेप की मांग की

मुंबई । दूरसंचार कंपनियों के संगठन (सीओएआई) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) पर राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) की अनुमति न दिए जाने और अत्यधिक शुल्क लगाने का आरोप लगाते हुए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से हस्तक्षेप की मांग की है। आरओडब्ल्यू यानी कि टेलीकॉम कंपनियों को किसी संपत्ति पर नेटवर्क अवसंरचना स्थापित करने और संचालन का अधिकार। सीओएआई के अनुसार, भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने हवाई अड्डे में आईबीएस स्थापित करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन हवाई अड्डे ने नियमों के विपरीत अनुमति नहीं दी। सीओएआई का आरोप है कि हवाई अड्डा कंपनियों को अपने नेटवर्क का अनिवार्य उपयोग करने को कह रहा है और इसके लिए प्रति ऑपरेटर लगभग 92 लाख रुपये प्रतिमाह शुल्क मांगा जा रहा है। चार ऑपरेटरों के लिए यह लगभग 44.16 करोड़ रुपये सालाना बनता है, जो व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक है। संगठन ने दूरसंचार विभाग से आरओडब्ल्यू की अनुमति सुनिश्चित करने और कथित एकाधिकार व्यवस्था की जांच की मांग की है। अदाणी समूह के स्वामित्व वाले एनएमआईए ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मोबाइल नेटवर्क के लिए आईबीएस अवसंरचना सरकारी कंपनी बीएसएनएल पहले से ही परीक्षण के उन्नत चरण में स्थापित कर रही है।

साल के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 545, निफ्टी 190 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को साल 2025 के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 545.52 अंक करीब 0.64 फीसदी उछलकर 85,220.60 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 190.75 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी ऊपर आकर 26,129.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर सूचकांक तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.66 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.77 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.61 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.56 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.50 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.47 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मुख्य सूचकांक में केवल निफ्टी आईटी में ही -0.30 फीसदी की गिरावट रही।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, ट्रेंट, पावर ग्रिड, बीईएल, एनटीपीसी, एमएंडएम, एचयूएल, एसबीआई, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर उछले जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों को नुकसान हुआ।

लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.25 अंक की तेजी के साथ 60,484.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 195 अंक की तेजी के साथ 17,713.95 पर था।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोरी के बाद भी बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 84,793.58 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी-50भी मजबूती के साथ 25,971.05 पर खुला। एशियाई बाजारों में ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.17 फीसदी गिरा, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.42 फीसदी नीचे रहा। चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा। जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया में बाजारों का कारोबार समय से पहले बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में भी दबाव में रहे। वॉल स्ट्रीट लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ।

गिग कामगारों की हड़ताल से ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा प्रभावित

हड़ताल से सेवाओं में व्यवधान आने की संभावना

मुंबई

देश भर के गिग कामगार संगठनों ने 31 दिसंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। नए साल की पूर्व संध्या ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कारोबार के लिए सबसे व्यस्त समय माना जाता है। इस कारण हड़ताल से सेवाओं में व्यवधान आने की संभावना जताई जा रही है। जोमैटो और स्विगी सहित अधिकांश फूड एग्रीगेटर और क्विक कॉमर्स कंपनियां हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए तैयारी में जुटी हैं। प्लेटफॉर्म अपने ऑपरेशन और सपोर्ट सिस्टम को बढ़ा रहे हैं ताकि डिलीवरी पार्टनर्स को सुरक्षा और

सहायता मिल सके। जोमैटो ने डिलीवरी पार्टनरों के लिए आपातकालीन संपर्क, एसओएस बटन और त्वरित प्रतिक्रिया टीम तैयार की है। इटरनल (जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी) ने बताया कि पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। स्विगी अपने नेटवर्क रेस्टोरेंट्स के साथ लगातार संपर्क में है ताकि ऑर्डर की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित हो। संभावित व्यवधानों की स्थिति में रेस्टोरेंट्स अपने कर्मचारियों को तैनात कर डिलीवरी जारी रख सकते हैं। अन्य रेस्टोरेंट्स भी इसी रणनीति को अपना सकते हैं। कंपनियां अतिरिक्त कदम उठा रही हैं ताकि ग्राहकों को हड़ताल का कम से कम असर महसूस हो। ऑर्डर मैनेजमेंट और आपूर्ति समयसीमा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, अन्य प्लेटफॉर्म्स जैसे जेप्टो, बिगबास्केट, एमेजॉन नाउ और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने इस संबंध में प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दिसंबर में भारत का रूस से तेल आयात गिरा

मुंबई । दिसंबर 2025 में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रह सकता है, जो नवंबर के 18.4 लाख बीपीडी से काफी कम है। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट संरचनात्मक नहीं, बल्कि अल्पकालिक बाधाओं के कारण हुई है। रूस के प्रमुख निर्यातक रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई और यूरोपीय संघ के प्रतिबंध मुख्य कारण हैं। भारतीय रिफाइनरियां अभी भी गैर-प्रतिबंधित स्रोतों से रूसी तेल खरीद रही हैं, लेकिन प्रमुख रिफाइनरियों ने प्रतिबंधों के कारण खरीद घटा दी है। विश्लेषकों का कहना है कि जनवरी से नए बिचौलियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनःस्थापित होने से आयात धीरे-धीरे बढ़ सकता है। भारत अभी भी रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना हुआ है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक

चीन को पछाड़ निकल गया सबसे आगे

मुंबई

भारत ने लंबे समय तक शीर्ष पर रहे चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बनने का गौरव हासिल कर लिया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (यूएसडीए) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का चावल उत्पादन 152 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जबकि चीन का उत्पादन 146 मिलियन मीट्रिक टन रहा। वैश्विक चावल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी अब 28 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

भारत में चावल की खेती कोई नई बात नहीं है। प्राचीन काल से ही यह भारतीय भोजन और कृषि का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया में लगभग 1.23 लाख चावल की किस्में पाई जाती हैं, जिनमें से करीब 60 हजार किस्में भारत में मौजूद हैं। 1960 के दशक में भारत खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। तब ताइवान ने भारत को ताइचुंग नेटिव-1 किस्म उपलब्ध कराई। इसके बाद 1968 में भारत में आईआर-8 किस्म की शुरुआत हुई, जिसने उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव लाया। बाजार के जानकारों के अनुसार, भारत का दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बनना सिर्फ कृषि उपलब्धि नहीं, बल्कि रणनीतिक सफलता भी है। भारतीय चावल अब 172 देशों में निर्यात होता है और यह भारत की विदेश नीति का भी अहम हिस्सा बन चुका है। वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि उत्पादों के निर्यात का रिकॉर्ड 4,50,840 करोड़ रुपए रहा, जिसमें चावल की हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत रही।

ईयू का कार्बन कर एक जनवरी से लागू

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

नई दिल्ली

यूरोपीय संघ (ईयू) 1 जनवरी 2026 से इस्पात और एल्युमीनियम सहित कुछ धातुओं के आयात पर कार्बन सीमा समायोजन मैकेनिज्म (सीबीएएम) लागू कर रहा है। यह कर उन उत्पादों पर लगाया जाएगा जिनके निर्माण में अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात उत्पादन में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है, जबकि गैस आधारित डीआरआई में कम और स्क्रैप आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में सबसे कम। एल्युमीनियम के लिए बिजली का स्रोत अहम है; कोयले से बनी बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है और सीबीएएम लागत अधिक होती है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15-22 फीसदी तक की कटौती करनी पड़ सकती है। हालांकि कर सीधे भारतीय कंपनियों द्वारा नहीं देना होगा, ईयू आयातकों को प्रमाणपत्र खरीदना होगा, जिससे लागत अंततः भारतीय निर्यातकों पर आएगी। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा। केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ता स्वीकार किए जाएंगे। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रिया से छोटे निर्यातक बाजार से बाहर हो सकते हैं, जबकि कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। भारत का ईयू को इस्पात और एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर था, जो 2025 में घटकर 5.82 अरब डॉलर रह गया। भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में सीबीएएम एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

लक्ज़री वाहन ब्रांड भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में कर रहा प्रवेश

मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू की नजर भारत के रियल एस्टेट पर

मुंबई

लोकप्रिय लक्ज़री वाहन कंपनियां मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को तलाश रही हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार मर्सिडीज-बेंज गुरुग्राम में लक्ज़री ब्रांडेड रिहायशी परियोजना के लिए कई डेवलपर्स से बातचीत कर रही है। बीएमडब्ल्यू भी भारतीय डेवलपर्स के साथ चर्चा कर रहा है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह सीधे ब्रांडेड परियोजना के लिए है या अपनी डिजाइन सलाहकार फर्म डिज़ाइनवर्क्स के माध्यम से। टोनिनो लैम्बोर्गिनी, जिन्होंने टोनिनो लैम्बोर्गिनी स्पा की स्थापना की, मुंबई और चेन्नई में दो रियल एस्टेट डेवलपर्स के साथ बातचीत अंतिम चरण में हैं। इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि लैम्बोर्गिनी परिवार की भारत में रुचि ने अन्य लक्ज़री कार ब्रांडों की बातचीत में तेजी ला दी है। नोएसिस कैपिटल एडवाइजर्स के एक अधिकारी के अनुसार प्रीमियम वेलनेस ब्रांड और यूरोपीय डिजाइन स्टूडियोज़ भी भारतीय रियल एस्टेट में रुचि ले रहे हैं। मर्सिडीज-बेंज के पास पहले से ही दुबई और मियामी में ब्रांडेड रिहायशी परियोजनाएं हैं। वहीं बीएमडब्ल्यू ने अभी तक वैश्विक स्तर पर कोई ब्रांडेड रिहायशी प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया है। भारत में 2026 तक इस तरह के सौदों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में लक्ज़री और प्रीमियम रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी वाहन ब्रांडों की भागीदारी बढ़ेगी। इससे उच्च-स्तरीय रिहायशी परियोजनाओं का निर्माण और लक्ज़री जीवनशैली का ट्रेंड और अधिक मजबूत होगा।

नए साल पर होटल बुकिंग में उछाल

मुंबई

नए साल के मौके पर होटल और रिहायशी सुविधाओं में अंतिम समय की बुकिंग में भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि नए साल की पूर्व संध्या और नए साल के दिन बुकिंग का 25 से 28 प्रतिशत हिस्सा केवल अंतिम 2-4 दिनों में आया।

इस समय में कमरे के किराये सामान्य त्योहारों की तुलना में 30-45 प्रतिशत अधिक हैं। सबसे अधिक मांग लोनावला, नो सिक, गोवा और कसौली जैसे स्थलों से रही। इन जगहों तक पहुंच आसान है और ग्रुप्स के लिए विला उपलब्ध हैं।

भीड़-भरे सार्वजनिक आयोजनों की बजाय निजी रूप से नया साल मनाने का चलन भी बढ़ रहा है। अरैया होटलों में भी नए साल की अवधि में खोज और मांग 6 से 31 प्रतिशत तक बढ़ी है। वहीं फूड डिलिवरी कारोबार और कुछ पब नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। गिग वर्कर्स की हड़ताल और शहरों में भीड़ कम होने से डिलीवरी प्रभावित हुए हैं।

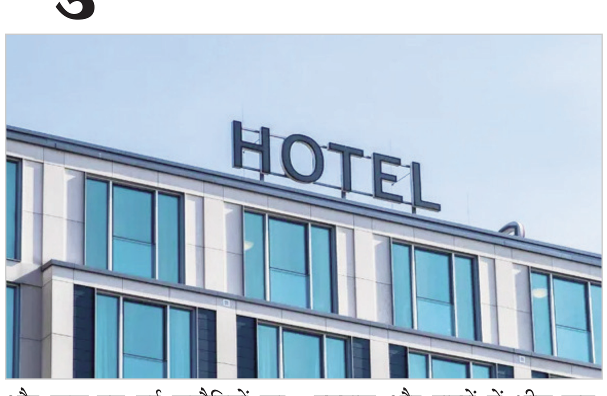

वर्ष 2025 को अलविदा, नववर्ष 2026 का स्वागत

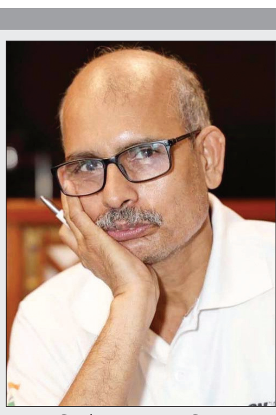

विनोद कुमार सिंह

हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है।जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार आईना दिखाया—हमारी सामूहिक चेतना, हमारे लोकतंत्र, हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का।

काल का चक्र महाकाल के इशारे पर अपनी धुरी पर निरतंर - निर्विघ्न घुमता रहता है।समय का पहिया कभी नहीं रुकता। वह न किसी सत्ता या सरकार के आदेश का इंतजार करता है, न किसी विचारधारा की अनुमति लेता है।हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है।जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार सच्चाई का आईना दिखाया—हमारी सामूहिक चेतना,हमारे लोकतंत्र,हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का। एक बार फिर से वर्ष 2025 उम्मीदों और आशंकाओं के बीच झूलता रहा।यह वर्ष न पूरी तरह अंधकारमय था, न पूरी तरह ऊजालों से भरा रहा। यह वह समय था जब तकनीक ने अभूतपूर्व छलांग लगाई, लेकिन इंसानी रिश्तों में दूरी भी बढ़ी। यह वह साल था जब अर्थव्यवस्था के आँकड़े मजबूत दिखे, लेकिन आम आदमी की थाली, नौकरी और सुरक्षा पर सवाल उठते रहे। यह वह वर्ष भी था जब लोकतंत्र की संस्थाओं पर बहस तेज हुई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज दो स्पष्ट धाराओं में बँटा दिखा।

2025 ने हमें सिखाया कि विकास केवल सड़क, पुल और इमारतों का नाम नहीं है। .विकास का असली पैमाना यह है कि आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और सुना हुआ महसूस करता है।इस वर्ष ने यह भी बताया कि राष्ट्रवाद का सबसे सशक्त रूप वह होता है, जिसमें सवाल पूछने की आजादी सुरक्षित हो और असहमति को देशद्रोह न समझा जाए।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो 2025 में राजनीति और जनभावना के बीच की खाई और स्पष्ट हुई। राजनीति नेताओं ने अपने चुनावी भाषणों में जनता को सपने दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी , उनके घोषणापत्रों में वादे थे, लेकिन जमीनी सच्चाइयों से उनका मेल हमेशा नहीं बैठ पाया। सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिकाओं पर जनता की निगाहें टिकी रहीं। संसद से लेकर सड़कों तक,बहसें गरम रहीं—कभी कानूनों को लेकर,कभी संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर, तो कभी अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर।

लोकतंत्र का सौंदर्य यही है कि वह सवालों से जीवित रहता है। 2025 में सवाल पूछे गए—कभी दबे स्वर में, कभी तेज आवाज में। पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कही जाती है, उसने भी इस वर्ष अपनी कठिन परीक्षा दी। कहीं वह दबाव में दिखी, कहीं साहस के साथ खड़ी नजर आई।सच और सत्ता के बीच की यह खींचतान 2025 की सबसे बड़ी पहचान बनकर उभरी।आर्थिक मोर्चे पर 2025 विरोधाभासों का वर्ष रहा। एक ओर स्टार्ट-अप,डिजिटल भुगतान,आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति दिखी।दूसरी ओर बेरोजगारी, महँगाई और असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा ने लाखों परिवारों को चिंता में डाले रखा। शहरों की चमक और गाँवों की चुनौतियों के बीच की दूरी और गहरी होती प्रतीत हुई।यह वर्ष बार-बार याद दिलाता रहा कि अगर विकास समावेशी नहीं है, तो वह स्थायी भी नहीं हो सकता।

शिक्षा और युवाओं के संदर्भ में 2025 एक निर्णायक मोड़ जैसा रहा। युवा ऊर्जा से भरे हैं, सपने देखते हैं, सवाल करते हैं। लेकिन उनके सामने अवसरों की अनिश्चितता, प्रतियोगिता का दबाव और मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियाँ भी हैं। इस वर्ष ने यह साफ किया कि केवल डिग्री बाँटना पर्याप्त नहीं, बल्कि कौशल, नैतिकता और रोजगार की ठोस व्यवस्था करना समय की मांग है। युवा अगर आश्वस्त नहीं होंगे,तो भविष्य भी अस्थिर रहेगा।

तकनीक के क्षेत्र में वर्ष 2025 ऐतिहासिक रहा।आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस,ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णयों ने जीवन को सुविधाजनक बनाया,लेकिन साथ ही निजता,रोजगार और मानवीय हस्तक्षेप पर नए सवाल खड़े किए। यह वर्ष हमें चेतावनी देकर गया कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। अगर तकनीक का संचालन मानवीय मूल्यों के बिना हुआ, तो वह प्रगति नहीं, संकट बन सकती है।

पर्यावरण के मोर्चे पर 2025 ने सबसे कड़ा संदेश दिया। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा, कहीं भीषण गर्मी—प्रकृति ने साफ शब्दों में कहा कि उसका धैर्य टूट रहा है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। यह वर्ष हमें याद दिलाकर गया कि धरती केवल संसाधन नहीं, हमारी साझी विरासत है।अगर हम सामाजिक ताने-बाने की बात करें तो 2025 में सहिष्णुता की परीक्षा हुई।विविधता हमारे समाज की ताकत रही है,लेकिन इसे कमजोरी समझने की प्रवृत्ति भी दिखी। धर्म, जाति, भाषा और विचार के नाम पर खिंची लकीरें कहीं-कहीं और गहरी हुईं।फिर भी इसी समाज में ऐसे स्वर भी उभरे जिन्होंने संवाद, समरसता और मानवीय मूल्यों की बात की। यही विरोधाभास 2025 की आत्मा रहा।

अब जब हम नववर्ष 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, तो सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, बल्कि यह है कि हम नए साल को क्या देंगे। क्या हम पुराने पूर्वाग्रहों को भी साथ लेकर जाएंगे, या उन्हें यहीं छोड़ देंगे? क्या हम केवल शिकायतों की सूची बढ़ाएंगे, या समाधान का हिस्सा बनेंगे?

2026 का स्वागत केवल आतिशबाजी और शुभकामनाओं से नहीं होना चाहिए,बल्कि संकल्पों से होना चाहिए।संकल्प—एक अधिक संवेदनशील समाज का, एक अधिक जवाबदेह शासन का, एक अधिक ईमानदार सार्वजनिक जीवन का। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बदलाव किसी एक सरकार,संस्था या व्यक्ति से नहीं आता; वह सामूहिक चेतना से जन्म लेता है।

नववर्ष 2026 हमें यह अवसर देता है कि हम संवाद को टकराव से ऊपर रखें।असहमति को शत्रुता न बनने दें। सवाल पूछने को अपराध नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझें। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब नागरिक जागरूक, निर्भीक और संवेदनशील होंगे।

आर्थिक रूप से 2026 से अपेक्षा है कि विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें। रोजगार सृजन केवल आँकड़ों में नहीं, जमीन पर दिखे। किसान, श्रमिक, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग—सभी को भरोसा मिले कि वे विकास की यात्रा के सहभागी हैं, दर्शक नहीं।

पर्यावरण के संदर्भ में 2026 को चेतना का वर्ष बनना होगा। यह समझ विकसित करनी होगी कि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, सहअस्तित्व ही एकमात्र रास्ता है। नदियाँ, पहाड़, जंगल—ये केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की साँसें हैं।

युवाओं के लिए 2026 आशा का वर्ष बन सकता है, बशर्ते उन्हें अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले। उनकी ऊर्जा को नकारात्मक दिशाओं में भटकने से रोकना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। युवा अगर राष्ट्र निर्माण में सहभागी होंगे, तो भविष्य स्वतः सुरक्षित होगा।

अंततः, वर्ष 2025 को अलविदा कहना केवल बीते समय को विदा करना नहीं है, बल्कि उसकी सीख को साथ लेना है।गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना ही समय की सबसे बड़ी समझदारी है। नववर्ष 2026 हमारे सामने एक खुली किताब की तरह है—इसके पन्नों पर क्या लिखा जाएगा, यह हमारे आज के निर्णय तय करेंगे।

आइए,इस नववर्ष 2026 पर यह संकल्प लें कि हम सभी अधिक संवेदनशील,अधिक जिम्मेदार और अधिक ईमानदार मानव बनेगें। क्योंकि जब समाज बेहतर बनता है, तभी वर्ष भी वास्तव में नया होता है।

वर्ष 2025 को विनम्र विदाई के संग नववर्ष 2026 का स्वागत—उम्मीद, विवेक और विश्वास के साथ करें । हमारी हार्दिक शुभकामनाएं स्वीकार करे ।नव वर्ष मंगलमय हो

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है। एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे-मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ-साथ खान-पान, नाम, नैन-नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है। भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरू की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजीजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही किरण रिजीजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं। गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी-शाह दिखा रहे हैं।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

योगेश कुमार गोयल

भारत@2025ः सामर्थ्य, संतुलन और संकल्प का निर्णायक दौर...

भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और गहराया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी।

आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दशार्ता है। लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना केवल रैंकिंग का विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है।

विनिर्माण क्षेत्र में 2025 ने एक प्रकार से पुनर्जागरण का संकेत दिया। वर्षों से सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता के बाद अब विनिर्माण को विकास का मजबूत स्तंभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विनिर्माण उत्पादन की 4.26 प्रतिशत वृद्धि और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में निरंतर सुधार यह दशार्ता है कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की रणनीति धरातल पर उतर रही है। इलैक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का 115 अरब डॉलर तक पहुंचना और निकट भविष्य में इसके तीव्र विस्तार की संभावना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की भूमिका निभा रही है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2025 ने भारत को एक नई वैश्विक पहचान दी। यह वर्ष केवल प्रक्षेपणों की संख्या या तकनीकी प्रयोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की भूमिका के गुणात्मक परिवर्तन का वर्ष बना। बड़े और जटिल संचार उपग्रहों की सफल तैनाती ने यह स्थापित किया कि भारत अब केवल किफायती लॉन्च सेवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि उच्च-मूल्य और तकनीकी रूप से जटिल वाणिज्यिक मिशनों का भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इन-ऑर्बिट सैटेलाइट डॉकिंग जैसी उन्नत क्षमता का सफल प्रदर्शन भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों, उपग्रह सेवा विस्तार और गहरे अंतरिक्ष अभियानों की आधारशिला है। मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में किए गए परीक्षण, स्वदेशी अंतरिक्ष-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर का विकास और छोटे उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का निजी क्षेत्र को हस्तांतरण, ये सभी संकेत देते हैं कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और निजी भागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

रक्षा क्षेत्र में 2025 को सुधार और आत्मनिर्भरता के निर्णायक वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। सैन्य ढ़ांचे के आधुनिकीकरण के साथ-साथ संयुक्त युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए गए। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय के लिए एकीकृत कमांड संरचना की ओर बढ़ना भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप एक रणनीतिक कदम है। नौसेना में नई पनडुब्बियों की तैनाती, स्वदेशी लड़ाकू विमानों की श्रृंखलाबद्ध आपूर्ति और रक्षा बजट में दीर्घकालिक निवेश यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में आयात-निर्भरता से बाहर निकलकर घरेलू क्षमता निर्माण पर जोर दे रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का आधार भी है। बुनियादी ढ़ांचे के विकास ने 2025 में भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, सीमावर्ती सड़कों का निर्माण और तटीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारत को घरेलू रूप से अधिक एकीकृत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक सक्षम बना रहा है।

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्त्राब्दी समारोह, ह्यशान्ति में एक दिनह्न से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरूआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्त्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरूआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरूआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है। वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम 'परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य' इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं। प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल : जेन-जी प्रदर्शनों पर पूर्व गृह मंत्री जांच पैनल के समक्ष पेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक सोमवार को उच्च स्तरीय जांच आयोग के समक्ष पेश हुए। उन पर जेन-जी आंदोलनों के दौरान सुरक्षाबलों को अत्यधिक बल प्रयोग की अनुमति देने का आरोप है। गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाला यह आयोग 8 और 9 सितंबर को हुई हिंसक घटनाओं की जांच कर रहा है। इन प्रदर्शनों में भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ सड़कों पर उतरे 77 लोगों की मौत हुई थी। अगले हफ्ते पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी पूछताछ होने की उम्मीद है।

भारत से संबंधों में टैरिफ की वजह से तनाव : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने भारत और अमेरिका के वर्तमान संबंधों को थोड़ा तनावपूर्ण बताया है। निजी यात्रा पर कर्नाटक आए थानेदार ने कहा कि अमेरिका के जरिये लगाए गए भारी टैरिफ से व्यापारिक रिश्तों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने दोनों देशों के बीच अधिक दोस्ती और भरोसे की जरूरत पर जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारतीय सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया था।

इंडोनेशिया : नाव डूबने से लापता फुटबाल कोच की तलाश तेज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में तीन दिन पहले डूबी नाव के मलबे से बचाव दल ने एक लड़की का शव बरामद किया है। माना जा रहा है कि यह स्पेनिश फुटबॉल कोच फर्नांडो मार्टिन की लापता बेटी का शव है। सोमवार तड़के सेराई द्वीप के पास एक स्थानीय निवासी ने शव तैरता देखा। उसे पहचान के लिए लाबुआन बाजो के अस्पताल भेजा गया है। गौरतलब है कि, वेलेंसिया सीएफ विमेंस बी के कोच मार्टिन का परिवार कोमोडो नेशनल पार्क की यात्रा पर था। शुक्रवार शाम इंजन फेल होने के कारण उनकी नाव डूब गई थी। हादसे के बाद मार्टिन की पत्नी एंड्रिया, एक बेटी और चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया था।

तुर्किये में आईएस से मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हुई एक मुठभेड़ में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के छह आतंकियों और पुलिस के तीन अधिकारियों की मौत हो गई। यह मुठभेड़ सोमवार को इस्तांबुल के दक्षिण में यालोवा प्रांत में एक घर में छिपे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुई। येरलिकाया ने कहा, मुठभेड़ में पुलिस के आठ अन्य अधिकारी और एक गार्ड घायल हो गए हैं। गृह मंत्री के मुताबिक, यालोवा में चलाया गया अभियान देश भर के 15 प्रांतों में आईएस संदिग्धों के खिलाफ हुई 100 से अधिक कार्रवाईयों में से एक था। घर पर चलाए गए अभियान में सावधानी बरती गई, क्योंकि वहां महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। सभी 5 महिलाओं व 6 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया कि सभी आतंकवादी तुर्किये के नागरिक थे। इस बीच, न्याय मंत्री यिलमाज टुनक ने कहा, पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस बीच, झड़प सड़कों पर फैलने के कारण इलाके के पांच स्कूल दिन भर के लिए बंद कर दिए गए। क्षेत्र में प्राकृतिक गैस और बिजली की आपूर्ति भी काट दी गई, जबकि नागरिकों और वाहनों को इलाके में प्रवेश करने से रोक दिया गया। बता दें कि तुर्किये जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी आतंक का पक्ष लेता रहा है।

अर्जेंटीना के राजदूत ने भारत के रुख की सराहना की

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना ने माल्विनास (फॉकलैंड द्वीप) पर अपने लंबे समय से चले आ रहे दावे को दोहराते हुए उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की है। इसके साथ ही भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने सोमवार को भारत की संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग को भी जायज बताया। कॉसिनो ने कहा कि ये द्वीप 1816 में स्पेन की आजादी के बाद अर्जेंटीना को विरासत में मिले थे, लेकिन 1833 में ब्रिटेन ने इन पर अवैध कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना इस मुद्दे को लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। उन्होंने बताया कि 1950-60 के दशक में संयुक्त राष्ट्र में उसे इस मामले में मिला भारत का समर्थन बेहद अहम रहा, क्योंकि उस वक्त भारत एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में उपनिवेशवाद के खिलाफ की एक बड़ी आवाज बनकर उभरा था। इस वर्ष इस विवाद पर शांतिपूर्ण समाधान के आह्वान वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली चर्चा के 60 साल पूरे हो रहे हैं।

कभी गृहिणी थीं खालिदा जिया, पति की हत्या के बाद बनीं 'आयरन लेडी'

ढाका, एजेंसी। 30 दिसंबर 2025 की सुबह बांग्लादेश के लिए एक युग का अंत लेकर आई। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री और तीन बार सत्ता संभालने वाली बेगम खालिदा जिया का 80 वर्ष की आयु में ढाका के एवरकेयर अस्पताल में निधन हो गया। लंबी बीमारी से जूझते हुए उन्होंने सुबह करीब 6 बजे अंतिम सांस ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और लाखों समर्थकों की 'देशमाता' के रूप में जानी जाने वाली खालिदा जिया का जाना न केवल एक राजनीतिक नेता का अवसान है, बल्कि बांग्लादेश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन भी है।

राजनीतिक जीवन की शुरुआतः विधवा से नेता तक

बांग्लादेश की राजनीति में दो महिलाओं का लंबा द्वंद्व रहा है- एक तरफ शेख हसीना, दूसरी तरफ बेगम खालिदा जिया। जहां हसीना को 'बंगबंधु की बेटी' कहा जाता है, वहीं खालिदा जिया को आयरन लेडी' या 'डेमोक्रेसी की मां' के रूप में जाना जाता है। खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1945 को जलपाईगुड़ी (तत्कालीन अविभाजित बंगाल, अब भारत) में हुआ था। उनका परिवार बाद में दिनाजपुर (बांग्लादेश) में बस गया। 1959 में मात्र 15 साल की उम्र में उन्होंने पाकिस्तानी सेना के कैप्टन जियाउर रहमान से शादी की। जियाउर रहमान बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायक बने और 1977 में राष्ट्रपति बने। खालिदा तब तक घरेलू जीवन जी रही थीं, दो बेटों- तारिक और अराफात रहमान (कोको) की परवरिश कर रही थीं। लेकिन 30 मई 1981 को चटगांव में सैन्य तख्तापलट की कोशिश में जियाउर रहमान की हत्या हो गई। इस सदमे ने खालिदा को राजनीति में धकेल दिया। पति की मौत के बाद बीएनपी बिखरने की कगार पर थी। पार्टी कार्यकर्ताओं के आग्रह पर खालिदा ने 1982 में पार्टी की सदस्यता ली और 1984 में अध्यक्ष बन गईं। उन्होंने तत्कालीन सैन्य शासक हुसैन मुहम्मद एर्शाद के खिलाफ लोकतंत्र बहाली आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने एर्शाद की तानाशाही के खिलाफ लंबा आंदोलन चलाया, कई बार हाउस अरेस्ट झेलीं। 1990 में एर्शाद का पतन हुआ और 1991 के चुनाव में बीएनपी की जीत से खालिदा बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उनका पहला कार्यकाल आर्थिक सुधारों, निर्यात बढ़ाने और केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम लागू करने के लिए याद किया जाता है। 2001 में फिर सत्ता में लौटीं, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप और इस्लामी कट्टरपंथियों पर कार्रवाई के विवाद भी उनके कार्यकाल की छाया रहे।

हसीना के साथ दुश्मनी और जेल की सलाखें : बांग्लादेश की राजनीति पिछले तीन दशकों से दो महिलाओं - खालिदा जिया और शेख हसीना के इर्द-गिर्द घूमती रही। दोनों के पति और पिता की हत्याएं और परिवारों की राजनीतिक विरासत ने इस दुश्मनी को गहरा किया। खालिदा और शेख हसीना के बीच का द्वंद्व 'बैटल ऑफ द बेगम्स' कहलाता है। दोनों ने मिलकर एर्शाद को गिराया, लेकिन बाद में कट्टर प्रतिद्वंद्वी बन गईं। 2008 के बाद हसीना की सरकार में खालिदा पर भ्रष्टाचार के कई मामले चले। 2018 में उन्हें जेल हुई, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से रिहा कर घर में नजरबंद रखा गया। 2024 में छात्र आंदोलन से हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद खालिदा को पूर्ण रिहाई मिली और सभी मामले खत्म हो गए। अंतरिम सरकार ने उन्हें वीवीआईपी सुरक्षा दी। लेकिन स्वास्थ्य ने साथ नहीं दिया। नवंबर 2025 से वे गंभीर बीमारियों (लीवर सिरोसिस, किडनी फेलियर, डायबिटीज, हृदय और फेफड़ों की समस्या) से जूझ रही थीं। वेंटिलेटर पर रहीं, डायलिसिस चली, लेकिन अंततः शरीर ने जवाब दे दिया।

तारिक रहमान की वापसी और बीएनपी का भविष्य : खालिदा की मौत से ठीक पांच दिन पहले, 25 दिसंबर को उनके बड़े बेटे तारिक रहमान 17 साल के लंदन निर्वासन से वापस लौटे। राजनीतिक उत्पीड़न के आरोपों में फंसे तारिक 2008 से बाहर थे और लंदन से ही बीएनपी चला रहे थे। हसीना के जाने के बाद सभी मामले खत्म होने पर वे ढाका लौटे। लाखों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। वे अपनी बीमार मां से अस्पताल में मिले और पार्टी की कमान संभाली।

फरवरी 2026 में होने वाले चुनाव में बीएनपी मजबूत दावेदार है। तारिक रहमान को अगला प्रधानमंत्री उम्मीदवार माना जा रहा है। उनकी वापसी ने पार्टी में नई ऊर्जा भरी है। लेकिन चुनौतियां कम नहीं- देश में अस्थिरता, हिंसा और आर्थिक संकट बरकरार है।

फरवरी में चुनाव के लिए बांग्लादेश तैयार : यूनूस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने स्पष्ट किया है कि देश फरवरी में होने वाले संसदीय चुनावों और जनमत संग्रह के लिए पूरी तरह तैयार है। सोमवार को अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स ट्रेसी एन जैकबसन ने अपनी विदाई मुलाकात के दौरान प्रोफेसर यूनुस से भेंट की। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और चुनावी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रोफेसर यूनुस ने आश्वासन दिया कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि मतदान में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जैकबसन ने अंतरिम सरकार की ओर से किए गए श्रम सुधारों की सराहना करते हुए उन्हें असाधारण

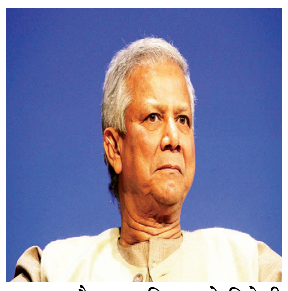

बताया और कहा कि इससे विदेशी निवेश बढ़ेगा। बैठक में रोहिंग्या शरणार्थियों की सहायता और व्यापार पर भी चर्चा हुई। यूनुस ने जैकबसन को उनके कार्यकाल के लिए बांग्लादेश का मित्र बताते हुए धन्यवाद दिया। हालांकि, यह चुनावी घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब बांग्लादेश आंतरिक अशांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

उत्तर कोरिया ने फिर दिखाया हथियारों का दम, लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके तहत उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण देश की परमाणु ताकत को परखने के लिए किया गया। यह कदम ऐसे समय उठा है, जब उत्तर कोरिया अपनी पहली परमाणु पनडुब्बी के निर्माण में तेजी दिखा रहा है, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, ये मिसाइल परीक्षण रविवार को देश के पश्चिमी तट के पास किए गए। जब ये परीक्षण किया गया तब वहां खुद उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मौजूद थे। उन्होंने इस परीक्षण को लेकर कहा कि देश की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता को जांचना और अपनी सैन्य क्षमता दिखाना।

पंजाब दौरे के दौरान केपीके सीएम ने उठाए सवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने पंजाब सरकार के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब दौरे के दौरान उनके और उनके मंत्रियों के साथ गलत और निंदनीय व्यवहार किया गया। सोमवार को हुई केपीके कैबिनेट बैठक में पंजाब सरकार के व्यवहार को अलोकतांत्रिक, अनैतिक और निंदनीय बताया गया। मुख्यमंत्री अफरीदी का आरोप है कि दौरे के दौरान उनके कैबिनेट सदस्यों के साथ मारपीट और बदसलूकी की गई।

उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा के दौरान बार-बार रास्ते रोके गए, बाजार जबरन बंद कराए गए, मोटरवे के विश्राम स्थल बंद कर दिए गए और यहां तक कि मजार-ए-इकबाल में लाइटें भी बंद कर दी गईं। अफरीदी ने कहा कि जब देश आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहा है, ऐसे समय में इस तरह का व्यवहार बेहद चिंताजनक और समझ से परे है। बता दें कि अफरीदी समेत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता पंजाब में पार्टी संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए आंदोलन शुरू करने पहुंचे थे। इमरान खान अगस्त 2023 से भ्रष्टाचार के कई मामलों में जेल में बंद हैं।

इस्राइल में मिले 2000 वर्ष पुराने मंदिर काल के अवशेष :यरूशलम , एजेंसी। यरूशलम के पुराने शहर में पश्चिमी दीवार प्लाजा के नीचे पुरातात्विक खोदाई में एक मिकवेह (स्नानघर) के अवशेष मिले हैं। ये अवशेष 2000 वर्ष पुराने हैं और द्वितीय मंदिर काल के हैं। उस समय इनका इस्तेमाल क्षेत्र में रहने वाले यहूदियों और मंदिर में आने-जाने वाले तीर्थयात्री करते थे।

ट्रंप-नेतन्याहू की बैठक में वेस्ट बैंक पर हुई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फ्लोरिडा में गाजा शांति योजना को लेकर मुलाकात हुई। यह मुलाकात ट्रंप के निजी आवास मार ए लागो में हुई, जहां दोनों नेताओं ने दोपहर का भोजन किया। बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह गाजा, वेस्ट बैंक और ईरान सहित पांच प्रमुख मुद्दों पर बात करने की योजना बना रहे हैं।

वेस्ट बैंक समेत इन मुद्दों पर हुई बात : ट्रंप और नेतन्याहू ने गाजा शांति योजना के दूसरे चरण, हमास के निरस्त्रीकरण, वेस्ट बैंक पर भी बात की। ट्रंप ने कहा कि कई मुद्दों पर उनके और नेतन्याहू के बीच सहमति नहीं है,लेकिन दोनों की बातचीत जारी है। ट्रंप ने कहा, 'हमने वेस्ट बैंक पर लंबे समय तक बड़ी चर्चा की है, और मैं यह नहीं कहूंगा कि हम वेस्ट बैंक पर 100% सहमत हैं, लेकिन हम वेस्ट बैंक पर किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेंगे।' उन्होंने कहा, 'इस्राइल जो कुछ भी कर रहा है, उसके बारे में मुझे कोई चिंता नहीं है। मुझे इस बात की चिंता है कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं या शायद नहीं कर रहे हैं। नेतन्याहू ने बातचीत को बहुत ही फलदायी बताया और क्षेत्र में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की। नेतन्याहू ने कहा, 'मेरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत, बहुत अच्छी बैठक हुई। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद।' उन्होंने आगे कहा कि 'ट्रंप ने मध्य पूर्व में उल्लेखनीय चीजें हासिल की हैं क्योंकि हम एक साथ काम करते हैं। कभी-कभी हमारे विचार अलग होते हैं, लेकिन हम इसे सुलझा लेते हैं, और ज्यादातर समय, हम एक-दूसरे से सहमत होते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अगर ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल या परमाणु हथियार कार्यक्रम का पुनर्निर्माण फिर से शुरू करता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने संकेत दिए कि जून में अमेरिका के ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद तेहरान फिर से अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को शुरू करने पर काम कर रहा है। ट्रंप ने कहा, मुझे पता लगा है कि ईरान फिर से निर्माण शुरू कर रहा है। अगर ऐसा है तो हम उन पर फिर से हमला करेंगे और उन्हें नेस्तानाबूद करेंगे, लेकिन उम्मीद करते हैं कि ऐसा न हो।

यूएन को अमेरिका से 2 अरब डॉलर की मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी विदेशी सहायता में लगातार कटौती किए जाने के बीच सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता कार्यक्रमों के लिए दो अरब डॉलर देने की घोषणा की। यह घोषणा नए आर्थिक हालात में यूएन निकायों को परिस्थितियों के अनुसार ढलने, खुद को सीमित करने या समाप्त होने की चेतावनी देने के बाद की गई है। आलोचकों का कहना है कि पश्चिमी देशों की सहायता में कटौती से लाखों लोग भूख, विस्थापन या बीमारी की ओर धकेल दिए गए हैं।

यह धनराशि अमेरिका की ओर से अतीत में दिए गए योगदान की तुलना में बेहद कम है लेकिन प्रशासन यह मानता है कि यह धनराशि उतनी कम नहीं है और अमेरिका को मानवीय कार्यों के लिए दुनिया के सबसे बड़े दानदाता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने में सक्षम बनाएगी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, यह दो अरब डॉलर संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रमों के लिए पारंपरिक मानवीय सहायता का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हाल के वर्षों में वार्षिक रूप से 17 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इनमें से 8-10 अरब डॉलर स्वैच्छिक योगदान के रूप में है। इसके अलावा अमेरिका अपनी संयुक्त राष्ट्र सदस्यता से संबंधित वार्षिक शुल्क के रूप में भी अरबों डॉलर का भुगतान करता है।

जुबीन गर्ग मौत मामले की सिंगापुर कोर्ट 14 से करेगा न्यायिक जांच : सिंगापुर , एजेंसी। असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए सिंगापुर की अदालत 14 जनवरी से कोरोनर इंक्वायरी (मौत के कारणों की न्यायिक जांच) शुरू करेगी। 52 वर्षीय जुबीन का निधन 19 सितंबर को सिंगापुर के सेंट जॉन्स आइलैंड पर समुद्र में तैरने के दौरान हुआ था। वे सिंगापुर में एक सांस्कृतिक उत्सव में प्रस्तुति देने गए थे। सिंगापुर पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में किसी भी तरह की साजिश का संदेह नहीं मिला है। कोरोनर एडम नाखोडा के नेतृत्व में होने वाली यह सुनवाई तथ्यों का पता लगाएगी कि मौत कब, कहां और किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस ने जनता से इस मामले में किसी भी तरह की अटकलें न लगाने की अपील की है। न्यायिक प्रक्रिया के तहत यह जांच खुली अदालत में होगी।

न्यू जर्सी में दो हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर : न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित हैमॉन्टन में रविवार को दो हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टर में सिर्फ पायलट ही सवार थे। हैमॉन्टन पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11:25 बजे हेलिकॉप्टर हादसे की सूचना मिली। मौके से सामने आए वीडियो में एक हेलिकॉप्टर तेजी से गोल-गोल घूमते हुए जमीन की ओर गिरता दिखा। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर में आग लग गई, जिसे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बुझाया।

सऊदी अरब ने यमन के मुकल्ला में की बमबारी

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने यमन के महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर मुकल्ला पर बमबारी की है। सऊदी अरब का कहना है कि यह हमला इसलिए किया गया क्योंकि वहां अलगाववादी समूह साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीएस) के लिए हथियार पहुंचाए जा रहे थे, जो यूएई से आए थे। यमन में अलगाववादी समूह और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। सऊदी अरब और उसके सहयोगी अक्सर यमन में अलगाववादी या विद्रोही समूहों पर हमले करते रहे हैं। ऐसे में सऊदी अरब ने इस हमले का मकसद यह बताया गया है कि हथियारों की सप्लाई रोककर यमन में शांति बनाए रखना और अलगाववादी ताकतों को कमजोर करना। इस बमबारी को लेकर सऊदी प्रेस एजेंसी ने कहा कि जहाज यूएई के फुजैरा बंदरगाह से मुकल्ला पहुंचा था। खतरे और सुरक्षा पर असर के कारण, सऊदी सेना ने सीमित और सटीक हवाई हमले किए। बयान में इस बात पर भी जोर दिया गया कि हमले को रात में किया गया ताकि कोई आम लोगों को नुकसान न पहुंचे।

सऊदी अरब और यूएई के रिश्तों में दबाव बढ़ा : इस हमले से सऊदी अरब और यूएई के बीच रिश्तों पर दबाव बढ़ गया है। दोनों देश यमन में अलग-अलग समूहों का समर्थन कर रहे हैं और उनके बीच आपस में ही प्रतिस्पर्धा चल रही है। बता दें कि मुकल्ला यमन के हद्रामाउट प्रांत में है और यह आदेन से लगभग 480 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। हाल ही में अलगाववादी समूह ने इस इलाके पर नियंत्रण कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात का भी दावा किया गया कि इससे पहले सऊदी अरब ने शुक्रवार को इसी समूह पर हवाई हमले किए थे, ताकि वे प्रांतों से अपने सैनिक पीछे हटाएं। वहीं दूसरी ओर अलगाववादी समूह ने दक्षिण यमन का झंडा फहराना शुरू कर दिया है। दक्षिण यमन कभी 1967-1990 तक अलग देश था। वहां लोग फिर से अलगाव की मांग कर रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में गौरतलब है कि सऊदी अरब और यूएई दोनों ही यमन और अन्य क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में हैं।

ताइवान की सीमा पर चीन का सैन्य अभ्यास जारी

हांगकांग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच सीमा पर तनाव और बढ़ गया है, जिसके चलते ताइवान जलडमरूमध्य एक बार फिर युद्ध जैसे हालात की आहट से गूंज उठा है। कारण है कि चीन ने लगातार दूसरे दिन यानी मंगलवार को भी ताइवान के चारों ओर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास कर ताकत का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में चीन की वायुसेना, नौसेना और मिसाइल इकाइयों ने मिलकर लाइव-फायर ड्रिल (सीधे हथियारों से अभ्यास) की। बीजिंग ने इस सैन्य अभ्यास को ताइवान की स्वतंत्रता की कोशिशों और विदेशी दखल के खिलाफ चेतावनी बता रहा है, जबकि ताइवान ने सेना को हाई अलर्ट पर रखकर चीन को क्षेत्रीय शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया है। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या यह ड्रैगन का सिर्फ अभ्यास है या किसी बड़े टकराव का संकेत?

ताइवान की हवाई यातायात पर बड़ा असर : चीन की तरफ से किए जा रहे इस शक्ति प्रदर्शन का असर ताइवान में चारो ओर देखने को मिल रहा है। खासकर हवाई यातायात पर। ताइवान की विमानन एजेंसी के अनुसार, इस सैन्य अभ्यास के कारण अब तक 1 लाख से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की उड़ानें रद्द या डायवर्ट हुई हैं। करीब 850 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई और 80 से ज्यादा घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। इतना ही नहीं चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास सात अस्थायी 'खतरनाक क्षेत्र' घोषित किए, जहां रॉकेट अभ्यास किया गया है।

'जस्टिस मिशन 2025' नाम का अभ्यास : बता दें कि इन दो दिनों के सैन्य अभ्यास को चीन ने 'जस्टिस मिशन 2025' नाम दिया है। यह अभ्यास ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका ताइवान के साथ अब तक का सबसे बड़ा हथियार सौदा करने की तैयारी में है। दूसरी ओर जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर कार्रवाई की तो जापान की सेना भी दखल दे सकती है। ऐसे में माना जा रहा है कि दोनों देशों के इन तैयारियों के चलते चीन काफी नाराज है।

वहीं बात अगर अब चीन के सैन्य अभ्यास की करें तो चीन की सेना ने बताया कि अबतक अभ्यास में लड़ाकू विमान, बमवर्षक, ड्रोन, युद्धपोत, विध्वंसक जहाज, फ्रिगेट, लंबी दूरी की मिसाइलें और रॉकेट का इस्तेमाल किया गया। वहीं इस अभ्यास के मकसद की बात करें तो इसे समुद्र और हवा में संयुक्त युद्ध तैयारी, ताइवान के प्रमुख बंदरगाहों की नाकाबंदी और चारों दिशाओं से दबाव बनाकर डर पैदा करना माना जा रहा है। दूसरी ओर विशेषज्ञों का तो ये भी मानना है कि यह पहली बार है जब चीन ने खुलकर कहा कि उसका लक्ष्य द्वीप श्रृंखला के बाहर तक हर तरह से डर पैदा करना है। वहीं दूसरी ओर ताइवन ने चीन के इस सैन्य अभ्यास को देखते हुए सेना को हाई अलर्ट पर रखकर चीन को क्षेत्रीय शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 89 विमान और ड्रोन ताइवान के आसपास देखे गए।

गर्भावस्था और शरीर का संतुलन

वैज्ञानिकों ने इस राज का पता लगा लिया है कि गर्भावस्था में अधिक वजन बढ़ने के बावजूद महिलाएं किस प्रकार संतुलन कायम रख पाती हैं और क्यों आगे की आर गिरती नहीं हैं। इस संबंध में किए गए शोधों से पता चला है कि महिलाओं की कमर के निचले हिस्से और कूल्हे के जोड़ों की हड्डियों का विकासक्रम पुरूषों से अलग रहा है और यही उन्हें गर्भावस्था में अपने गुरूत्वाकर्षण के केन्द्र को समायोजित करने में मदद करता है।

आज नेचर जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया है कि मानवीय शरीर संरचना की यह कलाकारी केवल महिलाओं और दो पैर पर चलने वाले हमारे पूर्वजों यानी बंदरों में पाई गई है लेकिन चिम्पांजियों में ऐसा नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में मानव विज्ञान की प्रोफेसर तथा रिपोर्ट के तीन लेखकों में से वास्तव में खुद गर्भवती लिजा शेपिरो ने बताया, यह भारी वजन होता है जो आपको आगे की आर खींचता है। आपको परेशानी का अनुभव होता है। लेकिन महिलाओं की हड्डियों का विकासक्रम यदि इस प्रकार का नहीं होता तो यह परेशानी और बढ़ सकती थी।

हार्वर्ड की मानव विज्ञान शोधकर्ता कैथरीन व्हाइटकोम्ब ने महिलाओं और पुरूषों की कमर की हड्डियों में दो अंतर पाए हैं जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया था। महिलाओं में कमर के निचले हिस्से की रीढ़ की हड्डी फन के आकार की होती है जबकि पुरूषों में यह वर्गाकार होती है। इसके अलावा कूल्हे का एक महत्वपूर्ण जोड़ पुरूषों के शरीर के मुकाबले महिलाओं में 14 फीसदी बड़ा होती है।

शोधकर्ताओं ने इस संबंध में इंजीनियरिंग परीक्षण भी किए जिनसे पता चला कि किस प्रकार ये मामूली बदलाव महिलाओं को अतिरिक्त तथा निरंतर बढ़ते वजन को वहन करने की क्षमता प्रदान करते हैं। इससे महिलाओं को बढ़े भार की वजह से पीठ का दर्द भी नहीं होता है। व्हाइटकोम्ब के अनुसार, जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो महिलाओं के लिए यह काफी आसान दिखता है। वे एक अच्छे और प्रभावशाली परिवर्तन को महसूस करती है।

गुणों से भरपूर आंवला

सब्जी वाले के पास जाआ तो वहां भी आंवले का अंबार दिख जाता है। घर में सभी महिलाएं इस मौसम में आंवले का मुरब्बा बनाती हैं। इसके बावजूद हम में से अधिकतर लोगों को आंवले के गुणों के बारे में पता नहीं होता। चलिए हम आपको बताते हैं कि आंवले में ऐसे कौन से औषधीय गुण हैं जो हमारी सेहत के लिए सही होते हैं-

आंवला विटामिन सी का बेहतरीन स्त्रोत है। आंवले की तासीर भी बहुत ठंडी होती है। इस मौसम में इसका मुरब्बा खाने से विटामिन सी की तो प्राप्ति होती ही है, विटामिन डी भी मिलता है।

हर 100 ग्राम आंवले में 600 मिलीग्राम विटामिन सी रहता है।

विटामिन के अलावा इसमें प्रोटीन, फैट, फाइबर, मिनरल, फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम भी अन्य फ्रूट्स की तुलना में ज्यादा रहता है। इसलिहाज से भी इसे जरूर खाना चाहिए।

आंवले को किसी भी रूप में खा सकते हैं। चाहें तो सूखाते हुए इसमें नमक मिला दें और पाचक की तरह खाएं। चाहें तो चूर्ण बना लें, चटनी, अचार या मुरब्बा, हर हाल में यह सेहत के लिए बढ़िया होता है।

इसकी खास बात तो यह है कि इस मौसम में बनी आंवले की चीजों को गर्मी में खाना लाभाकरी होता है।

आंखों की रोशनी के लिए इसका सेवन किया जाना चाहिए।

हृदय धमनियों के अवरोध को यह दूर करता है और रक्त स्राव को नियमित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

हमारे शरीर की गर्मी को दूर करता है।

कब्ज होने पर रात को सोते समय एक चम्मच आंवले के चूर्ण को पानी या शहद के साथ लेने से कब्ज दूर होता है।

हमारे मस्तिष्क को भी दुरूस्त रखने में अहम भूमिका निभाता है।

आंवले का यदि रोजाना प्रयोग किया जाए तो बवासीर का खात्मा होता है।

यह दांतों के रोग पायरिया को रोक सकता है। इसके चूर्ण का दांतों के मंजन के रूप में इस्तेमाल अच्छा होता है जो दांतों को चमकाता है और मजबूत बाना है। यही नहीं, जिनके मुंह से बदबू आती है उन्हें आंवले के मंजन का प्रयोग जरूर करना चाहिए।

हेल्थ प्लस

रोगों को दूर रखे सौंफ

सौंफ के नाम से तो सभी परिचित हैं। हर रसोइ में पाई जाने वाली सौंफ चाय बनाने से लेकर, खाना खाने के बाद मुख शोधक के रूप में खाने में प्रतिदिन काम में लाई जाती है। प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले मसालों में इसका विशिष्ट स्थान हैं।

- सौंफ पेट के रोगियों के लिए रामबाण औषधि है। सौंफ को नेत्र रोग नाशक, कफनाशक, बुद्धिवर्धक पाचक रूप में बहुत लाभदायक माना जाता है।
- नेत्र ज्योति में वृद्धि हेतु सौंफ, बादाम और मिश्री समान भाग में पीस लें। एक चम्मच सुबह-शाम पानी के साथ दो माह तक लें।
- गले में खारिश होने पर सौंफ को मुंह में चबाते रहने से बैठा गला साफ हो जाता है।
- सौंफ रक्त वर्ण को साफ करने वाली है एवं चर्म रोग नाशक है।
- गर्मी के दिनों में ठंडाई में सौंफ मिला कर पीजिए। इससे गर्मी शांत होगी और दिल मिचलाना बंद हो जाएगा।
- पेट दर्द होने पर भुनि हुई सौंफ चबाइए तुरन्त आराम मिलेगा।
- पेट में वायु प्रकोप होने पर दाल तथा सब्जी में सौंफ का छौंक कुछ दिनों तक प्रयोग में लाएं।
- खट्टी डकारें आने पर थोड़ी-सी सौंफ पानी में उबाल कर मिश्री डाल कर पीजिए। दो-तीन बार प्रयोग से आराम मिल जाएगा।
- कब्ज होने पर रात्रि में सोते समय गुनगुने पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का चूर्ण लें। 7-8 दिन तक लगातार लेते रहें।

सब्जी से बनाएं अपनी सेहत

ल्युहार में हरी सब्जियों की बड़ी भूमिका होती है। हमारे शरीर के लिये सभी आवश्यक तत्व हरी सब्जियों सो मिल जाते है। ये सेहत व सौंदर्य प्रदान करती है। हरी सब्जियों से प्राप्त तत्व शरीर में रोग प्रतिरेध शक्ति का विकास करते है। इनके सेवन से पाचन शीघ्र होता है। बिगड़ा हुआ पाचन सुधरता है। शरीर को पौष्टिता प्राप्त होती है और सबसे बड़ी बात सौंदर्य में वृद्धि होती है।

संसार भर के पुरूष व महिलाएं स्वास्थ्य तथा सौंदर्य चाहते है, किंतु कोई भी प्राकृतिक आहार-विहार, दिनचर्या अपनाना नहीं चाहता। डिब्बाबंद आहार का चलन बहुत बढ़ा है। रेडीमेड खाद्य पदार्थ, हॉटडॉग इस आपाधापी के जीवन में ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहे है।

प्राकृतिक चिकित्सा वास्तव में चिकित्सा कम जीने की कला, आत्म साक्षात्कार का विज्ञान अधिक है, यह चिकित्सात्मक की अपेक्षा रक्षात्मक अधिक है। यदि हम अपना खानपान बदल लें तो जीवन पद्धति बदल जाएगी। शक्ति ऊर्जा अर्जित होने लगेगी। जहां शक्ति है, वहीं स्वास्थ्य हैं। वहीं सौंदर्य है। अन्न कम खाएं, सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें, वह भी रसेदार बनाकर, इससे शरीर के भीतर के अंग पुष्ट होते है। शरीर सुचारू रूप से कार्य करता है। व्यक्तित्व में स्वत: निखार आने लगता है। भीतर की ऊष्मा जब बाहर झलकती है, तो वही स्वास्थ्य कहलाता है, वही सौंदर्य बनकर दमकता है।

- कुछ सब्जियां तो बहुत उपयोगी हैं, जैसे करेला पेट के कृमि नष्ट करता है। रक्तशोधन कर अग्नाशय को सक्रिय करता है।
- टमाटर रक्त बढ़ाता है एवं त्वचा निखारता है।
- नीबू शरीर के पाचक रसों को बढ़ाता है।
- पालक हड्डियों को कैल्शियम से सुदृढ़ करता है। पत्तेदार सब्जी लौह तत्व से भरपूर होती है। अत: इन सबका उचित रूप से सलाद में प्रयोग करें।
- भिंडी वीर्य में गाढ़ापन लाती है। शुक्रणु बढ़ाती है।
- लौकी शीघ्र पाचक, रक्तवर्द्धक है। शीतलता प्रदान करती है।
- खीरा रक्त कणों का शोधन करता है व इसका प्रवाह बढ़ाता है।
- लहसुन खून का थक्का जमने नहीं देता अत: हृदय रोग में लाभकारी है।
- परवल शरीर को ऊर्जा देती है।
- गोभी, आलू, बीन्स आदि शरीर के विविध भागों, तत्वों, मात्राओं को प्रभावित करते है। इनको बनाते समय सावधानी की जरूरत है।
- सब्जी को काटने से पूर्व अच्छी तरह धो लिया जाये। काटने के बाद धोने से सब्जी के तत्व नष्ट होते है। पकाते समय अधिक तेल डालने व ज्यादा देर तक आग पर रखकर स्वाद के लालच में कहीं सब्जियों की पौष्टिकता नष्ट हो जाती है। अधिक मिर्च मसाले से भी सब्जी का स्वाद कम हो जाता है।
- ताजी सब्जियां ताजा बनाकर सेवन करना ही हितकर होता है। बसी, फ्रिज में रखी, बार-बार गरम करके परोसी गई सब्जी में पौष्टिक तत्व खत्म हो चुके होते है।
- दैनिक जीवन में सब्जियों का सेवन बढ़ाकर देखें, हाजमा ठीक रहेगा, गैस, एसिडिटी नहीं होगी एवं उत्साह बढ़ेगा। इससे आपका व्यक्तित्व निखरेगा। आप आयु में सदैव कम दिखाई देंगे।
- बुजुर्ग कहा करते थे कि तिजोरी में धन होता है तो चेहरे पर चमक झलकता है अर्थात यदि लक्ष्मी (रूपया-पैसा) हमारी तिजोरी में हो तो चेहरा स्वत: खिला-खिला रहता है। अमारी छिपाए नहीं छिपती। ठीक उसी प्रकार हमारा शरीर यदि भीतर से संपन्न, स्वस्थ है तो बाहरी तौर पर भी सुंदर दिखेगा।

जंक फूड से हो सकता है कैंसर

जंक फूड से न सिर्फ मोटापा होता है बल्कि एसिडिटी की भी शिकायत होती है। इतना ही नहीं इससे इससे खाने की नली में अल्सर यहां तक कि कैंसर भी हो सकता है। एक देशव्यापी अध्ययन में हर पांच में लगभग तीन शहरियों को एसिडिटी की शिकायत होने की जानकारी मिली है।

अध्ययन में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, लखनऊ, भोपाल और हैदराबाद को शामिल किया गया। इसके मुताबिक वयस्क शहरी आबादी के लगभग 71 प्रतिशत को एसिडिटी की शिकायत की दूसरी वजह खानपान में अनियमितता होती है।

स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर काम करने वाले एनजीआ हेल्थकेयर वेल्फेयर सोसायटी के प्रमुख अनूप सिंह का कहना है कि एसिडिटी के ज्यादातर मामले खानपान संबंधी समस्याओं के चलते होते हैं। जंक फूड और खानपान में अनियमितता एसिडिटी की दो बड़ी वजहें हैं। उन्होंने बताया कि देश के अधिकांश हिस्सों में लोग बाहर खाना पसंद करते हैं जिससे गैस्ट्रोएसोफागील रिफ्लक्स डिसीज होती है। जीआरई की स्थिति में आमाशय में से अम्ल, पित्त और आंशिक तौर पर पचा भोजन मुंह को पेट से जोड़ने वाली खाने की नली में ऊपर चला जाता है। जब पाचक अम्ल खाद्य नली में आता है तो अम्लशूल की शिकायत होती है।

इसे नजरंदाज किए जाने या इसका इलाज न कराए जाने पर खाने की नली में फोड़े या रक्तस्राव की शिकायत हो सकती है और खाने की नली में कैंसर भी हो सकता है। पार्टियों, समारोहों और सभाओं में बनने वाले मिर्च मसालेदार खाने और फास्ट फूड जैसे पिज्ज, मसालेदार करी, चिप्स और नमकीन एसिडिटी के मुख्य कारण होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

काकुरो पहेली - 1943

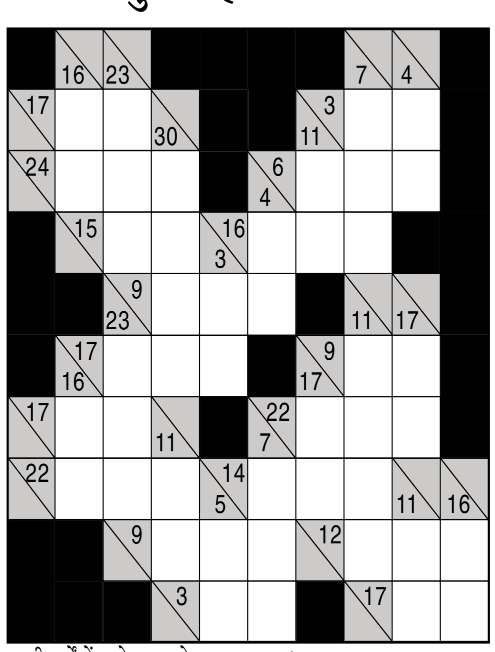

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

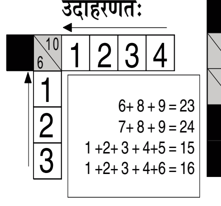

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1942 का हल

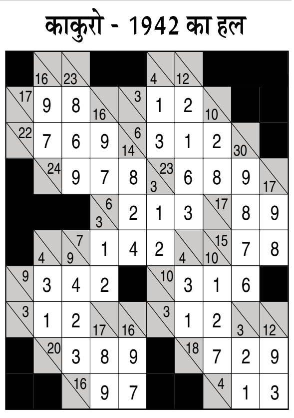

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1943

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1942

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -1943

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1942 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 1943

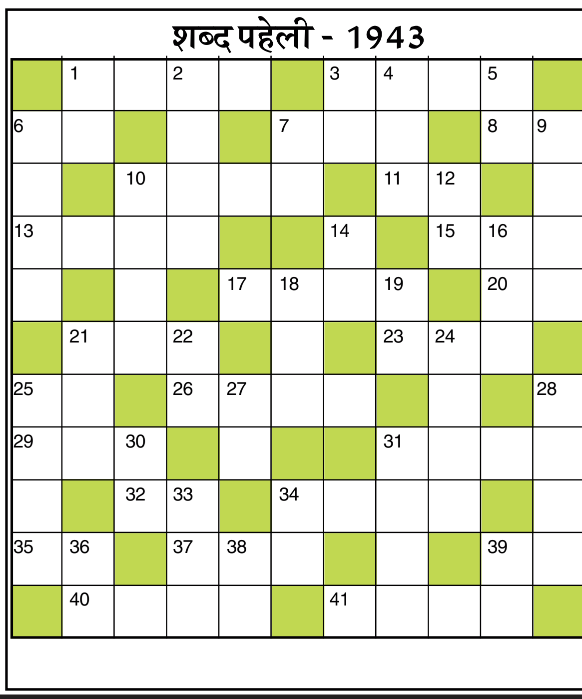

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली - 1942 का हल

अ	ना	द	र	णी	य		प्र	क्षे	प	क
सं	ग		वे		कृ	पा	ण		र	म
वै		अ	दा	व	त		य	हां		जो
धा	रा	दा	र			अ		का	त	र
नि		व		प्र	क्षा	ल	न		म	
क	म	त	र	ता		सा	ग	र	गा	मी
	लि		स	र	मा	या		द		न
बे	का	बू		णा			व	न	वा	सी
क		आ	स		अ	द	र	क		लै
द	म		ब	हा	र		दा		ता	व
र	सा	त	ल		ज	ही	न	कु	श	ल

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य और यूपी भाजपा प्रमुख पंकज चौधरी ने श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। लखनऊ में बातचीत में उन्होंने कहा कि भव्य रामलला मंदिर के दो साल पूरे होने पर, मैं देश के सभी नागरिकों को दिल से बधाई देता हूं। पीएम मोदी की वजह से ही हम सनातन संस्कृति के इस मौके को देख पाए हैं। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था की भी जमकर तारीफ की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक्स पोस्ट में लिखा कि आज आवास पर श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर पूजा अर्चना कर प्रभु श्री राम लला का आशीर्वाद प्राप्त किया। वर्षों के तप, त्याग, बलिदान, संघर्ष और 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आज ही की शुभ तिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी, द्वितीय वर्षगांठ के शुभावसर पर सभी देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के बलिदानियों को नमन। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में लिखा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम लला जी की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं।

संजय राउत ने 'उद्धव सेना' को 'सोनिया सेना' बना दिया : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने देश की अर्थव्यवस्था, पश्चिम बंगाल की राजनीति और राम मंदिर स्थित रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के साथ कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। शहजाद पूनावाला ने आईएएनएस से कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत की अर्थव्यवस्था अब जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। भारत 11वें स्थान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंचा है और अब देश की अर्थव्यवस्था 4.18 ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा रफ्तार को देखते हुए अगले ढाई से तीन वर्षों में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत इस समय 8.2 प्रतिशत की तेज विकास दर से आगे बढ़ रहा है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और सांसद संजय राउत पर हमला बोलते हुए शहजाद पूनावाला ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे की आत्मा आज जरूर दुखी होती होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि संजय राउत ने 'उद्धव सेना' को 'सोनिया सेना' बना दिया। उन्होंने कहा कि जो पार्टी कभी हिंदुत्व की शेरनी मानी जाती थी, आज वह सेक्युलरिज्म का शिकार बन गई है। बालासाहेब ठाकरे के भाषणों से यह समझ में आता है कि उन्होंने कैसे 17 मिनट में विवादित ढांचा गिरवाया और राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, जबकि आज उद्धव ठाकरे 'जय श्री राम' के विरोध में खड़े नजर आते हैं।

सीएम धामी ने चमोली टनल हादसे में घायलों के लिए बेहतर मेडिकल सुविधाओं के निर्देश दिए

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को चमोली में हालात का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्होंने घायलों को बेहतर मेडिकल सुविधाएं देने के निर्देश दिए हैं। सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'चमोली जनपद के पीपलकोटी में निर्माणाधीन टीएचडीसी विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीबीएम साइट पर हुई दुर्घटना के संबंध में जिलाधिकारी चमोली से निरंतर संपर्क में हूं। सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सालयों में रेफर करने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से सभी घायल श्रमिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।' बता दें कि मंगलवार देर रात पिपलकोटी में टीएचडीसी हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन साइट पर शिफ्ट बदलने के दौरान हादसा हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सुरंग के अंदर मजदूरों और सामान को ले जाने वाली दो लोकोमोटिव ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिससे बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए।

हमारा पर्यावरण, हमारा भगवान – जन-जन तक संदेश पहुँचाने का संकल्प

चंडीगढ़। जय मधुसूदन जय श्रीकृष्ण फाउंडेशन की ओर से कैलेंडर वर्ष 2025 की समाप्ति एवं नववर्ष 2026 के शुभ आगमन के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को समर्पित एक संकल्प लिया गया। इस अवसर पर 'हमारा पर्यावरण, हमारा भगवान' के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का आह्वान किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक एवं पर्यावरण सेवक प्रभुनाथ शाही ने कहा कि पर्यावरण और मानव जीवन का गहरा एवं अविभाज्य संबंध है। पर्यावरण को क्षति पहुँचाकर हम न केवल अपने वर्तमान को, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी संकट में डालते हैं। अतः यह हम सभी का परम कर्तव्य है कि हम अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन को पर्यावरण-अनुकूल बनाएं और धरती माता को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुँचने दें। फाउंडेशन की पर्यावरण कार्य प्रमुख प्रोफेसर डॉ. रितु गुप्ता ने बताया कि समाज में पर्यावरणीय चेतना जागृत करने हेतु फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण पाठशाला, पर्यावरण प्रश्नोत्तरी, पर्यावरण संवाद, पर्यावरण पंचायत, पर्यावरण दरबार, पर्यावरण संसद एवं पर्यावरण मंथन जैसे कार्यक्रमों का आयोजन सक्रिय रूप से किया जाएगा।

इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौत पर तीन अफसरों पर कार्रवाई

एजेंसी

इंदौर/भोपाल। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सख्त एक्शन लिया है और तीन अधिकारियों पर कार्रवाई की है। दरअसल, भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने के बाद लोगों को उल्टी की शिकायत हुई, जिनमें से कई लोग अस्पताल में पहुंचे। अस्पताल पहुंचे लोगों में से तीन की अब तक मौत हो चुकी है। इस घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सख्त कार्रवाई की है, वहीं बीमार मरीजों के उपचार और मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई घटना बेहद दुखद है। उन्होंने मृतकों को

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इलाजरत प्रभावितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके साथ ही सीएम ने इस हादसे में क्षेत्र का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि भागीरथपुरा मामले में जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है और प्रभारी उपयंत्री पीएचई शुभम श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक किया गया है।

साथ ही इस पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की एक समिति गठित की गई है। समिति आईएएस नवजीवन पंवार के निर्देशन में जांच करेगी। समिति में प्रदीप निगम, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर और मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शैलेश राय को भी शामिल किया गया है। बताया गया है कि इंदौर में पानी की आपूर्ति खरगोन जिले के जलुद स्थित नर्मदा पंपिंग स्टेशन से की जाती है और आशंका इस बात की है कि पाइपलाइन में कहीं गंदा पानी मिल गया था और उसी के चलते लोगों की तबीयत बिगड़ी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा डीग के दो दिवसीय दौरे पर, गिरिराज जी की पैदल परिक्रमा कर प्रदेश की खुशहाली की कामना

एजेंसी

भरतपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा डीग जिले के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हेलीकॉप्टर से पूंछरी पहुंचे, जहां उन्होंने गिरिराज जी महाराज की पैदल परिक्रमा की शुरुआत की। धार्मिक आस्था और श्रद्धा के बीच मुख्यमंत्री ने गिरिराज जी की 5 पद्य परिक्रमा भी लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात वे मुखारविंद पहुंचे, जहां भी उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने श्रीनाथजी मंदिर से 21 कोस की परिक्रमा का शुभारंभ किया। पूंछरी पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जोरदार स्वागत

एवं सत्कार किया। वहीं मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पूरे परिक्रमा मार्ग पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई है।

पश्चिम बंगाल में सभी सीमाएं पार, अनुच्छेद 356 पर सवाल स्वाभाविक : जगन्नाथ सरकार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति को लेकर भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में सभी सीमाएं पार हो चुकी हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मौजूदा हालात ऐसे बन गए हैं कि अब अनुच्छेद 356 पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जगन्नाथ सरकार ने आईएएनएस से कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य प्रशासन का रवैया चिंताजनक हो गया है। संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। विशेष रूप से चुनाव आयोग के कामकाज में दखल देने की कोशिशें की जा रही हैं, जिससे राज्य में भय और अस्थिरता का माहौल बन रहा है।

भाजपा सांसद ने कहा कि अगर इसी तरह का माहौल बना रहा, तो आम जनता खुद पूछेगी कि आखिर बंगाल में अनुच्छेद 356 क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। राज्य में कानून-व्यवस्था बहाल करने और निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अब कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

जगन्नाथ सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा चुनावी

माहौल को बार-बार गर्म करने का नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को बचाने का है।

उन्होंने कहा, 'अगर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रही हैं, तो जिनके पास अधिकार है, उन्हें आगे आकर जरूरी कार्रवाई करनी चाहिए।' भाजपा सांसद ने दोहराया कि उनकी मांग केवल निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने की है ताकि जनता बिना किसी दबाव और भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। जगन्नाथ सरकार के इस बयान के बाद बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होने की संभावना जताई जा रही है, खासकर आगामी चुनावों को देखते हुए।

पश्चिम बंगाल में बदलाव तय, भाजपा बनाएगी दो-तिहाई बहुमत की सरकार : अग्निमित्रा पॉल

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए राज्य में अनुच्छेद 356 की मांग जनता की ओर से उठना स्वाभाविक है। उन्होंने आईएएनएस से कहा, 'हम वोट डालते हैं, लेकिन हमारे वोट कहां जा रहे हैं, यह किसी को नहीं पता। कई जगहों पर हमें मतदान केंद्रों के अंदर तक जाने नहीं दिया जाता। बूथों पर धांधली होती है। गुंडे लोगों को उनके घरों से निकलकर मतदान केंद्र तक पहुंचने नहीं देते।' उन्होंने आरोप लगाया कि स्ट्रॉन्ग रूम में हेरफेर की जाती है और ईवीएम बॉक्स के साथ छेड़छाड़ जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 356 लागू होगा या नहीं, यह फैसला केंद्र के शीर्ष नेतृत्व का होता है, लेकिन जनता की ओर से ऐसी मांग उठना पूरी तरह जायज है।

अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि जब लोग डर के माहौल में वोट डालने ही नहीं जा पाते, तो लोकतंत्र का असली

मतलब ही खत्म हो जाता है।भाजपा नेता ने आगे कहा कि 2011 से लेकर अब तक पश्चिम बंगाल में जो स्थिति देखी गई है, वह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा, 'आप कई चीजों को कंट्रोल कर सकते हैं, लेकिन अगर गुंडे लोगों को उनके घरों से निकलने ही न दें और वोट डालने से रोक दें, तो चुनाव कैसे निष्पक्ष हो सकता है? जब तक यह डर खत्म नहीं होगा, तब तक लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता।'

अग्निमित्रा पॉल ने यह भी बताया कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने आश्वासन दिया है कि इस बार का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री राज्य में आए थे और उन्होंने पार्टी नेताओं की बातों को गंभीरता से सुना है। भाजपा विधायक ने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में बदलाव तय है। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी मजबूती के साथ मैदान में है और जनता का समर्थन मिल रहा है। अग्निमित्रा पॉल ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बंगाल में दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

सरकार की बड़ी घोषणा, 1 जनवरी से कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं में होगा बदलाव

एजेंसरी

नई दिल्ली। डाक विभाग ने कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं में बदलाव करने की घोषणा की है। इसके तहत खासकर उन सेवाओं में बदलाव किया गया है, जिनमें ट्रैकिंग की सुविधा नहीं है या बहुत कम है। इसके साथ ही ज्यादा बेहतर, भरोसेमंद और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। दुनिया भर में अपनाई जा रही अच्छी प्रक्रियाओं और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के फैसलों के अनुसार, डाक विभाग ने अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठाया है। इसी के तहत 1 जनवरी, 2026 से विदेश भेजी जाने वाली कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं को बंद किया जाएगा।इसमें रजिस्टर्ड स्मॉल पैकेट सेवा शामिल है। इसके तहत आउटवर्ड स्मॉल पैकेट सेवा आती है, जिसमें समुद्र, एसएएल या हवाई मार्ग से भेजे

जाने वाले सामान वाले पत्र को शामिल किया जाता है। वहीं, सरफेस लेटर मेल सेवा तथा सरफेस एयर लिफ्टेड (एसएएल) लेटर मेल सेवा को भी बंद किया गया है, जो बाहर भेजे जाने वाले पत्रों के लिए थीं। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि स्मॉल पैकेट सेवाओं में ट्रैकिंग की सुविधा बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती, डिलीवरी में ज्यादा समय लगता है, दूसरे देशों में कस्टम और सुरक्षा नियम सख्त हो गए हैं और कई विदेशी डाक विभाग ऐसे पैकेट स्वीकार नहीं कर रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि यह बदलाव सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए किया गया है और इससे निर्यातकों या ग्राहकों के विकल्पों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इन बदलावों के बाद केवल दस्तावेजों के लिए रजिस्ट्रेशन सुविधा जारी रहेगी, जो हवाई मार्ग से भेजे जाएंगे। इनमें पत्र, पोस्टकार्ड, प्रिंटेड पेपर, एरोग्राम, ब्लाइंड लिटरेचर और एम-बैग शामिल हैं। डाक विभाग ने बताया कि ब्लाइंड लिटरेचर और एम-बैग से जुड़े यूपीयू के नियम पहले की तरह ही लागू रहेंगे। नेत्रहीन व्यक्ति या उनके संगठनों को भेजी जाने वाली ब्लाइंड लिटरेचर पर डाक शुल्क नहीं लगेगा, केवल हवाई शुल्क लग सकता है, और वह भी गंतव्य देश के नियमों के अनुसार।

मराठी मुंबई' को 'मुस्लिम मुंबई' नहीं होने देंगे : किरीट सोमैया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने जनसंख्या आंकड़ों, मेयर पद और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किरीट सोमैया ने आईएएनएस से कहा कि 1947 के बाद हुई जनगणना में मुंबई में मुस्लिम आबादी 8.8 प्रतिशत थी, जो 2011 तक बढ़कर 20.58 प्रतिशत हो गई। सोमैया ने कहा, 'मौजूदा अनुमान बताते हैं कि आज मुंबई में मुस्लिम आबादी करीब 25 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। 'टाटा इंस्टीट्यूट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2050 तक मुंबई में मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत और हिंदू आबादी 50 प्रतिशत होने का अनुमान है।किरीट सोमैया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एआईएमआईएम और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना मिलकर 'मराठी मुंबई' के नाम पर 'मुस्लिम मुंबई' बनाने की साजिश कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हम मुंबई को मुस्लिम नहीं होने देंगे। ' उन्होंने कोविड काल के दौरान कथित घोटालों का भी मुद्दा उठाया। सोमैया ने बताया कि कोविड घोटाले को लेकर उन्होंने कुल छह शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिनके आधार पर छह एफआईआर दर्ज हुईं। उन्होंने दावा किया कि इन मामलों में शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेताओं के नाम सामने आए। उन्होंने पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर पर भी गंभीर आरोप लगाए। सोमैया ने कहा कि मुंबई महानगरपालिका के डीन हरिदास राठौर ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि जब 1,500 रुपए में बॉडी बैग उपलब्ध थे।

सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामला: कांग्रेस बोली, 'एसआईटी जांच को भटकाया जा रहा, केरल उच्च न्यायालय दे दखल'

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने बुधवार को पिनाराई विजयन सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सबरीमाला सोना तस्करी मामले की जांच कर रही हाई कोर्ट की निगरानी वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) को जानबूझकर भटकाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि दो सर्कल इंस्पेक्टरों की नियुक्ति ने जांच की विश्वसनीयता को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इन दोनों के तार सीपीआई(एम) से जुड़े हुए हैं। सतीशन ने सवाल किया कि आखिर किस आधार पर एक संवेदनशील जांच के लिए सत्ताधारी पार्टी के एक गुट से जुड़े अधिकारियों को चुना गया–वो जांच जिसका आदेश खुद हाई कोर्ट ने दिया था।

उन्होंने कहा कि पता चला है कि कोर्ट के सामने दो नाम पेश किए गए थे, लेकिन फिर इस प्रक्रिया को राज्य के दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों और अपराध शाखा के कार्यालय में मौजूद एक शीर्ष अधिकारी ने पर्दे के पीछे से प्रभावित किया।

विपक्षी नेता के अनुसार, क्राइम ब्रांच के इस अधिकारी पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ झूठे केस दर्ज करने का भी मामला है।

सतीशन ने आरोप लगाया कि वही अधिकारी अब क्राइम ब्रांच के अंदर से एसआईटी को कमजोर करने और सीपीआई (एम) के पक्ष में जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है।सतीशन ने दोहराया कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एसआईटी के कामकाज पर असर डालने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह का दखल जांच को बेअसर करने और एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। वे चाहते थे कि जांच सबरीमाला से जुड़े कथित स्वर्ण तस्करी रैकेट के असल आरोपियों और मास्टरमाइंड तक न पहुंचे।

विपक्षी नेता ने आगे आरोप लगाया कि इस गुट का मकसद एसआईटी में घुसपैठ करना, सरकार को जरूरी बातें लीक करना, जांच भटकाना और असली दोषियों को बचाना था।

उन्होंने सरकार और सीपीआई (एम) पर मामले को दबाने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास करने का आरोप लगाया, जिसमें पुलिस अधिकारियों का एक गुट सक्रिय रूप से इस कदम में मदद कर रहा था।

यह चेतावनी देते हुए कि हाई कोर्ट की निगरानी की भूमिका को भी कमजोर किया जा रहा है, सतीशन ने न्यायपालिका से निर्णायक रूप से दखल देने का आग्रह किया।

उन्होंने कोर्ट से घटनाक्रम की त्वरित जांच, एसआईटी की रक्षा करने और सबरीमाला स्वर्ण तस्करी मामले में निष्पक्ष और भरोसेमंद जांच सुनिश्चित करने के लिए तुरंत दखल देने की अपील की।

पंजाब पुलिस का 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान तेज, 304वें दिन 113 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में नशे के खिलाफ चल रही जंग लगातार और तेज होती जा रही है। भगवंत मान सरकार की 'युद्ध नशियां विरुद्ध' मुहिम के तहत पंजाब पुलिस ने 304वें दिन भी पूरे दमखम के साथ मोर्चा संभाले रखा। राज्यभर में लगातार रेड, सर्च ऑपरेशन और जागरूकता अभियानों के जरिए पुलिस न सिर्फ नशा तस्करों पर शिकंजा कस रही है, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखने की कोशिश भी कर रही है। पंजाब पुलिस का कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि नशे की जड़ तक पहुंचने और पूरे ड्रग नेटवर्क को तोड़ने की है। इसी सोच के साथ 304वें दिन पंजाब पुलिस ने राज्यभर में 319 अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की। इन कार्रवाइयों के दौरान 82 एफआईआर दर्ज की गईं और 113 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की यह कार्रवाई दिखाती है।

सेना ने गोला-बारूद की आपूर्ति में हासिल की 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता

एजेंसरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना अपनी युद्ध क्षमता बढ़ा रही है। खास तौर पर लंबी अवधि तक चलने वाले युद्धों की सशक्त तैयारी की जा रही है। इसका एक मजबूत आधार गोला-बारूद की आपूर्ति में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। सेना के मुताबिक गोला-बारूद की आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल कर ली गई है। तेजी से बदलते सुरक्षा वातावरण, अनिश्चितताओं और दीर्घकालिक संकटों के दौर में किसी भी देश की सैन्य क्षमता केवल आधुनिक हथियारों पर नहीं, बल्कि लगातार संचालन जारी रखने की क्षमता पर निर्भर करती है। गोला-बारूद, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स इसी निरंतरता की रीढ़ होते हैं। इसी महत्व को समझते हुए, भारतीय सेना ने गोला-बारूद उत्पादन में आत्मनिर्भरता को अपनी तैयारी की केंद्रीय रणनीति बनाया है। लंबे समय तक भारतीय सेना का गोला-बारूद पारंपरिक उत्पादन प्रणालियों और विदेशी आयात पर निर्भर रहा। इससे वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं में व्यवधान आने पर जोखिम बढ़ जाता

था। सेना के मुताबिक हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों ने यह स्पष्ट किया है कि वे देश जो घरेलू स्तर पर गोला-बारूद का सतत उत्पादन बनाए रख सकते हैं, वे लंबे समय तक अपनी सैन्य गति को बरकरार रखते हैं। इसी चुनौती का समाधान करते हुए भारतीय सेना ने आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड की दृष्टि के अनुरूप स्वदेशीकरण को तेज गति दी है। भारतीय सेना का कहना है कि वर्तमान में वह लगभग 200 प्रकार के गोला-बारूद और प्रिसीजन म्यूनिशन का संचालन करती है। नीतिगत सुधारों और उद्योग-सहयोग के माध्यम से इनमें से 90 फीसदी से अधिक का सफलतापूर्वक स्वदेशीकरण हो चुका है। इसका लाभ यह है कि अब इन्हें देश के भीतर से ही खरीदा जा रहा है। सेना का कहना है कि शेष श्रेणियों पर रिसर्च संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों और निजी क्षेत्र के प्रयासों के माध्यम से कार्य चल रहा है। दरअसल बीते चार-पांच वर्षों में खरीद प्रक्रियाओं का पुनर्गठन किया गया है। ऐसा इसलिए ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और आपूर्ति के अनेक विकल्प उपलब्ध हों। मेक इन इंडिया के तहत लगभग 16,000 करोड़ रुपए का आदेश-पैकेज तैयार किया गया है। वहीं बीते तीन वर्षों की बात करें तो इस अवधि में करीब 26,000 करोड़ रुपए के गोला-बारूद के ऑर्डर स्वदेशी निर्माताओं को दिए गए हैं। अनेक प्रकारों में अब बहु-स्रोत उपलब्ध होने से आपूर्ति-श्रृंखला और अधिक मजबूत हुई है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अगला चरण इन उपलब्धियों के और सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है। विशेषकर प्रोपेलेंट और फ्यूज जैसे कच्चे माल की घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला को मजबूत करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इनके अलावा निर्माण अवसंरचना के आधुनिकीकरण, तकनीक हस्तांतरण में तेजी और कठोर गुणवत्ता-मानकों को सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। ये सभी कदम मिलकर एक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर गोला-बारूद पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेंगे।

उत्तर प्रदेश में लौटा सनातन का वैभव, युवाओं में बढ़ा काशी, मथुरा और अयोध्या का क्रेज

एजेंसी

लखनऊ। नए साल का जश्न मनाने के लिए जहां युवा पहले पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित होकर डिस्को, होटल, रेस्टोरेंट और हिल स्टेशनों का रुख करता था। इस साल इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन के पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से धार्मिक और पर्यटन स्थलों का विकास हुआ है, उसका ही परिणाम है कि अब बड़ी संख्या में युवा छुट्टियों में और नए साल की शुरूआत काशी, मथुरा-वृंदावन और अयोध्या पहुंच कर अपने इष्ट का दर्शन-पूजन से कर रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश से उठी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की वो लहर है। इसमें न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के युवा, लड़के-लड़कियां नए जोश और उत्साह के साथ सम्मिलित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, इस वर्ष नए साल से कई दिन पहले से ही प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज में लाखों की संख्या में युवा पर्यटक पहुंच रहे हैं। इस क्रम में 29-30 दिसंबर को ही अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन करने पांच लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं, जबकि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में पिछले तीन दिन में 10 लाख और मथुरा में तीन लाख से अधिक पर्यटकों ने दर्शन पूजन किया। इनमें युवा पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक है। 31 दिसंबर और 01 जनवरी को और अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा प्रबंध किए हैं, साथ ही सुविधा के लिए गाइडलाइन भी जारी की है। आंग्ल नव वर्ष का जश्न धर्म स्थलों में मनाने का युवाओं का यह रुझान सोशल मीडिया पर भी दिखाई दे रहा है। जहां न्यू ईयर 2026 इन अयोध्या, न्यू ईयर 2026 इन काशी या स्पिरिचुअल न्यू ईयर जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। युवा नए साल के जश्न में इन धर्म स्थलों पर दर्शन पूजन कर दोस्तों और परिवारजनों के साथ सेल्फी अपलोड कर रहे हैं। यही रुझान पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित हुए दिव्य-भव्य महाकुंभ में भी देखने को मिला था, जिसमें न केवल देश बल्कि विश्व के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटकों ने आकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक पुनरुत्थान हुआ है, उसने युवाओं के मन में आध्यात्मिक उत्साह और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अलख जगाई है।

न्यूजीलैंड ने 2025 में मचाई धमाल, भारत-पाकिस्तान ने भी दिखाई ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल क्रिकेट फैंस के लिए काफी रोमांचक रहा और इस दौरान कई टीमों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीते। सभी फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी20 मिलाकर सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमों की लिस्ट में न्यूजीलैंड सबसे ऊपर रही। 2025 में कीवी टीम ने कुल 47 मैचों में 33 जीत दर्ज की, जबकि सिर्फ 9 मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच ड्रॉ रहा और चार मैचों का नतीजा नहीं निकला। न्यूजीलैंड ने इस साल 4 टेस्ट, 17 वनडे और 12 टी20 में जीत हासिल कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। भारत और पाकिस्तान ने भी सालभर शानदार प्रदर्शन किया और दोनों टीमों ने बराबर 30-30 मैच जीते। हालांकि पाकिस्तान ने भारत की तुलना में अधिक मैच खेले। पाकिस्तान ने कुल 56 मुकाबलों में 30 जीत हासिल की, वहीं भारत ने 45 में से इतने ही मैच जीते। इस साल भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में कई बार पाकिस्तान को मात दी, जिससे दोनों के बीच मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया।

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने इस साल तीसरे नंबर पर कब्जा जमाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कुल 38 मैचों में 23 जीत दर्ज की, जबकि 11 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में उन्हें साल की आखिरी हार मिली, लेकिन इसके बावजूद टीम ने पूरे साल स्थिर प्रदर्शन किया। लिस्ट में पांचवें पायदान पर बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की टीमें रही, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 21-21 मुकाबले जीते। साउथ अफ्रीका ने 43 मैच खेले, जिनमें 22 में हार झेली, जबकि बांग्लादेश ने 47 में से 23 मैच गंवाए। दोनों टीमों ने सालभर अपने फैंस को रोमांचक क्रिकेट का अनुभव जरूर कराया। इस लिस्ट से साफ है कि 2025 में न्यूजीलैंड ने सबसे अधिक मैच जीतकर अपनी मजबूती दिखाई, वहीं भारत और पाकिस्तान की टीमों ने भी मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका ने भी अपने स्तर पर शानदार खेल दिखाया। कुल मिलाकर, 2025 क्रिकेट के लिए एक बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक साल रहा, जिसमें फैंस को हर फॉर्मेट में क्रिकेट का भरपूर मजा मिला।

पैरालंपिक भाला फेंक में सुंदर ने बनाया है विशेष स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पिछले कुछ समय में पैरालंपिक खेलों में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसमें भाला फेंक में भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ी सुंदर सिंह गुर्जर का प्रदर्शन शानदार रहा है। सुंदर ने लगातार दो पैरालंपिक खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीते हैं। सुंदर सिंह ने कोच की सलाह पर साल 2012 में जैवलिन थ्रो शुरू किया। शुरुआत में वह सामान्य श्रेणी में खेलते थे पर साल 2015 में एक हादसे में उनका बायां हाथ कट गया। इस घटना के बाद उन्होंने कोच महावीर प्रसाद सैनी ने उनका हौंसला बढ़ाया और पैरा एथलेटिक्स में भाग लेने को कहा ।

इसक बाद सुंदर ने पैरा एथलेटिक्स में कदम रखा। इसके बाद वह जैवलिन की एफ46 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करने लगे। गुर्जर ने साल 2016 में रियो पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया था पर वह वहां आयोग्य घोषित हो गये थे। उन्होंने इसी साल लंदन में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले 2019 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दुबई में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। 2018 एशियन पैरा गेम्स में रजत और 2023 हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में सुंदर ने 68.60 मीटर थ्रो करके विश्व रिकॉर्ड बनाया।सुंदर ने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में 64.01 मीटर थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता और फिर इसके बाद पेरिस में आयोजित 2024 पैरालंपिक में 64.96 मीटर के साथ कांस्य जीता। हाल ही में 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने रजत पदक जीता।

सूर्यकुमार ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की

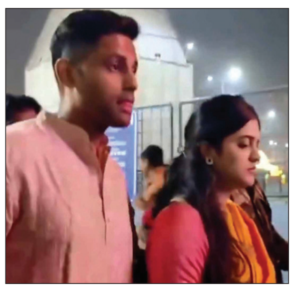

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुमला (ईएमएस)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान का आर्शिवाद लिया। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की और पवित्र वैकुंठ द्वारम से होकर दर्शन किए। इसे अत्यंत पावन माना जाता है। सूर्या पिछले कुछ समय से अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और माना जा रहा है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले इसी कारण भागवान की शरण में पहुंचे होंगे। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीडीपी) प्रशासन ने सूर्यकुमार और उनकी पत्नी के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था भी की। सुबह के समय दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने उन्हें रंगनायकुलावरी मंडपम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात दोनों को तीर्थ प्रसाद प्रदान किया गया और उन्होंने भगवान को वस्त्र अर्पित किए। मंदिर परिसर में सूर्यकुमार और देविशा को देखकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। दोनों पारंपरिक परिधान में सादगी और श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए। उनकी विनम्रता और आस्था ने एक बार फिर यह दिखाया है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम के बाद भी भारतीय खिलाड़ी अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े हुए हैं। उनके मंदिर दर्शन का एक वीडियो भी आया है। इसमें दिख रहा है कि सूर्यकुमार जब मंदिर की तरफ जा रहे थे तो प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। सूर्यकुमार ने पास आने वाले प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। कुछ पल के लिए वो रुके भी जिससे तस्वीर लेने वालों को पूरा समय मिल सके और किसी को परेशानी भी ना हो। इससे पहले साल 2023 में भी उन्होंने वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थी। इसके अलावा वह बाबा महाकाल और अन्य मंदिरों में भी दर्शनों के लिए पहुंचते रहे हैं। वहीं सूर्या के अलावा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी भगवान वेंकटेश्वर के दर्शनों के लिए पहुंचे। उनके साथ बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल के सदस्य और पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वी. चामुंडेश्वरनाथ भी थे। तिलक इससे पहले एशिया कप 2024 से पहले भी तिरुमला आए थे।

14 छक्के और 9 चौके, सरफराज खान ने रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान को विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में शानदार प्रदर्शन के साथ अपने व्हाइट-बॉल करियर को फिर से शुरू करने का एक नया मौका मिला है। यह भारतीय बल्लेबाज, जिसने आखिरी बार 1 नवंबर, 2024 को भारत के लिए खेला था, मुंबई के लिए शानदार फॉर्म में है। सरफराज ने गोवा के खिलाफ सिर्फ 75 गेंदों में शानदार 157 रन बनाए जिसमें 14 छक्को और 9 चौके शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और मुंबई के लिए सबसे तेज लिस्ट-A शतक बनाने वाले खिलाड़ी बनकर रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रोहित ने पिछले हफ्ते ही सिक्किम के खिलाफ 62 गेंदों में शतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था और उस मैच में 94 गेंदों में 155 रन बनाए थे। सरफराज ने शानदार तरीके से रिकॉर्ड तोड़ा, जब कई नए खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। सरफराज का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनका औसत 63.15 है, जिसमें उनके नाम 16 शतक और 16 अर्धशतक हैं। उन्हें 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने साइन किया था, और सिर्फ 17 साल की उम्र में, वह उस समय IPL में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे।

उनकी निडर और इनोवेटिव बैटिंग ने उन्हें जल्दी ही फैंस का पसंदीदा बना दिया, लेकिन बाद में उनके व्हाइट-बॉल करियर की रफ्तार धीमी हो गई। अब ऐसा लगता है कि वह दौर उनके पीछे छूट गया है। फिटनेस में सुधार के बाद सरफराज ने खुद को सभी फॉर्मेट में एक मजबूत दावेदार के रूप में बदल लिया है। उन्होंने हाल ही में मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 65.80 की औसत और 203.09 के शानदार स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए। सरफराज को हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने IPL नीलामी खरीदा है।

हरमनप्रीत के अर्धशतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका को पांचवें टी20 में हराकर 5-0 से सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक और अमनजीत कौर के साथ खेली उनकी अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंकाई टीम को 15 रनों से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत दर्ज की है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 175 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 160 रन ही बना पायी। श्रीलंका की ओर से सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने अर्धशतक लगाया पर इन दोनो के आउट होने के बाद अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पायीं। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 5 और पहला मैच खेल रही जी कमलिनी 12 रन ही बना पायी। एक समय आधी भारतीय टीम 77 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। इसके बाद हरमनप्रीत कौर ने ने अमनजोत कौर 21 के साथ छठे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। हरलीन देओल ने 13, ऋचा घोष ने 5 और दीप्ति शर्मा ने 7 रन बनाये। वहीं हरमनप्रीत ने 43 गेंदों में 9 चौके और एक छक्का लगाकर 68 रन बनाये। वहीं अमनजोत ने 21 रन बनायी। अंतिम दो ओवरों में अरुंधति रेड्डी ने तेजी से रन बनाकर भारतीय टीम को 170 के पार पहुंचाया। वहीं अरुंधति ने 4 चौके और एक छक्के के साथ 11 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए। स्नेह राणा 8 रन पर नाबाद रहीं। वहीं श्रीलंका की आरे से कविशा दिल्हारी, रश्मिका सेववंदी और चमारी अटापट्टू ने दो-दो विकेट लिए जबकि निमाशा मदुशानी ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हुए श्रीलंकाई बल्लेबाज हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने तेजी से रन बनाये। इसके आउट होते ही श्रीलंकाई पारी लड़खड़ा गयीं। श्रीलंका की ओर से इमेशा और हसिनी ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इमेशा ने 50 जबकि हसिनी ने 65 रन बनाए।

श्रेयस अय्यर की फिलहाल वापसी की उम्मीद नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहेंगे

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद से ही बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के अभी वापसी करने की कोई उम्मीद नहीं है। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। इसी कारण उनकी मैदान पर वापसी में देरी हो रही है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से भी उन्हें खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं पहले कहा गया था कि श्रेयस 30 दिसंबर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर आ जाएंगे पर अब उन्हें कम से कम एक सप्ताह और वहीं रहना होगा। इसका कारण है कि श्रेयस का वजन करीब 6 किलो वजन घट गया था। उनकी मांसपेशियों में भी कमजोरी आई है। इससे उनकी ताकत अभी भी सही स्तर पर नहीं पहुंची है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं है पर ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के बाद से ही उनका वजन करीब छह किलो वजन घट गया है। इसलिए मेडिकल टीम अभी तक उन्हें फिट नहीं मानती है।' पहले कहा जा रहा था कि श्रेयस के 3 और 6 जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच खेलने की उम्मीद है और फिर 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उनकी वापसी की बात कही गयी पर अब, योजना बदल गई है उम्मीद है कि उन्हें 9 जनवरी तक ही खेलने की मंजूरी मिलेगी।

प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को ड्रॉ पर रोकने में सफल रही वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स

मैनचेस्टर। प्रीमियर लीग फुटबॉल में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा है। इस मैच का पहला गोल मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से जोशुआ जिर्कजी ने 27वें मिनट में गोल किया था। वहीं मैच के 45वें मिनट में लादिस्लाव क्रेजी ने एक गोल कर वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी जिससे मुकाबला बराबरी पर रहा। वॉल्वरहैम्प्टन लगातार 11 हार के बाद किसी मैच में हार से बची है। ड्रा के साथ ही मैनचेस्टर यूनाइटेड छठे स्थान पर रही है। इससे मैनचेस्टर चौथे स्थान पर रही लिवरपूल के बराबर अंक पाने में विफल रही है। वहीं वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स अंकतालिका में सबसे नीचे है। ड्रा के साथ ही उसके 3 अंक हो गये हैं। एक अन्य मैच में न्यूकैसल यूनाइटेड ने साल के अपने अंतिम मैच में बर्नले को हराया। इस हार के बाद बर्नले 19वें नंबर जबकि न्यूकैसल 10वें नंबर पर है।

काम्या कार्तिकेयन ने रचा इतिहास, साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

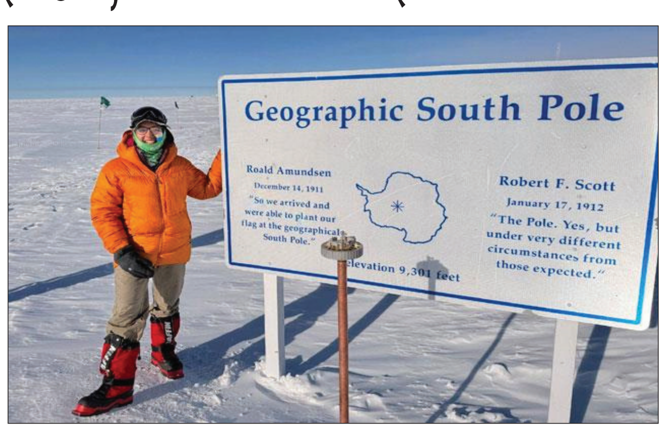

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया।

उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भारतीय नौसेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन, जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, को बधाई देती है, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।'

नौसेना ने आगे कहा, 'काम्या माइनस 30 डिग्री सेल्सियस के कठोर मौसम और तूफानी हवाओं का सामना करते हुए अपने पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।' 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या, प्रतिष्ठित एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम को पूरा करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ना और नॉर्थ और साउथ पोल दोनों जगह स्कीइंग करना शामिल है।

इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था और नेपाल की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनीं। उनकी पर्वतारोहण उपलब्धियों में माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका), माउंट एल्ब्रस (यूरोप), माउंट कोसियसको (ऑस्ट्रेलिया), माउंट एकॉनकागुआ (दक्षिण अमेरिका), माउंट डेनाली (उत्तरी अमेरिका), माउंट एवरेस्ट (एशिया), और माउंट विंसन (अंटार्कटिका) पर चढ़ाई शामिल है। काम्या 24 दिसंबर को अपने पिता, भारतीय नौसेना के कमांडर एस कार्तिकेयन के साथ माउंट विंसन की चोटी पर पहुंचीं, ताकि साउथ पोल स्की अभियान शुरू करने से पहले सेवन समिट्स चैलेंज पूरा कर सकें। उनकी असाधारण यात्रा की सराहना करते हुए भारतीय नौसेना ने कहा, 'उनकी उपलब्धि निश्चित रूप से उनकी पीढ़ी के कई लोगों को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्हें नॉर्थ पोल तक स्कीइंग के अंतिम पड़ाव को लेकर 'स्वच्छ हवा और साफ आसमान' की शुभकामनाएं।'

फीफा रैफरी सूची में एक महिला सहित तीन और भारतीय शामिल

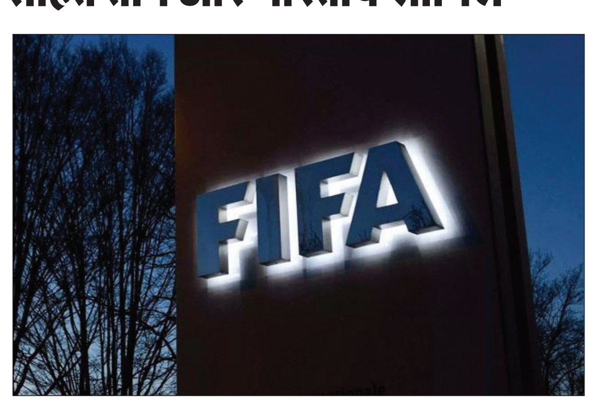

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रैफरी को फीफा की 2026 अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है। AIFF ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है जबकि रचना कमानी वर्तमान में यह कोर्स कर रही हैं। इसके अलावा पुडुचेरी के मुरलीधरन पांडुरंगन और महाराष्ट्र के पीटर क्रिस्टोफर को फीफा सहायक रैफरी के रूप में शामिल किया गया है। इस तरह 2026 के लिए फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में भारत के कुल 19 अधिकारी शामिल हो गए हैं। इसमें आठ रैफरी, 10 सहायक रैफरी और एक फुटसाल रैफरी शामिल हैं।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे 2026 एशियन गेम्स

मुंबई (एजेंसी)। 2025 के सफल साल के बाद जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लोबल स्टेज पर कई इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया, साल 2026 नई और कठिन चुनौतियां लेकर आएगा और सबसे ऊपर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स हैं।

2025 में भारत के लिए ओलंपिक खेल मिले-जुले रहे क्योंकि देश ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, शूटिंग, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में धीरज बोम्मादेवरा, तरुणदीप राय और अतनु दास की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीता। जबकि भारत ने कंपाउंड सेक्शन में दबदबा बनाया, महिला टीम और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने कंपाउंड टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीते।

भारतीय एथलीटों ने 2025 समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें 2 गोल्ड और 5 सिल्वर सहित 12 मेडल जीते, लेकिन साल का सबसे बड़ा खेल इवेंट, एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप निराशाजनक रहा क्योंकि नीरज चोपड़ा 2018 के बाद से बड़े इवेंट्स में टॉप दो में रहने के बाद बिना मेडल के रह गए।

बैडमिंटन भी मिला-जुला रहा और जूनियर इवेंट्स और मिड-लेवल प्रतियोगिताओं में कुछ मेडल के अलावा, केवल सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ही कड़ी प्रतिस्पर्धा के सामने टिकी रही।

अब वह सब पुरानी बात हो गई है और आइची-नागोया 2026 भारतीय खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देगा जबकि लॉस एंजिल्स ओलंपिक में दो साल और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में चार साल बाकी हैं, जब प्रतियोगिताओं के पूरे पैमाने पर लौटने की उम्मीद है जो 2026 में ग्लासगो में होने वाले छोटे पैमाने के संस्करण से अलग होगा, जिसमें केवल 10 खेलों में प्रतिस्पर्धा होगी।

2026 एशियन गेम्स में 32 कोर खेल होंगे जिनमें से ज्यादातर वे खेल होंगे जो ओलंपिक गेम्स का हिस्सा हैं, और 11 अन्य खेल और डिसिप्लिन होंगे जिनमें पांच क्षेत्रीय खेल वुशू, सेपक-टकराव, कबड्डी, कुराश और जूडो शामिल हैं। डांसस्पोर्ट्स, रोलर स्पोर्ट्स, सर्फिंग, क्रिकेट, ई-स्पोर्ट्स, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और पैडल भी शेड्यूल का हिस्सा होंगे।

कुल मिलाकर 45 नेशनल ओलंपिक कमेटियों से 2026 गेम्स के लिए अपने दल भेजने की उम्मीद है, जो अनोखे होंगे क्योंकि प्रतिभागियों को आमतौर पर बनाए जाने वाले स्थायी एथलीट विलेज में नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि किंजो पियर पर डॉक किए गए एक क्रूज शिप में ठहराया जाएगा।

प्रतिभागियों को नागोया बंदरगाह के पास दोबारा इस्तेमाल किए गए शिपिंग कंटेनरों से बने अस्थायी विला में भी ठहराया जाएगा, और कुछ को प्रीफेक्चर और बाहरी शहरों के कई होटलों में ठहराया जाएगा। आयोजन स्थल आइची प्रीफेक्चर और नागोया के विभिन्न शहरों में फैले होंगे जबकि तैराकी और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं टोक्यो में होंगी।

इस तरह 2026 एशियन गेम्स भारत के लिए एक बड़ा मौका होगा जो कॉन्टिनेंटल गेम्स में 183 गोल्ड, 238 सिल्वर और 357 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 778 मेडल जीतकर पांचवां सबसे सफल देश है। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स के 20वें एडिशन में 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन के बाद जाएगा, जहां भारत ने 108 मेडल जीते थे - 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज। इसका मतलब है कि प्रतिभागियों पर यह साबित करने का दबाव होगा कि पिछले कुछ सालों में उन पर खर्च किया गया भारी पैसा बर्बाद नहीं हुआ।

एक अच्छा प्रदर्शन और ढेर सारे मेडल यह भी साबित करेंगे कि पिछले कुछ सालों में भारतीय खेलों में स्वाभाविक प्रगति और विकास हुआ है जैसा कि एशियन गेम्स के पिछले कुछ एडिशन में भारत द्वारा जीते गए कुल मेडलों में देखा जा सकता है।

यह 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स और 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी एक शानदार तैयारी होगी, जो शायद अहमदाबाद में होंगे, जिसे कॉमनवेल्थ स्पोर्ट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट किया है।

एक और सफल एशियन गेम्स 2036 ओलंपिक गेम्स के लिए भारत की दावेदारी को भी मजबूत करेगा। 2026 में भारत के पास अच्छा प्रदर्शन करने का पूरा मौका है और आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने का सही मौका होगा।

मुंबई इंडियन्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले क्रिस्टन बीम्स को बनाया स्पिन गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाली बीम्स की एंट्री से मुंबई इंडियन्स की महिला टीम को स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीम्स ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट अभियानों का हिस्सा रह चुकी हैं और 2017 महिला एकदिवसीय विश्व कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रही थीं। क्रिस्टन बीम्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही ज्यादा लंबा न रहा हो, लेकिन वह अपनी निरंतरता और क्रिकेट की समझ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट मैच खेला, जिसमें 11 ओवर की गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने 30 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42 विकेट अपने नाम किए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर चार विकेट रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बीम्स का योगदान अहम रहा, जहां उन्होंने 18 मैचों में 20 विकेट लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर तीन विकेट का रहा। घरेलू स्तर पर उन्होंने महिला बिग बैश लीग में 45 टी20 मुकाबले खेले और अपनी उपयोगिता साबित की। खेल से संन्यास लेने के बाद बीम्स ने कोचिंग में खुद को स्थापित किया। वह महिला बिग बैश लीग और द हंड्रेड जैसे बड़े टूर्नामेंट में कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया की महिला अंडर-19 टीम की कोच रह चुकी हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीड की भूमिका भी निभा चुकी हैं। क्रिकेट तस्मानिया में कम्युनिटी क्रिकेट मैनेजर के रूप में काम कर चुकी बीम्स अब मुंबई इंडियन्स के साथ अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगी। डब्ल्यूपीएल का चौथा सत्र नौ जनवरी से पांच फरवरी तक खेला जाएगा, और इससे पहले बीम्स की नियुक्ति को मुंबई इंडियन्स की खिताब बचाने की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

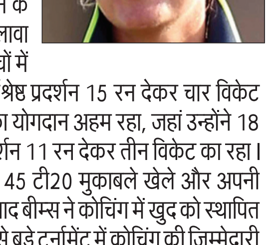

फिल्म हिट होने के बाद भी डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं करिश्मा

कुछ अभिनेत्रियों के लिए हिंदी सिनेमा या टीवी की दुनिया में आना आसान रहा, लेकिन कुछ को रंग, रूप और लंबी हाइट के लिए रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। उन्हीं में से एक हैं टीवी से लेकर फिल्मों में काम करने वाली करिश्मा तन्ना, जिन्हें अपनी लंबी हाइट की वजह से कई टीवी सीरियल में काम करने का मौका नहीं मिला। 21 दिसंबर को जन्मीं करिश्मा तन्ना ने कभी नहीं सोचा था कि वो टीवी सीरियल या फिल्मों की तरफ रुख करेंगी। अभिनेत्री ने कॉलेज के समय अपने दोस्तों के कहने पर फोटोग्राफी के सेशन में भाग लिया। उनके दोस्तों ने करिश्मा की फोटोज को अलग-अलग जगह भेज दिया और फिर शुरू हुआ मॉडलिंग का सिलसिला। तन्ना को फोटोशूट और मॉडलिंग प्रोजेक्ट के फोन आने लगे और उन्हीं में से एक कॉल बालाजी प्रोडक्शन हाउस की तरफ से था। तन्ना को फोन कॉल के जरिए अपना पहला शो मिला और पहली बार में ही उन्हें सेलेक्ट कर लिया गया। करिश्मा को क्योंकि सास भी कभी बहू थी में देखा गया, जिसके बाद वे साल 2003 में टीवी सीरीज कोई दिल में है में नजर आईं। साल 2005 के टीवी शो एक लड़की अंजानी सी में उन्होंने निगेटिव रोल भी प्ले किया और फिर प्यार के दो नाम- एक राधा, एक श्याम का हिस्सा रहीं। टीवी में ठीक-ठाक काम करने के बाद, उन्होंने फिल्मों में काम ढूंढना शुरू किया, क्योंकि ज्यादातर सीरियल में वे साइड रोल में नजर आईं। फिल्मों में भी उन्हें छोटे और साइड रोल ही ऑफर हुए और पहचान बनाना मुश्किल हो गया। 2013 में आई ग्रैंड मस्ती उनकी पहली फिल्म थी, जिसके बाद, टीना एंड लोलो और रणबीर कपूर की फिल्म संजू में नजर आईं। फिल्म संजू उनके करियर की सबसे हिट फिल्मों में से एक थी, लेकिन संजू करने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया। 1 साल तक करिश्मा ने घर में समय काटा और डिप्रेशन का शिकार हो गईं। अभिनेत्री ने बताया था कि संजू में भी काम करना उनके करियर के लिए कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि 1 साल तक किसी ने काम नहीं दिया। उन्होंने कई प्रोडक्शन कंपनियों के पास फोन किया और काम की उम्मीद की, लेकिन हर जगह से हाथ खाली। उन्होंने बताया था कि उनके दोस्त भी इस इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं थे, इसलिए उनसे शेयर करना सही नहीं समझा, लेकिन फिर खुद को समझाने की कोशिश की और धीरे-धीरे डिप्रेशन से बाहर आने लगी। अब अभिनेत्री सीरीज में दिख रही हैं, और उन्हें आखिरी बार हश-हश नाम की सीरीज में पुलिसवाली के रोल में देखा गया।

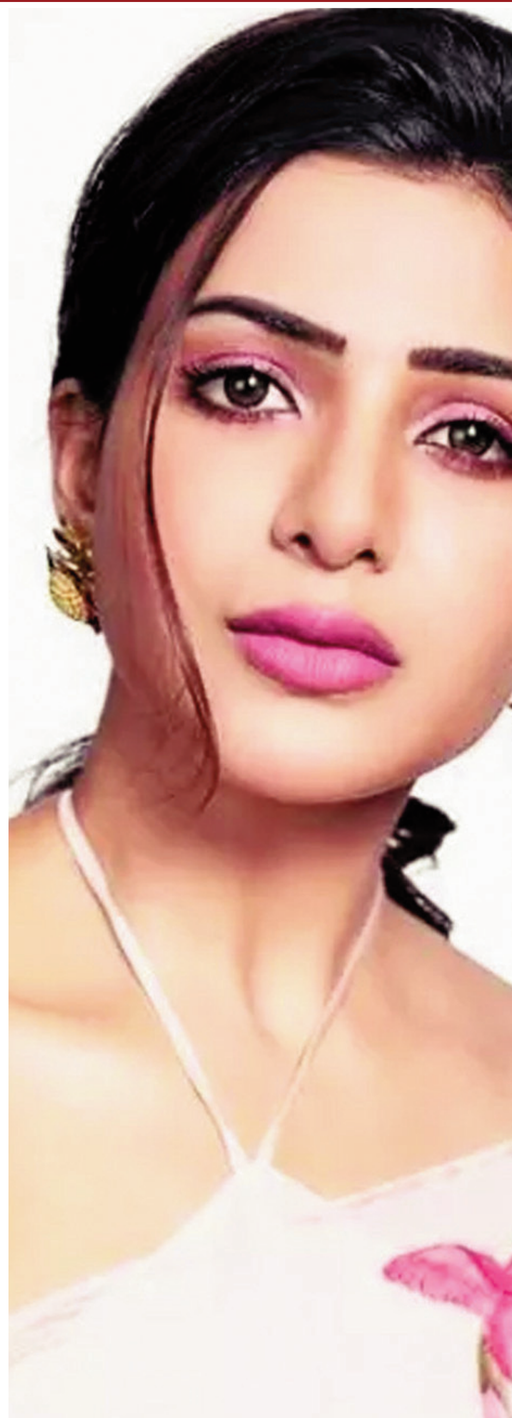

सामंथा रुथ प्रभु से लेकर अदिति राव हैदरी तक, तलाक के बाद इन कलाकारों को दोबारा की शादी

बॉलीवुड के कई मशहूर कलाकार ऐसे हैं जिनकी पहले शादी हुई, फिर उनका तलाक हुआ। तलाक के बाद वह टूटे नहीं। वह करियर में आगे बढ़े उन्होंने अपने आपको मौका दिया और उन्हें दोबारा प्यार हुआ। अब यह कलाकार या तो शादीशुदा हैं या फिर किसी के साथ रिश्ते में हैं। आज हम उन्हीं कलाकारों के बारे में बात करेंगे।

सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु ने नागा चैतन्या से साल 2017 में शादी की थी। दोनों का साल 2021 में तलाक हो गया। पति से अलग होने के बाद सामंथा टूटी नहीं। उन्होंने अपनी जिंदगी को संभाला और तरक्की की। साल 2025 में उन्हें दोबारा प्यार हुआ। उन्होंने राज निदिमोरु से शादी की। उनका सफर उन लोगों के लिए सबक है, जो ब्रेकअप के बाद टूट जाते हैं।

दीया मिर्जा

दीया मिर्जा ने 2014 में साहिल सागा से शादी की थी लेकिन साल 2019 में दोनों अलग हो गए। तलाक के बाद दीया मिर्जा को दोबारा प्यार हुआ। उन्होंने कारोबारी वैभव रेखी से 2021 में शादी की। इसी साल उनको एक बच्चा भी हुआ, जिसका नाम अवयान आजाद रेखी है। दीया शादीशुदा जिंदगी बिता रही हैं और काम भी करती हैं।

ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने साल 2000 में सुजैन खान के साथ शादी की थी। साल 2014 में दोनों अलग हो गए। दोनों अपने बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। तलाक के बाद ऋतिक रोशन ने सबा आजाद को डेट करना शुरू किया। सुजैन भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं। ऋतिक और सुजैन अब भी एक दूसरे का सम्मान करते हैं।

अदिति राव हैदरी

साल 2009 में अदिति राव हैदरी ने सत्यदीप मिश्रा से शादी की। चार साल के बाद दोनों का तलाक हो गया और वे अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए। अदिति को दोबारा सिद्धार्थ से प्यार हुआ। यह उनकी नई शुरुआत थी। साल 2024 में दोनों ने एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। अब दोनों खुशी-खुशी अपनी जिंदगी बिता रहे हैं।

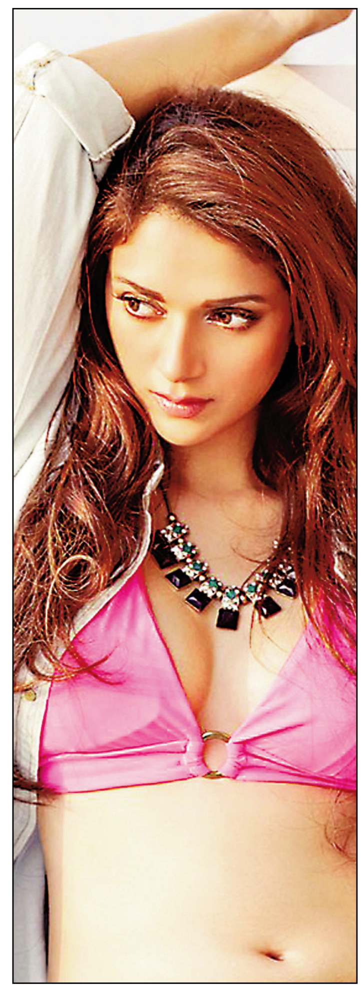

सैफ अली खान

सैफ अली खान ने साल 1991 में अमृता सिंह से शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं, जिनके नाम इब्राहिम अली खान और सारा अली खान है। सैफ और अमृता 2004 में अलग हो गए। सैफ को दोबारा प्यार मिला। उन्होंने 2012 में करीना कपूर के साथ शादी की। उनके दो बच्चे हैं, तैमूर और जेह। सैफ-करीना बॉलीवुड के पावर कपल कहलाते हैं।

फरहान अख्तर

फरहान अख्तर ने साल 2000 में पहले हेयर स्टाइलिस्ट अधुना भबानी से शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं। शादी के कई वर्षों के बाद दोनों साल 2016 में एक दूसरे से अलग हो गए। फरहान को दोबारा अभिनेत्री शिबानी दांडेकर से प्यार हुआ। दोनों ने साल 2022 में शादी कर ली।

अरबाज खान

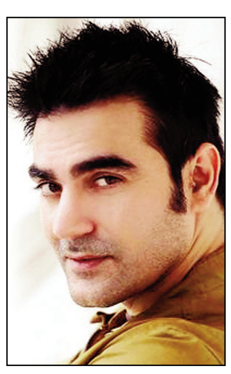

शादी के 19 साल के बाद अरबाज खान 2017 में मलाइका अरोड़ा से अलग हो गए। दोनों का एक बेटा अरहान खान है। अरबाज खान ने साल 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ शादी की। वहीं मलाइका अरोड़ा अब भी सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं।

ममूटी ने किया अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान

मलयालम के सुपरस्टार ममूटी ने एलान किया है कि वह फिल्ममेकर खालिद रहमान के साथ एक नई फिल्म में एक साथ काम करेंगे। हाल ही में ममूटी ने फेसबुक पर इस बात की जानकारी दी है। अपकमिंग फिल्म क्यूब्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस की जाएगी।

ममूटी ने फेसबुक पर दी जानकारी

ममूटी ने फेसबुक पर एक पोस्ट साझा की। इसके साथ एक पोस्टर था। इस पर लिखा था ममूटी, खालिद रहमान, शरीफ मुहम्मद। इसके कैप्शन में लिखा है क्यूब्स एंटरटेनमेंट साथ अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का एलान करते हुए खुशी महसूस कर रहा हूं। इसका निर्देशन खालिद रहमान कर रहे हैं।

उंडा में साथ में किया काम

यह फिल्म एक्टर और फिल्ममेकर के बीच 2019 की फिल्म उंडा के बाद दूसरा कोलेबोरेशन भी होगा। इसमें ममूटी ने एक पुलिस की भूमिका निभाई थी। इसमें ईश्वरी राव, रंजीत, शाइन टॉम चाको, अर्जुन अशोकन और जैकब ग्रेगरी भी अहम भूमिकाओं में थे। ममूटी को आखिरी बार फिल्म कलमकवल में देखा गया था।

ममूटी अभिनेता होने के साथ फिल्म निर्माता भी हैं। उन्होंने मलयालम सिनेमा के अलावा तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ सहित अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है। 74 साल के अभिनेता ने 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। ममूटी ने अपने काम के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें तीन नेशनल फिल्म अवॉर्ड और पद्म श्री शामिल हैं।

कीर्ति सुरेश की रिवॉल्वर रीटा और राम पोथिनेनी की आंध्र किंग तालुका होगी ओटीटी पर रिलीज

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद कुछ फिल्मों का बेसब्री से ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार किया जाता है। अगले हफ्ते क्रिसमस है और अगर आप इस क्रिसमस पर मजेदार और कॉमेडी से भरी कुछ फिल्में देखना चाहते हैं, तो हम साउथ की दो बेहतरीन फिल्मों के बारे में जानकारी लेकर आए हैं, जो सिनेमाघरों में पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। हम बात कर रहे हैं रिवॉल्वर रीटा और आंध्र किंग तालुका फिल्म की। दोनों ही फिल्मों को दर्शकों से अच्छा रिस्पांस मिला है और अब ये दोनों ही फिल्में ओटीटी पर रिलीज होने वाली हैं। रिवॉल्वर रीटा नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। कीर्ति सुरेश स्टारर रिवॉल्वर रीटा कॉमेडी और क्राइम दोनों को पर्दे पर अच्छे से दिखाती है। फिल्म की कहानी गैंगवार और परिवार को गुंडों से बचाने की कशमकश से शुरू होती है। रीटा एक साधारण परिवार से आती हैं, लेकिन उनकी जिंदगी तब बिखर जाती है, जब एक गलतफहमी की वजह से उनका परिवार दो गैंग की हिंसा के बीच फंस जाता है। अब अपने परिवार को बचाने के लिए रीटा समझदारी और हिम्मत का इस्तेमाल करती हैं और गुंडों से अपने परिवार को बचाने की कोशिश करती हैं।

रिवॉल्वर रीटा की ओटीटी रिलीज डेट

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। फिल्म ने एक हफ्ते में तकरीबन 4 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म का बजट भी बहुत कम है। अगर आपने ये फिल्म नहीं देखी है तो ओटीटी पर 25 दिसंबर को देख सकते हैं। फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी।

आंध्र किंग तालुका ओटीटी पर कब आ रही है?

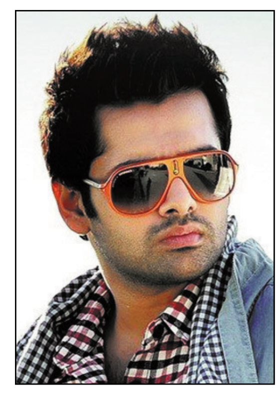

दूसरी एक्शन-कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है आंध्र किंग तालुका, जो 27 नवंबर को सिनेमा सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब फिल्म को नेटफ्लिक्स पर 25 दिसंबर को रिलीज करने का फैसला लिया है। फिल्म में लीड रोल में राम पोथिनेनी, उपेंद्र और भाग्यश्री बोरसे हैं। फिल्म की कहानी और निर्देशन महेश बाबू पचिगोल्ला ने किया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो इसकी कहानी सागर नाम के एक नौजवान युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सुपरस्टार आंध्र किंग सूर्या कुमार का बहुत बड़ा फैन है। अपने आइडल के प्रति दीवानगी के कारण, उसकी पूरी जिंदगी उस सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

अनुभव सिन्हा की दर्शकों को दो टूक नसीहत

बॉलीवुड को तुम बिन, रा.वन, मुल्क और थप्पड़ जैसी बेहतरीन फिल्में देने वाले अनुभव सिन्हा अपनी सुपरहिट वेब सीरीज आईसी 814 के लिए भी जाने जाते हैं। वह इन दिनों अपने चल पिक्चर चलें टूर के तहत देश के अलग-अलग शहरों में जाकर वहां के सिनेमा, खानपान और संस्कृति को समझ रहे हैं। इस यात्रा के बीच वह दिल्ली पहुंचे, जहां अनुभव सिन्हा ने अपनी इस यात्रा, सिनेमा बिजनेस और दिल्ली के छोले भटूरों के बारे में खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने गाहे-बगाहे दर्शकों को यह दो टूक नसीहत भी दे दी कि वह किसी फिल्म को सिर्फ इसलिए ना देखें कि वह बंपर कमाई कर रही है।

आजकल फिल्मों से ज्यादा उनकी कमाई की चर्चा होती है। इस बारे में क्या कहेंगे आप?

इसकी शुरुआत भी हमने यानी बॉलीवुड ने ही की है। हम खुद बताते हैं कि किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया है। अरे दर्शकों को उससे क्या मतलब है। उसे बस यह देखना है कि आपने अच्छी फिल्म बनाई है या नहीं। लेकिन हमने उसको बताना शुरू किया कि फलाना फिल्म का ओवरसीज का कलेक्शन इतना हो गया, ग्रॉस कमाई इतनी हो गई, नेट कलेक्शन इतना हो गया या इतना हो गया। उस बेचारे की जिंदगी में पहले ही बहुत परेशानियां हैं। घर से काम पर जाना होता है, परिवार चलाना होता है, समोसे महंगे हो गए हैं और वो बेचारा उस सब को लेकर परेशान है। आप उसे और परेशान कर रहे हो। लेकिन अब यह सिस्टम ही ऐसा हो गया है कि मैं भी चाहूं, तो इसे नहीं रोक सकता हूं। आजकल बहुत अच्छा हो गया है कि साउथ की फिल्में हिंदी में चल रही हैं, हिंदी की फिल्में साउथ में चल रही हैं। आखिर यह एक देश ही तो है ना भाई। सिनेमा के बिजनेस में लोगों को इतना दिमाग नहीं लगाना चाहिए। आप बस पिक्चर देखिए, अच्छी लगी या नहीं लगी, बात खत्म। उसकी कमाई की चिंता आप मत करो। हर आदमी पिक्चर को, इंडस्ट्री को और उसके बिजनेस को समझने की कोशिश कर रहा है, जो कि सम्भव नहीं है। फिल्म का बिजनेस बाकी बिजनेस से बहुत अलग है, उसके लॉजिक बहुत अलग हैं।

आजकल आप नए-नए शहरों में जा रहे हैं। इससे पहले ऐसा नहीं देखा गया कि एक फिल्म डायरेक्टर देश के छोटे-बड़े शहर घूम रहा है। कोई खास वजह?

वो मेरी अपनी जरूरत है। मैं चाहता हूं कि मैं जानूं तो सही अपने समाज को जिसके लिए हम फिल्में बनाते हैं, जिसकी हम कहानियां कहते हैं। मैं कब से उन शहरों में गया ही नहीं था। यह ऐसा हो गया था जैसे एक पुराना दोस्त है, जिसको मैं 30 साल से मिला ही नहीं। बस जानते हैं, लेकिन बहुत समय से मिले नहीं।

फिल्म इंडस्ट्री वालों पर आरोप लगते हैं कि उनका बॉलीवुड बस बांद्रा तक सीमित है। क्या आप उससे बाहर निकलने के लिए शहर-शहर घूम रहे हैं?

हमेशा से दर्शक उसी बांद्रा की फिल्में ही तो पसंद कर रहे थे। वे उन्हें ही देखते थे और वे ही हिट होती थीं। ये सब बेकार की बातें हैं। क्या है ना आजकल बॉलीवुड को गाली देना बड़ा मजे का काम हो गया है। आपको देने में भी मजा आता है, पढ़ने और सुनने वाले को भी मजा आता है। हकीकत में फिल्म बनाना कोई आसान काम नहीं है। एक टापू से पूरे देश की जनता को समझना, जो इतनी विविध है। फिर उन सब के पसंद की फिल्म बनाना भी आसान काम नहीं है। हालांकि मैं यह नहीं कह रहा की हमारी तरफ से कोई खामी नहीं है, हमारी तरफ से भी कुछ कमियां तो हुई हैं। यहां सभी लोग चाहे प्रोडक्शन हाउस हों, डायरेक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर फिलहाल सब फायर फाइटिंग मोड में यही समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कैसे दर्शक और फिल्मों के बीच गैप कम हो। बॉलीवुड पर ही पूरी तरह से आरोप लगाना भी ठीक नहीं है। आजकल समाज बहुत तेजी से चेंज हो रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में डायरेक्टर अगर कुछ चीजें चेंज करता है, तो उसका असर दिखने में साल-डेढ़ साल लगता है। पूरा बॉलीवुड समझ रहा है और उस गैप को कम करने की कोशिश भी हो रहा है।

आपकी फिल्म तुम बिन आज भी याद की जाती है। ऐसी फिल्में कैसे बनती थीं, इसका कोई फॉर्मूला आपके पास है?

नहीं, ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं है। थोड़ा आप इसको इस नजरिए में भी देखिए कि कुछ समय जो फिल्में आती थी न, तो सिर्फ फिल्में आती थी। अब इतना कुछ है। मल्टीप्लेक्स आ गए। फिल्मों का बनना बढ़ गया, इक्ज़ भी आ गया। तो किसी भी फिल्म का अकेले खड़े रहना रह पाना मुश्किल हो गया है। दूसरा समय बदला है और दर्शक भी बदला है। फिल्म में आपके पास पहुंचने का तरीका बदल गया है। अब सिनेमा हॉल ही इकलौता माध्यम नहीं रह गया है।

नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज़्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलैंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परम्परा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती - बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं हैं। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई हैं।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी-अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग-अलग त्योहार और रीति-रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग-अलग हैं और सभी एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत-संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13-14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने-पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहें तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा-जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह-जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियां प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तरॉ, व पव इत्यादि अपने-अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियां करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की भरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाऐं दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य- मनुष्यों से तथा गाड़ियां गाडियों से भिडने लगते हैं। रात-रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियां एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सराबोर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्क्रतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन पराया।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत् व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीजर द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सम्वत् का प्रचलन अग्रेंजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकांश राष्ट्रों के ईसाई होने और अग्रेंजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरूआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीजर तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकत्तीस दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीजन ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए।

जिस प्रकार ईस्वी सम्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सम्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सम्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त पूछते हैं। और तो और, देश के बडे से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं -

ऐतिहासिक महत्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन - उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस - प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना - शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात्, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरू अंगददेव प्रगटोत्सव - सिख परंपरा के द्वितीय गुरू का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस - समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस - सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस -विक्रमादित्य की भांति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन - 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा0 केशव राव बलीराम हैडगेबार जन्म दिवस - राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।

क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फैंक स्वदेशी अपनाऐं और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।